अखिलेश भी मान रहे हैं भगवा ही.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 173 | गाजियाबाद / शुक्रवार 25 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

नोएडा में चलती स्लीपर बस में आग, 9 जिंदा जले

बस एमपी के ट्रैवल्स की, इस पर 19 चालान, 1.75 लाख जुर्माना हो चुका

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा में बुधवार रात यमुना एक्सप्रेस-वे पर चलती स्लीपर एसी बस में आग लगने से 9 यात्रियों की मौत हो गई। इनमें 8 पुरुष और एक महिला है। बस में कुल 35 यात्री सवार थे। 20 को रेस्क्यू किया गया, जबकि कुछ लोग खिड़कियां तोड़कर निकले। अंदर फंसे लोग बुरी तरह जल गए। उनके शव तक की पहचान नहीं हो पाई है। हादसे का शिकार हुई बस दिल्ली के कश्मीरी गेट से रात 9:30 बजे महोबा के लिए निकली थी। करीब 11:30 बजे जेवर एयरपोर्ट से 500 मीटर इसमें आग लग गई।

पुलिस ने बताया कि बस मध्य प्रदेश के राज कल्पना ट्रैवल्स की है। इसके 19 चालान हो चुके हैं और रू. 1.75 लाख जुर्माना लगाया गया है। पुलिस ने दो ड्राइवर पवन, विनोद और कंडक्टर योगेश को गिरफ्तार किया है।

पैसेंजर बोले- ड्राइवर-क्लीनर सिगरेट पी रहे थे- बस में सवार यात्री सुनील कुमार ने पुलिस को बताया कि ड्राइवर-क्लीनर सिगरेट पी रहे थे। यात्रियों ने विरोध किया तो दोनों हंसने लगे। बस में जलने की गंध भी आ रही थी, कुछ देर बाद उसमें आग लग गई। आग के बावजूद ड्राइवर ने तुरंत बस नहीं रोकी। यात्रियों के शीशे तोड़ने के बाद ही उसे रोका गया।

शुरुआती जांच में एसी में ब्लास्ट से आग लगने की आशंका- नोएडा चीफ फायर ऑफिसर (सीएफए) प्रदीप कुमार के मुताबिक शुरुआती जांच में एसी में स्पार्क या ब्लास्ट से इंजन में आग लगने की आशंका है।

बस का पिछला हिस्सा काटकर पहुंचे फायर फाइटर्स- फायर ऑफिसर ने बताया कि फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और 45 मिनट में आग बुझाई। फायर फाइटर्स बस का पिछला हिस्सा काटकर अंदर पहुंचे। एक-एक शव बाहर निकाला गया।

बिहार में जमुई के बाद समस्तीपुर में लड़की से बदसलूकी

युवकों ने नाबालिग को घसीटा, बाल खींचे; मंत्री बोले- इन घटनाओं का वीडियो बनाना साजिश

समस्तीपुर (एजेंसी)। बिहार के समस्तीपुर में भी जमुई जैसी छेड़छाड़ की घटना हुई है। सड़क पर कुछ लड़कों ने एक नाबालिग लड़की के साथ बदसलूकी की, जिसका वीडियो 21 सितंबर से वायरल है।

लड़की युवकों से बार-बार छोड़ने के लिए कहती है, लेकिन युवकों ने बीच सड़क उसका हाथ पकड़ा, विरोध करने पर पीटने की कोशिश की, बाल खींचे और दूसरी तरफ ले गए।

घटना 15 सितंबर की है। समस्तीपुर पुलिस को इसकी जानकारी 23 सितंबर की रात करीब साढ़े 10 बजे मिली। इसके बाद पुलिस ने कर्पूरी ग्राम थाना क्षेत्र में कई जगहों पर छापेमारी की। 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बिहार सरकार में मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि जमुई या समस्तीपुर हो, इस तरह की घटनाओं की रील बनाना एक साजिश है। सरकार को बदनाम करने की कोशिश है।

संक्षिप्त समाचार

देशभर में 2-अक्टूबर को यूपीआई से पैसा नहीं लेंगे व्यापारी

क्यूआर कोड को काले कपड़े से ढकेंगे, 2000 से ज्यादा ट्रांजैक्शन पर चार्ज का विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप अपनी जैब में कैश नहीं रखते और यूपीआई से ही पेमेंट करते हैं, तो 2 अक्टूबर को ऐसा नहीं कर पाएंगे। क्योंकि देशभर के व्यापारियों ने इस दिन नो पीआई डे मनाने का ऐलान किया है। यानी इस दिन देशभर में कोई भी व्यापारी और दुकानदार यूपीआई से पेमेंट नहीं लेंगे।

महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर अध्यक्ष रवींद्र मंगवे ने बताया कि यह आंदोलन सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देशभर के 500 से ज्यादा प्रमुख व्यापारी संगठन इसमें हिस्सा लेंगे।

इस दिन व्यापारी संगठन 15 अक्टूबर से 2000 रुपए से ज्यादा ट्रांजैक्शन पर लगने वाले 0.4 प्रतिशत चार्ज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। व्यापारियों की इस चार्ज को हटाने की मांग है। इस दौरान व्यापारी क्यूआर कोड, स्कैनर, साउंड बॉक्स और अन्य डिजिटल पेमेंट डिवाइसेस को काले कपड़े से ढककर विरोध करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा-टीएमसी पर फैसला कब

- कहा- हमने शिवसेना मामले में देरी का नतीजा देखा; पार्टी का नाम-चुनाव चिह्न फ्रीज है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयोग (ईसी) से पूछा कि ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर चल रहा फैसला कब तक लेंगे। कोर्ट ने आयोग से कहा कि वह फैसले की टाइमलाइन बताए।

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें आयोग ने टीएमसी के नाम और चुनाव चिह्न को फ्रीज कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच इस याचिका पर सुनवाई की। बेंच ने चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील डी एस नायडू से विवाद पर अंतिम फैसला लेने की समयसीमा बताने को कहा। शिवसेना विवाद के फैसले में देरी का जिक्र करते हुए, कोर्ट ने कहा विवाद का निपटारा शीघ्रता से किया जाना चाहिए ममता बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद ईसी ने नाम-सिंबल फ्रीज करने का फैसला लिया।

भाजपा ने बंगाल चुनाव में 287 करोड़ खर्च किए

5 राज्यों के चुनावी खर्च का आधे से ज्यादा बंगाल में; बाकी 4 राज्यों में 242 करोड़ खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने असम, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों में कुल 529.38 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें सबसे ज्यादा 286.99 करोड़ रुपए पश्चिम बंगाल में खर्च हुए।

मीडिया के मुताबिक बंगाल में पार्टी ने चुनाव प्रचार पर 217.16 करोड़ रुपए और उम्मीदवारों पर 69.83 करोड़ रुपए खर्च किए। बाकी 4 राज्यों में पार्टी ने 242 करोड़ रुपए खर्च किए। बीजेपी का बंगाल में खर्च कांग्रेस के पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में किए गए कुल 248.55 करोड़ रुपए के खर्च से ज्यादा रहा। सीपीआई (एम) का कुल खर्च 39.04 करोड़ रुपए रहा। इसका खुलासा चुनाव आयोग को सौंपी गई खर्च रिपोर्ट से हुआ है।

कांग्रेस ने बंगाल चुनाव में 42.08 करोड़ रुपए खर्च किए

बंगाल में भाजपा ने 293 सीटों में से 207 सीटें जीतीं, जबकि टीएमसी को 80 सीटें मिलीं। कांग्रेस ने राज्य में 293 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ा और 2 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने बंगाल में कुल 42.08 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें 12.96 करोड़ रुपए प्रचार और 29.12 करोड़ रुपए उम्मीदवारों से जुड़े खर्च पर लगाए गए। सीपीआई (एम) ने बंगाल में 197 सीटों पर चुनाव लड़ा और एक सीट जीती। पार्टी ने चुनाव में 8.23 करोड़ रुपए खर्च किए। वहीं, टीएमसी की चुनावी खर्च रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई है।

केरल में बीजेपी ने प्रचार पर 54.93 करोड़ रुपए खर्च किए

केरल में कांग्रेस ने अपने मुख्यालय और राज्य इकाई के जरिए 105.34 करोड़ रुपए खर्च किए। वहीं बीजेपी का खर्च 82.67 करोड़ रुपए रहा। कांग्रेस ने केरल में प्रचार पर 71.30 करोड़ रुपए और उम्मीदवारों से जुड़े खर्च पर 34.05 करोड़ रुपए खर्च किए। बीजेपी ने केरल में प्रचार पर 54.93 करोड़ रुपए और उम्मीदवारों पर 27.74 करोड़ रुपए खर्च किए। सीपीआई(एम) की राज्य इकाई ने 28.60 करोड़ रुपए खर्च किए, जिसमें 26.30 करोड़ रुपए प्रचार और 2.31 करोड़ रुपए उम्मीदवारों से जुड़े खर्च पर लगाए गए।

भाजपा को चुनाव के दौरान 1,472.8 करोड़ फंड मिला

बीजेपी ने असम में 96.27 करोड़ रुपए, तमिलनाडु में 51.56 करोड़ रुपए, पुडुचेरी में 11.90 करोड़ रुपए खर्च किए। इसके अलावा केरल और पश्चिम बंगाल में भी खर्च किया।5 राज्यों में चुनाव के दौरान भाजपा को 1,472.8 करोड़ रुपए मिले। वहीं, कांग्रेस को 207.17 करोड़ रुपए मिले।चुनाव की घोषणा के समय बीजेपी के केंद्रीय कार्यालय में 6,722.6 करोड़ रुपए थे। चुनाव खत्म होने के बाद यह बढ़कर 7,627.2 करोड़ रुपए हो गए। वहीं, कांग्रेस के मुख्यालय और पांच राज्य इकाइयों का बैलेंस 169.06 करोड़ रुपए से घटकर 103.2 करोड़ रुपए रह गया।

चक्रवात अर्नब से ओडिशा-आंध्र प्रदेश में भारी बारिश, पुल डूबे

बंगाल, एमपी और छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नईदिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से बना अर्नब चक्रवात उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट से देर रात 11 से 1 बजे के बीच टकरा गया। इसके असर से दोनों राज्यों के तटीय जिलों में भारी बारिश हो रही है। दक्षिण ओडिशा के 10 जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। करीब 5 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। मलकानगिरी में चार पुल डूब जाने से ट्रैफिक बंद हो गया है। सुरक्षा कारणों से नेशनल हाईवे भी बंद कर दिया गया है। वहीं, राउरकेला में तूफान से सिविल टाउनशिप में बना 150 फुट ऊंचा गणेश पंडाल ढह गया।

ओडिशा में दो दिनों तक तूफानी मौसम का अलर्ट

मौसम विभाग ने बताया कि ओडिशा में पिछले 24 घंटों में औसतन 70 मिमी बारिश हुई है, जिसमें कोरापुट जिले के सिमिलिगुडा में सबसे अधिक 193.9 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, तटीय इलाकों में दो दिनों तक तेज हवाओं के साथ तूफानी मौसम रहेगा और मछुआरों से शुक्रवार सुबह तक समुद्र में न जाने की अपील की।

जिनपिंग अमेरिका पहुंचे, स्वागत में 100 फीट का रेड कार्पेट

- ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर एयरपोर्ट पर रिसीव करने पहुंचे, व्हाइट हाउस में स्टेट डिनर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग गुरुवार सुबह अमेरिका पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर खुद जॉइंट बेस एंड्रयूज एयरपोर्ट गए और उनका स्वागत किया।

ट्रम्प के साथ फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी मौजूद थीं। शी के साथ उनकी पत्नी पेंग लियुआन भी अमेरिका पहुंची हैं।आज जिनपिंग का व्हाइट हाउस में औपचारिक स्वागत होगा। इस दौरान सैन्य विमान फ्लाईओवर करेंगे और करीब 500 अमेरिकी सैन्यकर्मी समारोह में शामिल होंगे।

आईआईटी-बॉम्बे सुसाइड केस, राहुल गांधी ने माता-पिता से बात की

साहिल ने मौत से पहले दोस्त को फोन किया था, कहा- गलती हो गई

मुंबई (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की मौत के बाद परिजन प्रदर्शन कर रहे हैं। साहिल ने 18 सितंबर को हॉस्टल में सुसाइड कर लिया था। राहुल गांधी ने आईटीटी बॉम्बे के स्टूडेंट साहिल वाकोडे के माता-पिता रवींद्र और सोनाली से वीडियो कॉल पर बात की। उन्होंने दोनों को मदद का भरोसा दिया। मीडिया सूत्रों ने गुरुवार को जानकारी दी।

वहीं, मौत से कुछ घंटे पहले साहिल ने फोन पर अपनी करीबी दोस्त से बात की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसने थर्मोडायनेमिक्स का पेपर खराब होने की बात कही और कहा था- मुझसे गलती हो गई। इसके बाद साहिल ने दोस्त के फोन का जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बातचीत में उसने जाति से जुड़ी किसी घटना या टिप्पणी का जिक्र नहीं किया।

साहिल के माता-पिता का आरोप- मुंबई से जबरन बाहर ले जाया गया

आत्महत्या करने वाले आईआईटी बॉम्बे के छात्र के माता-पिता ने आरोप लगाया कि बुधवार तड़के उन्हें उनकी इच्छा के खिलाफ निजी कार से मुंबई से बाहर ले जाया गया। परिवार के मुताबिक, उन्हें मुंबई से करीब 555 किलोमीटर दूर वाशिम जिले ले जाया गया। परिवार ने कहा कि वे मुंबई में रहकर आईआईटी बॉम्बे के पवई परिसर के बाहर भूख हड़ताल शुरू करना चाहते थे। उन्होंने मामले में नामित प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला और संस्थान के निदेशक शिरीष केदारे की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की थी।

सोशल मीडिया पर दोस्ती कर होटल में बुलाया, आरोपी फरार, पास्को में केस

दिल्ली में नाबालिग से रेप, 12 दिन में चौथा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वजीराबाद इलाके की एक होटल में नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी और पीड़ित दोनों वजीराबाद के रहने वाले हैं। आरोपी ने सोशल मीडिया पर लड़की से दोस्ती की और मंगलवार को उसे होटल में बुलाया।

घटना के बाद लड़की घर पहुंची और परिवार को पूरी बात बताई। इसके बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल कराया और उसका बयान दर्ज किया।

मेडिकल जांच और लड़की के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। दिल्ली में पिछले 12 दिनों में नाबालिग से रेप का यह चौथा मामला है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, पॉक्सो केस में करीब 97 प्रतिशत आरोपी, पीड़ित को पहले से जानता है।

होटल के रिकॉर्ड की जांच

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि नाबालिग को होटल में प्रवेश कैसे मिला। जांचकर्ता होटल का रजिस्टर, सीसीटीवी फुटेज और अन्य रिकॉर्ड देख रहे हैं।

दिल्ली में रेप के पिछले 3 केस

- **12 सितंबर-** स्वरूप नगर में 16 साल की नाबालिग से गैंगरेप-हत्या। अगले दिन खेत के पास खुले मैदान में शव मिला। चार आरोपी गिरफ्तार हुए, जिनमें तीन नाबालिग हैं।
- **16 सितंबर-** सदर बाजार के दुकान में 10 साल की बच्ची से रेप। बच्ची स्टेशनरी खरीदने के लिए घर से निकली थी। आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार किया गया।
- **21 सितंबर-** दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास आस्था कुंज पार्क में 17 साल की नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया।

आजमगढ़ में पत्नी-बेटे, दो पुजारियों को मारने वाले का एनकाउंटर

- पूजा कराने से नाराज था, पति के साथ पत्नी-बेटे का एक चिता पर अंतिम संस्कार

आजमगढ़ (एजेंसी)। यूपी के आजमगढ़ में पत्नी, बेटे और दो पुजारियों की हत्या करने वाला आरोपी एनकाउंटर में मारा गया। पकड़े जाने के डर से उसने अपने 3 बच्चों को कमरे में बंधक बना लिया। 7 घंटे बाद उसने बेटे पर गोली चला दी। इसके बाद एटीएस,एसओजी ने हत्यारे अरविंद सिंह (42) को मार गिराया।

अरविंद सिंह
हत्यारा

घटना जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर अहिरौला थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक, परिवार को शक था कि अरविंद को उसके भाई सुनील की आत्मा परेशान कर रही है। इसलिए पत्नी और मां महामृत्युंजय जाप करा रही थीं। इससे अरविंद नाराज था। मंगलवार शाम 6 बजे इसी बात को लेकर पत्नी से बहस हुई।

कहा- तेरे चक्कर में मेरे भाई की हत्या हो गई। अब तू यहां ड्रामा कर रही है। इसके बाद उसने पुजारियों से आधार कार्ड मांगा और उनसे कहासुनी करने लगा। इसी बीच, गुस्से में कमरे से लाइसेंसी रिवॉल्वर लेकर आया, फिर पत्नी और दो पुजारियों को गोली मार दी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा- फ्री एलपीजी पर घमासान, 12 की जगह 6 सिलेंडर का ऐलान

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को फ्री एलपीजी सिलेंडर को लेकर ज़ोरदार हंगामा हुआ। फूड, सिविल सप्लाई और उपभोक्ता मंत्री सतीश शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने योग्य परिवारों को 6 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने की नीति को मंजूरी दे दी है। इस घोषणा पर विपक्ष ने तुरंत कड़ी आपत्ति जताकर आरोप लगाया कि उमर सरकार अपने वादे से मुकर गई है। नेता शर्मा ने याद दिलाया कि लगभग दो साल पहले सरकार ने हर घर के लिए 12 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा कि वादे की संख्या को घटाकर 6 करना लोगों के साथ मज़ाक और बड़ा धोखा है। सदन में विपक्ष ने झूठी सरकार और यह धोखा है जैसे नारे लगाए। शर्मा ने सरकार पर लोगों के सामने बेनकाब होने और अपने वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा कि उमर सरकार के एक लाख नौकरियों के पहले के वादे का क्या हुआ। तीखी बहस के बाद भी, विपक्ष ने कार्यवाही के दौरान लगातार नारेबाजी जारी रखी, जिससे सदन में गहमागहमी बनी रही।

गाड़ी टकराने पर अभिषेक बनर्जी ने पुलिसकर्मी को कराया सस्पेंड, कोर्ट ने किया बहाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने निलंबित चल रहे एक पुलिसकर्मी को करीब 6 साल सस्पेंड होने के बाद बहाल कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी की नाराजगी के चलते उन्हें हटाया गया था। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। अभिषेक बनर्जी विदेश में आंख का इलाज कराने गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक मामला 2023 का है। तब पुलिस ड्राइवर अपनी कार निकाल रहे थे। उस दौरान गाड़ी अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास के गेट से टकरा गई थी। इसके बाद उन्हें काम से हटा दिया गया था। खबर है कि राज्य सरकार के फैसले को हाईकोर्ट ने पलट दिया। रिपोर्ट के मुताबिक हाई कोर्ट में जस्टिस तपोब्रता चक्रवर्ती और जस्टिस पार्थ प्रतिम रॉय की डिवीजन बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। बेंच ने पुलिस विभाग को चार सप्ताह के अंदर नए आदेश जारी करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि पुलिसकर्मी ने गलती की थी, लेकिन गलती इतनी गंभीर नहीं थी कि उसे काम से ही हटा दिया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे भी कोई आरोप नहीं हैं कि हादसे में कोई घायल हो गया था। बेंच ने कहा कि इस मामले में कम सजा देने की भी गुंजाइश थी। रिपोर्ट के मुताबिक ड्राइवर का नाम धीरेंद्रनाथ महतो है और उन्होंने साल 2000 में एक ड्राइवर के तौर पर कोलकाता पुलिस में शुरुआत की थी। बाद में 2005 में उन्हें हार्ट अटैक आया और उन्हें हल्की और मध्यम स्तर की जिम्मेदारियां दी जाने लगी थीं।

प्रियंका गांधी तीखा वार : लोकतांत्रिक प्रक्रिया से छेड़छाड़ देश के साथ गद्दारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद के बीच आयोग पर हमलावार है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ छेड़छाड़ करना देश के साथ गद्दारी के समान है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मतदाता सूची में कथित हेरफेर और बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाया जाना, जो रिपोर्ट के अनुसार 13 करोड़ से अधिक हो सकता है, लोकतंत्र, संविधान और देश के खिलाफ एक आपराधिक कृत्य है। प्रियंका गांधी का यह बयान एक रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें दावा किया गया है कि दो चुनाव आयुक्तों, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने बीते दस महीनों में आयोग के कुछ फैसलों पर करीब 14 बार आपत्तियां दर्ज कराई थीं, जिसमें एसआईआर से संबंधित फैसले भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि जो कोई भी चुनाव की लोकतांत्रिक प्रक्रिया से छेड़छाड़ करता है, वह देश के साथ गद्दारी कर रहा है। प्रियंका ने सवाल उठाया कि अगर किसी चुनाव आयुक्त की जानकारी में कोई गैरकानूनी काम हुआ है, तब उस कानूनी सुरक्षा क्यों मिलनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त को इन कथित अनियमितताओं की जानकारी थी और उनके सहयोगी चुनाव आयुक्तों ने भी इस ओर ध्यान दिलाया था, लेकिन इसके बावजूद इन आपत्तियों को नजरअंदाज किया गया। प्रियंका गांधी ने मांग की कि यदि किसी चुनाव आयुक्त ने गैरकानूनी काम किया है, तब उसके खिलाफ भी अन्य मामलों की तरह आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाकर कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पहले जो बातें कही थीं, वे अब सही साबित हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की पूरी प्रक्रिया को दूषित किया गया है और दो चुनाव आयुक्तों ने असहमति व्यक्त की थी, जबकि आयोग असहमति न होने की बात कह रहा है। कांग्रेस सांसद मसूद ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर के कारण चुनाव प्रभावित होने का भी आरोप लगाया। हालांकि, इन आरोपों के जवाब में चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि बहु-सदस्यीय आयोग में लिखित टिप्पणियां, सुझाव और आपत्तियां आंतरिक विचार-विमर्श का सामान्य हिस्सा हैं। आयोग का कहना है कि एसआईआर समेत सभी प्रमुख फैसले पूर्ण आयोग की सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

कुंभ-2027 की तैयारियों में लापरवाही पर सख्त होंगी मेलाधिकारी, क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर मेलाधिकारी सोनिका ने गुरुवार को विभिन्न विभागों के निर्माण एवं अवस्थापना विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सभी स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के साथ गुणवत्ता सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यों में अनावश्यक विलंब या गुणवत्ता में कमी मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में सड़कों, पुलों, घाटों के निर्माण एवं अनुरक्षण सहित अन्य विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। मेलाधिकारी ने विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि कुंभ क्षेत्र में होने वाले निर्माण का उद्देश्य श्रद्धालुओं और आमजन को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना है।

पेयजल, सीवर लाइन और भूमिगत केबल डालने के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि मरम्मत में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि बाद में सड़क धंसने की समस्या न हो। संबंधित अधिकारियों को मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता का लिखित प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करने को कहा गया। उन्होंने सड़क नवीनीकरण शुरू होने से पहले भूमिगत कार्य पूरे कराने के निर्देश दिए, ताकि दोबारा सड़क खोदने की स्थिति न आए।

मेलाधिकारी ने कुंभ मेला संपन्न होने तक हरिद्वार में सीवरेज योजना के नए कार्य शुरू नहीं करने के निर्देश दिए। चारधाम यात्रा, कांवड़ यात्रा और वर्षाकाल के कारण रोके गए कार्यों को शीघ्र पूरा कर प्रभावित सड़कों को दुरुस्त करने को कहा। अग्निशमन व्यवस्था के लिए फायर हाइड्रेंट की स्थापना एवं मरम्मत के कार्य भी जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

सप्तऋषि क्षेत्र में सड़क सुधार, सीवर संबंधी समस्याओं और जलभराव की निकासी के लिए तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया। प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा, सुविधा और दिशा-निर्देशन के लिए आवश्यक सड़क सुविधाएं विकसित करने के निर्देश भी दिए गए। रूड़की और मंगलौर बस अड्डों के सुदृढ़ीकरण तथा अस्थायी बस अड्डों और पार्किंग की व्यवस्थाएं 15 दिसंबर तक पूरी करने को कहा गया।

बैठक में स्वच्छता और सैनिटेशन व्यवस्थाओं की भी समीक्षा हुई। नगर निगम के लिए स्वीकृत उपकरणों और वाहनों की आपूर्ति के बाद विशेषज्ञ विभागों से उनकी गुणवत्ता जांच कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में नगर आयुक्त नंदन कुमार, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, मेला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष दत्त सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मुस्लिमों के मुद्दे अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाएंगे : जमीयत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने भारतीय मुसलमानों को कथित तौर पर निशाना बनने पर गहरी चिंता जताकर घोषणा की है कि संगठन इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार पर सीधा हमला कर कहा कि भारत में एक खास तबके को लगातार निशाना बनाया जा रहा है और अब वक्त आ गया है कि इन मामलों को वैश्विक मंच पर उठाया जाएं।

मौलाना मदनी ने अपने में जोर दिया कि आज की तारीख में दुनिया एक वैश्विक गांव बन चुकी है और भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई महत्वपूर्ण दोस्त बनाए हैं। उन्होंने कहा, हम उन दोस्तों को साथ लेने वाले हैं, ताकि भारत अपने रास्ते से भटके नहीं। मदनी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन दोस्तों को शामिल करने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश सही दिशा में बना रहे और पटरी से न उतरे, जिस जगह पर भारत को रहना चाहिए। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मदनी ने मुल्क में लगातार खास तबके को निशाना बनाने का आरोप लगाकर पिछली घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले मॉब लिंचिंग की घटनाएं हुईं, फिर घरों पर बुलडोजर चलाए और अब मस्जिदों तथा दरगाहों को टारगेट किया जा रहा है। उन्होंने संवैधानिक राहत के अवसरों को भी छीने जाने को अराजकता की ओर ले जाने वाला बताया, जिससे देश में बेचैनी और गुस्सा बढ़ रहा है।

इस गंभीर स्थिति पर विचार करने के लिए जमीयत उलेमा-ए-हिंद की आपात बैठक बुलाई गई, जहां विस्तृत चर्चा हुई। मौलाना मदनी ने कहा कि केंद्र सरकार, प्रशासन की कथित मिलीभगत और देश की न्यायिक प्रणाली की विफलता ने इस हालात को जन्म दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सबसे बड़ी अल्पसंख्यक आबादी खुद को असहाय महसूस करती है, तब यह देश के लिए ठीक नहीं होगा। जमीयत ने संवैधानिक तरीकों से इस स्थिति से लड़ने का संकल्प लिया है।

यह महत्वपूर्ण बैठ नई दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय की महमूदिया लाइब्रेरी में हुई। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना मदनी ने इसकी अध्यक्षता की, जिसमें दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी सहित देश के विभिन्न हिस्सों से कार्यसमिति के सदस्यों ने भाग लिया।

आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल के परिजनों से राहुल गांधी ने की फोन पर बात

-परिवार का किया समर्थन और न्याय दिलाने हर संभव मदद का दिलाया भरोसा

नई दिल्ली , एजेंसी।
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे के परिजनों से बातचीत की। छात्र साहिल ने पिछले हफ्ते आईआईटी पवई परिसर में आत्महत्या कर ली थी। महाराष्ट्र कांग्रेस ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि राहुल गांधी ने आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे के परिजनों से फोन पर बातचीत की है। राहुल ने पीड़ित परिवार को अपना समर्थन दिया और न्याय दिलाने में हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इस मामले को लेकर गुरुवार दोपहर में यूथ कांग्रेस प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेगी। इसमें साहिल वाकोडे मामले को लेकर आगे की रणनीति और आंदोलन की दिशा की घोषणा किए जाने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साहिल की मौत के बाद उनके परिवार ने आईआईटी बॉम्बे प्रशासन और कुछ अधिकारियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले की जांच फिलहाल मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है। बता दें छात्र साहिल ने परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पकड़े जाने के बाद आत्महत्या कर ली थी। वह ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग में द्वितीय वर्ष का छात्र था। संस्थान का कहना है कि वाकोडे ने परीक्षा के दौरान चैटजीपीटी से सवालों का जवाब पाने की कोशिश की। रिपोर्ट के मुताबिक परीक्षा प्रशिक्षक और विभाग के प्रमुख ने छात्र से इस मामले पर बातचीत की।

अखिलेश भी मान रहे हैं भगवा ही जीतेगा, इसलिए पीडीए रथ भी भगवा रंग में है

बीजेपी नेता दयाशंकर ने रायबरेली से पीडीए रथ यात्रा को लेकर साधा निशाना

लखनऊ, एजेंसी।
यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और बीजेपी नेता दयाशंकर सिंह ने रायबरेली से सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पीडीए रथ यात्रा को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के पीडीए के नारे पर सवाल उठाते हुए कहा कि अखिलेश खुद पीडीए की परिभाषा को लेकर स्पष्ट नहीं हैं। समय-समय पर वह पीडीए की अलग-अलग व्याख्या करते हैं। दयाशंकर ने कहा कि कभी पीडीए को पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक बताया जाता है, तो कभी इसमें पंडित और आधी आबादी को शामिल किया जाता है। उन्होंने इसे अखिलेश यादव का जुमला बताया और कहा कि समाजवादी पार्टी की सोच पीडीए की नहीं, बल्कि परिवारवादी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दयाशंकर ने अखिलेश की रथयात्रा के भगवा रंग में होने पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भगवा रंग को लेकर प्रदेश की जनता में बढ़ते रुझान को देखते हुए अखिलेश ने अपने पीडीए रथ को भी भगवा रंग में बना दिया है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की सत्ता में तीसरी बार योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी की वापसी होगी। उन्होंने कहा कि अखिलेश भी मानकर चल रहे हैं कि भगवा ही जीतेगा, इसलिए उनका रथ भी भगवा रंग में है।

बता दें अखिलेश यादव आज रायबरेली में पहली बार पीडीए रथ चलाकर विधानसभा चुनाव की तैयारी को गति देंगे। अपने सहयोगी दल कांग्रेस के गढ़ रायबरेली से इसकी शुरुआत कर सपा अलग संदेश देने का प्रयास भी करेगी। रायबरेली में 17 सितंबर को फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज में समाजवादी छात्र सभा और एबीवीपी कार्यकर्ताओं के बीच विवाद के बाद जिले में युवा राजनीति गरमाई है। ऐसे समय में सपा रथयात्रा कर अपना अलग संदेश देने का प्रयास करेगी। अखिलेश की इस यात्रा को रायबरेली में संगठन को सक्रिय करने की दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है।

सपा प्रमुख व अन्य नेता रथ से रायबरेली में सपा विधायक राहुल लोधी के आवास पहुंचेंगे। यहां वह करीब साढ़े तीन घंटे तक रहेंगे और कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे। अखिलेश पहली बार रथ की झलक दिखाने के साथ ही राजनीतिक संदेश भी देंगे। रथयात्रा की शुरुआत के लिए रायबरेली को चुनने के पीछे एक वजह इस जिले की तीन सीटों पर सपा विधायकों का जातीय समीकरण भी माना जा रहा है।

भगत सिंह चौक पर अतिक्रमण और अव्यवस्थाओं पर डीएम सख्त, नाले पर स्लैब डालने के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने गुरुवार को भगत सिंह चौक क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर यातायात, जल निकासी और साफ-सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान चौक एवं आसपास किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने कहा कि चौक पर अतिक्रमण के कारण यातायात प्रभावित नहीं होना चाहिए और आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियों को चौक क्षेत्र में उगी झाड़ियों की तत्काल कटाई कराने तथा नालों की समुचित सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त रखना आवश्यक है, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो।

यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए जिलाधिकारी ने भगत सिंह चौक से ज्वालापुर की ओर स्थित नाले का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा और आवागमन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नाले पर स्लैब डालने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य से यातायात को सुचारु रखने में मदद मिलेगी और चौक पर जाम की स्थिति से भी राहत मिलेगी। जिलाधिकारी ने चौराहे और आसपास अनावश्यक रूप से लगाए गए होर्डिंग तथा फ्लेक्सी बैनर हटाने के निर्देश भी दिए। साथ ही स्थानीय निवासियों की मांग के अनुरूप वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था करने को कहा, जिससे सड़क किनारे वाहनों के खड़े होने से यातायात प्रभावित न हो। निरीक्षण के दौरान नगर मजिस्ट्रेट हर गिरी, उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी पवन कार्की सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

महुआ बोलीं- आयुक्तों को डरने की जरुरत नहीं है हम हैं न...

नई दिल्ली, एजेंसी।
चुनाव आयोग में कथित मतभेद को लेकर विपक्ष की ओर से सवाल उठाए जाने का सिलसिला जारी है। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से किसी भी तरह के दबाव के आगे नहीं झुकने की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि दोनों आयुक्तों को अपने निर्णयों में स्वतंत्रता बनाए रखनी चाहिए। महुआ मोइत्रा ने दावा किया कि सरकार दोनों चुनाव आयुक्तों, उनके परिवार और सहयोगियों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी अपील किसी राजनीतिक पद पर रहते हुए नहीं, बल्कि एक नागरिक के तौर पर है। महुआ ने अपने राजनीतिक जीवन में सदस्यता समाप्त होने और जांच एजेंसियों की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि वह दबाव के आगे नहीं झुकी थीं। उन्होंने चुनाव आयुक्तों से भी इसी तरह अपने फैसलों पर कायम रहने की अपील की।

महुआ ने कहा कि मौजूदा समय में चुनाव आयोग से जुड़े फैसलों को इतिहास के संदर्भ में भी देखा जाएगा। उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए आयुक्तों से पीछे नहीं हटने का आग्रह किया। इस बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी चुनाव आयोग की ओर से दिए गए स्पष्टीकरण को लेकर कई सवाल उठाए हैं। आयोग ने आंतरिक टिप्पणियों को निर्णय प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा बताते हुए कहा है कि पिछले एक साल में लिए गए सभी फैसले सर्वसम्मति से हुए हैं। थरूर का कहना है कि सर्वसम्मति से अंतिम निर्णय होने की जानकारी से प्रक्रिया के दौरान उठाई गई आपत्तियों से जुड़े सवालों का पूरी तरह जवाब नहीं मिलता। उन्होंने पूछा कि क्या कथित 14 आपत्तियां वास्तव में दर्ज की गई थीं और यदि दर्ज हुई थीं तो प्रत्येक पर क्या निर्णय लिया गया। थरूर ने फॉर्म-6 में बदलाव के कानूनी आधार तथा मतदाता सूची से जुड़े आंकड़ों तक पहुंच को लेकर भी स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने गोवा में कथित 97 मतदाताओं से जुड़े मामले और बहाल किए गए मतदाताओं के खिलाफ दायर अपीलों को लेकर भी सवाल उठाए। थरूर ने चुनाव आयोग से इन सभी मुद्दों पर बिंदुवार और दस्तावेजी जवाब देने की मांग की है।

त्योहारी सीजन में बाजारों और वित्तीय प्रतिष्ठानों की बढ़ेगी निगरानी, एसएसपी ने दिए सख्त निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय रोशनाबाद स्थित सभागार में अगस्त माह की अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। सैनिक सम्मेलन के बाद हुई गोष्ठी में जनपद में पिछले माह घटित अपराधों, उनके अनावरण, लंबित विवेचनाओं, शिकायती प्रार्थना पत्रों और विभिन्न स्तरों पर चलाए जा रहे अभियानों की समीक्षा की गई। एसएसपी ने लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने कहा कि सभी क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी भारतीय न्याय संहिता तथा संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत दर्ज मुकदमों की विवेचना पारदर्शिता के साथ कराएं। लंबित विवेचनाओं की नियमित समीक्षा करते हुए गुण-दोष के आधार पर उनका समय से निस्तारण किया जाए। 60 और 90 दिन की समयसीमा वाले मामलों की पुलिस अधीक्षक नगर और देहात स्तर से साप्ताहिक समीक्षा कराने के निर्देश दिए गए। मानवाधिकार आयोग से संबंधित लंबित जांचों और प्रारंभिक जांचों को भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को कहा गया। मुख्यालय और ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त शिकायतों का

निर्धारित समयसीमा में निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एसएसपी ने कहा कि ऑनलाइन शिकायत करने वाले लोगों की समस्याओं को भी गंभीरता से लिया जाए, क्योंकि कई बार पीड़ित व्यक्तिगत रूप से थाने नहीं पहुंच पाता। त्योहारी सीजन को देखते हुए बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, बैंकों और सरार्फा प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के निर्देश दिए गए। बैंक और सरार्फा व्यापारियों से संपर्क कर सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी कैमरे चालू रखने को कहा गया। रात्रि गश्त और पुलिस पिकेट को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा सभी थाना प्रभारियों को शाम के समय क्षेत्र में भ्रमण करने के निर्देश दिए गए।

थानों में आने वाले नागरिकों के साथ मधुर व्यवहार करने और महिला फरियादियों की समस्याएं सुनने के लिए महिला उपनिरीक्षक या महिला पुलिसकर्मी की मौजूदगी सुनिश्चित करने को कहा गया। अज्ञात शवों की पहचान के लिए सीमावर्ती जनपदों और राज्यों से समन्वय तथा डीसीआरबी को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

गंभीर मामलों में आरोप पत्र या अंतिम रिपोर्ट न्यायालय भेजने से पहले वैज्ञानिक साक्ष्यों का समुचित अध्ययन करने तथा निमार्णाधीन थाना भवनों की गुणवत्ता की निगरानी के लिए कर्मचारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए। बैठक में एसपी अपराध निशा यादव, एसपी देहात अभय सिंह, एसपी सिटी दीपक सिंह सहित क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

गाजियाबाद में विकास का मेगा प्लान पास, क्रिकेट स्टेडियम से 501 हेक्टेयर की हरनन्दीपुरम योजना तक बड़े फैसले

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की 174वीं बोर्ड बैठक में शहर के भविष्य के विकास को लेकर कई बड़े और महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। मेरठ मंडल आयुक्त एवं बोर्ड अध्यक्ष भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में आवासीय योजनाओं, औद्योगिक विकास, बड़े टाउनशिप, भू-उपयोग परिवर्तन, अवस्थापना सुविधाओं, खेल और प्राधिकरण की संपत्तियों के बेहतर उपयोग से जुड़े प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा के बाद सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का रास्ता साफ

बैठक में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके लिए उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ के स्वामित्व वाली भूमि को भू-संग्रहण के माध्यम से प्राप्त करने तथा स्टेडियम के लिए समझौता ज्ञापन और व्यवहार्यता रिपोर्ट से संबंधित कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी। स्टेडियम बनने से गाजियाबाद में खेल सुविधाओं के विस्तार के साथ होटल, परिवहन, पर्यटन, व्यापार और रोजगार से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

501 हेक्टेयर में आकार लेगी हरनन्दीपुरम योजना

हरनन्दीपुरम आवासीय योजना के कुल 501.2173 हेक्टेयर क्षेत्रफल से जुड़े प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली। प्रथम चरण में भोवापुर और शाहपुर निज मोरटा में 24.1213 हेक्टेयर भूमि के कृषि से आवासीय उपयोग में परिवर्तन को स्वीकृति दी गई। योजना में आवासीय क्षेत्र के साथ वाणिज्यिक, सामुदायिक, सामाजिक, हरित एवं मनोरंजन क्षेत्रों तथा यातायात के लिए भी प्रावधान किया गया है।

174वीं बोर्ड बैठक में आवास, उद्योग, खेल और टाउनशिप से जुड़े प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से लगी मुहर

इन्दिरापुरम से कोयल एन्क्लेव तक बदलेगा भूमि उपयोग

इन्दिरापुरम की 5,965.29 वर्गमीटर भूमि को होटल उपयोग से समूह आवास में परिवर्तित करने का प्रस्ताव मंजूर हुआ। कोयल एन्क्लेव और इन्द्रप्रस्थ के कुछ भूखंडों में समूह आवास के स्थान पर भूखंडीय विकास की अनुमति से जुड़े प्रस्तावों को भी स्वीकृति मिली।

औद्योगिक और टाउनशिप विकास को भी हरी झंडी

वेव सिटी में भू-उपयोग परिवर्तन, 2,420.11 एकड़ क्षेत्र वाली सनसिटी टाउनशिप के प्रथम चरण, हसनपुर लोढ़ा की 13.1568 हेक्टेयर भूमि को औद्योगिक उपयोग में बदलने तथा शाहपुर बम्हैटा की सनराइज ग्रीन एकीकृत टाउनशिप की संशोधित 252.32 एकड़ की परियोजना रिपोर्ट को मंजूरी दी गई। मधुबन-बापूधाम में निमार्णाधीन 198 दो-शयनकक्षीय आवासों की जैसा है जहां है के आधार पर ई-नीलामी का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया गया। बैठक में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़, जिलाधिकारी हापुड़ कविता मीना, जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक सहित अन्य अधिकारी एवं बोर्ड सदस्य उपस्थित रहे।

रिश्वतखोरी के अड्डे पर विजिलेंस का शिकंजा, खनन अधिकारी व बाबू समेत तीन गिरफ्तार

शामली (शिखर समाचार)। नवीन कलक्ट्रेट स्थित जिला खनन कार्यालय में गुरुवार को मेरठ विजिलेंस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रिश्वत के मामले में जिला खनन अधिकारी सुधाकर सिंह और लिपिक सद्दाम को 85 हजार रुपये लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान खनन अधिकारी के आवास से नोटों से भरे तीन बैग मिलने से मामला और गंभीर हो गया। टीम ने करीब 60 लाख रुपये नकद बरामद होने की जानकारी दी है। कार्यालय की तलाशी में भी करीब आठ लाख रुपये मिले। मामले में सद्दाम के भाई सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार झिंझाना क्षेत्र के गांव मंगलौरा निवासी परमाल ने खनन का ठेका लिया था। आरोप है कि ठेका चालू कराने की अनुमति के नाम पर उससे 1.35 लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई। परमाल ने इसकी शिकायत मेरठ विजिलेंस से की। शिकायत के आधार पर विजिलेंस ने जाल बिछाया और गुरुवार को 12 सदस्यीय टीम शामली पहुंची।

शिकायतकर्ता को साथ लेकर टीम नवीन कलक्ट्रेट स्थित जिला खनन कार्यालय पहुंची। जैसे ही 85 हजार रुपये की रिश्वत की रकम दी गई, विजिलेंस टीम ने खनन अधिकारी सुधाकर सिंह और लिपिक सद्दाम को दबोच लिया। बताया गया कि शिकायतकर्ता पहले ही 50 हजार रुपये अधिकारी के बैंक खाते में जमा करा चुका था।

आवास में मिले नोटों से भरे तीन बैग

कार्यालय में कार्रवाई के बाद विजिलेंस टीम ने खनन अधिकारी के आवास की भी तलाशी ली। यहां तीन अलग अलग बैगों में रखी नकदी बरामद होने की बात सामने आई है। बरामद रकम करीब 60 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा कार्यालय से करीब आठ लाख रुपये मिलने से विजिलेंस टीम भी जांच में जुट गई।

थाने में मशीन से गिनी गई नकदी

बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने के बाद टीम आरोपियों और बरामद रकम को लेकर थाना आदर्श मंडी पहुंची। यहां नोटों की गिनती के लिए मशीन मंगानी पड़ी। देर शाम तक पुलिस और विजिलेंस अधिकारी आरोपियों से पूछताछ करते रहे। तीसरे आरोपी के साथ कर्मचारी रोनू की भूमिका की भी जांच की जा रही है। विजिलेंस टीम बरामद नकदी, बैंक खातों और अन्य दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है।

पत्रकारिता में सत्य, नैतिकता और विश्वसनीयता जरूरी : 13वें कलम के सिपाही में प्रतिभाओं का सम्मान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहन नगर में न्यूजपेपर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से गुरुवार को 13वें कलम के सिपाही कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चाणक्य सभागार में आयोजित समारोह में पत्रकारिता, शिक्षा, मीडिया और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में करीब 625 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के सम्मान एवं अभिनंदन के साथ हुआ। आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा, आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक प्रो. डॉ. अजय कुमार और न्यूजपेपर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव विपिन गौर ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विपिन गौर ने अरपित चड्ढा को भी सम्मानित किया।

प्रो. डॉ. अजय कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता में आंकड़ा पत्रकारिता और सामाजिक माध्यम पत्रकारिता के समुचित समन्वय की आवश्यकता है। उन्होंने सत्य, नैतिकता और विश्वसनीयता को पत्रकारिता की आधारशिला बताया। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि समाचार का उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ अर्जित करना नहीं, बल्कि समाज की सेवा करना, सत्य को सामने लाना, वंचितों की आवाज उठाना और जनहित की रक्षा करना भी है।

राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि समाज की सच्चाई आमजन तक पहुंचाने तथा जनजागरूकता बढ़ाने में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। अपर पुलिस आयुक्त केशव कुमार चौधरी ने सामाजिक अनियमितताओं और कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता पैदा करने में मीडिया की जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण सम्मान समारोह में अमृता चौरसिया, जुबेर अख्तर, शिवानी नेगी, रितिक भारद्वाज, अमृता गर्ग, प्रो. राशिद हाशमी, किरण भारद्वाज, कंचन डोगरा नेगी, डी.जे. गौरी और जया मिश्रा सहित अन्य व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों को पत्रकारिता और सामाजिक जिम्मेदारियों से जुड़े महत्वपूर्ण अनुभव एवं जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला।

सेवा संकल्प अभियान के कैंप में उमड़ी भीड़, सरकारी योजनाओं की जानकारी लेकर लाभान्वित हुए लोग

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद बिजनौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के जनसेवा काल के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत विशेष जनकल्याणकारी कैंप का आयोजन किया गया। अभियान 17 अक्टूबर तक चलेगा, जिसके माध्यम से केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के साथ पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। कैंप का विधिवत शुभारंभ पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने किया। कैंप में विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए, जहां बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई। इस दौरान कई लोगों को योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने लोगों से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, एकमुश्त समाधान योजना, उज्ज्वला योजना तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने में सुविधा मिलती है। कार्यक्रम में नगर पालिका के स्वच्छता ब्रांड दूत डॉ. बीरबल सिंह, भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुभाष वाल्मीकि, कर अधीक्षक नरेंद्र पाल सिंह, अवर अभियंता जलकल गौरव शर्मा, लिपिक रूपाली रस्तोगी, सोनिका गर्ग, नदीम अहमद और संग्रहकर्ता दिलीप कुमार सहित पालिका कर्मचारी मौजूद रहे। विभिन्न वार्डों के सभासदों ने भी शिविर में पहुंचकर लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग किया।

गणेश चतुर्थी महोत्सव में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, विशाल भंडारे में भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। श्री गणेश मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित गणेश चतुर्थी महोत्सव के दसवें दिन विशाल पंडाल में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत श्री सत्यनारायण कथा, हवन और पूजन से हुई। कथा एवं हवन पूजन का आयोजन डॉ. विपिन चंद त्रिपाठी ने कराया। इसमें संगठन के अध्यक्ष समीर बेरी और उनकी पत्नी तनु बेरी यजमान रहे। इसके बाद महिला और पुरुष श्रद्धालुओं को अलग-अलग क्रम में आरती के लिए बुलाया गया। महिला भक्तों की व्यवस्था स्वाति गुप्ता, ममता अग्रवाल और स्वाति अग्रवाल की देखरेख में रही, जबकि पुरुष श्रद्धालुओं की व्यवस्था संगठन के पदाधिकारियों ने संभाली। आरती के दौरान गणपति बप्पा मोरया सहित विभिन्न जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। धार्मिक कार्यक्रम के बाद आयोजित विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं को हलवा, पूरी और सब्जी का प्रसाद वितरित किया गया। नगर के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गणपति का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान हलवा और बूंदी का प्रसाद भी वितरित किया गया। आयोजकों ने बताया कि महोत्सव के दौरान नगर में अन्य स्थानों पर भी भंडारों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शीतल अग्रवाल, मुकुल गुप्ता, राजकुमार अग्रवाल, विकास अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, संजीव उर्फ विक्की अग्रवाल, शिवा, संस्कार अग्रवाल, अनमोल अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, विनोद अरोड़ा, भीम प्रताप, गज्जू सहित बड़ी संख्या में गणेश मित्र मंडल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदेशीय जूडो प्रतियोगिता में पीएम श्री स्कूल के खिलाड़ियों ने जीते छह पदक, तीन का राष्ट्रीय खेलों के लिए चयन

हापुड़ (शिखर समाचार)। सहारनपुर में आयोजित 70वीं प्रदेशीय विद्यालयी जूडो प्रतियोगिता में पीएम श्री कंपोजिट स्कूल हिम्मतपुर, विकासखंड सिंभावली के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छह पदक जीतकर विद्यालय और जनपद का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक अपने नाम किए।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने बताया कि स्वर्ण पदक जीतने वाले तीन खिलाड़ियों अजीम ने 30 किलोग्राम, अनुप्रिया ने 33 किलोग्राम और साक्षी ने 44 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। इन तीनों खिलाड़ियों का चयन अब राष्ट्रीय विद्यालयी खेलों के लिए हुआ है। वहीं ऋषिका ने रजत पदक तथा सुमित और आकांक्षा ने कांस्य पदक हासिल किया।

बीएसए दीपा भाटी ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि ग्रामीण परिवेश के सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की यह उपलब्धि प्रेरणादायक है। उन्होंने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें सम्मानित किया।

विद्यालय परिवार ने भी खिलाड़ियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर जूडो प्रशिक्षक सुबोध, जिला व्यायाम शिक्षिका आशा, एआरपी प्रवीण शर्मा, खंड शिक्षा अधिकारी योगेश गुप्ता सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

घर-घर दस्तक से होगी संचारी रोगों पर चोट, 1 अक्टूबर से शुरू होगा विशेष अभियान

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद बिजनौर के डॉ. अंबेडकर सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 1 से 31 अक्टूबर तक चलने वाले घर-घर अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने की, जबकि संचालन सफाई एवं खाद्य निरीक्षक गोविंद चौधरी ने किया। बैठक में जिला मलेरिया अधिकारी मंजूषा गुप्ता ने कहा कि संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए जनजागरूकता और जनसहभागिता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को अभियान से जोड़कर ही संचारी रोगों के प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने घरों के आसपास साफ-सफाई रखने, जलभराव रोकने तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने के लिए लोगों को लगातार जागरूक करने पर जोर दिया। पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने कहा कि प्रत्येक नागरिक अपने घर और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखे। उन्होंने कहा कि कहीं भी पानी जमा रहने से मच्छरों के पनपने और संक्रामक रोगों के फैलने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने पालिका कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से आपसी समन्वय एवं सेवा भाव के साथ अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में कर अधीक्षक नरेश पाल सिंह, अवर अभियंता जलकल गौरव शर्मा, अपर जिला मलेरिया अधिकारी आशुतोष सिंह, लिपिक संदीप कुमार, अनवर अहमद तथा सभासद मनोरमा शर्मा, मानव सचदेवा, सुरेंद्र सिंह, शमशाद अंसारी, घनश्याम दास गुप्ता, बरखा सैनी, वंदना अग्रवाल, अफजाल अहमद और मनोज कुमार मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

गाजियाबाद में 66.73 करोड़ के विकास प्रस्तावों पर मुहर, जीटी रोड पर एलिवेटेड रोड से लेकर रेलवे अंडरपास तक बड़े फैसले

यातायात, सड़क सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं को मिलेगी गति, करीब 30 स्थानों पर बनेंगे खुले व्यायाम केंद्र

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद में नगरीय अवस्थापना निधि से विकास कार्यों को गति देने के लिए 66.73 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। 24 सितंबर को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सभागार में मंडलायुक्त मेरठ एवं प्राधिकरण बोर्ड अध्यक्ष भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में नगरीय अवस्थापना निधि समिति की बैठक हुई। बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था, सड़क सुरक्षा, हरित परिवहन और नागरिक सुविधाओं से जुड़े प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जीटी रोड पर बनेगा चार लेन का एलिवेटेड मार्ग

जीटी रोड पर घंटाघर रामलीला मैदान के सामने से चौधरी मोड़, भाटिया मोड़ होते हुए आधार सेवा केंद्र तक करीब दो किलोमीटर लंबे चार लेन एलिवेटेड मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव मंजूर किया गया। परियोजना की अनुमानित लागत 200.23 करोड़ रुपये है। नगरीय अवस्थापना निधि से 50.23 करोड़ रुपये की 25 प्रतिशत हिस्सेदारी तथा करीब 100 करोड़ रुपये के ऋण की व्यवस्था प्रस्तावित है। मार्ग बनने से व्यस्त क्षेत्रों में यातायात दबाव और यात्रा समय कम होने की उम्मीद है।

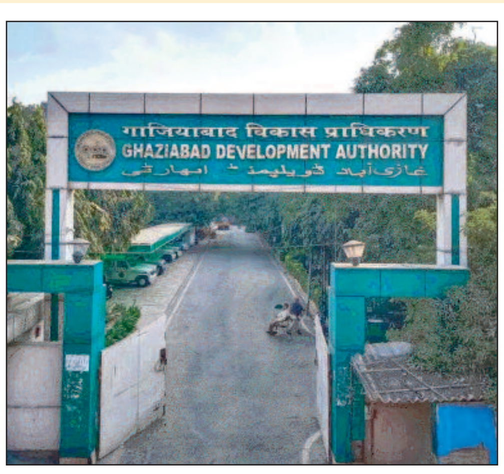

रेलवे फाटक पर बनेगा अंडरपास

नए गाजियाबाद रेलवे स्टेशन और एलटीएच क्रॉसिंग के बीच स्थित 'बीच वाला फाटक' एलसी-3सी को बंद कर उसके स्थान पर अंडरपास बनाया जाएगा। यहां यातायात सर्वे में प्रतिदिन करीब 22,993 वाहनों का आवागमन दर्ज किया गया है। समिति ने प्राधिकरण की ओर से 12 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इससे राजनगर और लोहिया नगर औद्योगिक क्षेत्र समेत आसपास के लोगों को निर्बाध आवागमन मिल सकेगा।

करीब 30 स्थानों पर बनेंगे खुले व्यायाम केंद्र

विभिन्न आवासीय योजनाओं के पार्कों और समूह आवास क्षेत्रों में करीब 30 स्थानों पर खुले व्यायाम केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए 4.50 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं। इन केंद्रों पर बच्चों, युवाओं, महिलाओं, पुरुषों और वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क व्यायाम की सुविधा मिल सकेगी।

बुनकर मार्ट के 60 करोड़ अब योजना मद से होंगे खर्च

मधुबन-बापूधाम योजना में निर्माणाधीन बुनकर मार्ट के लिए पूर्व स्वीकृत 60 करोड़ रुपये अब नगरीय अवस्थापना निधि के बजाय योजना मद से खर्च किए जाएंगे। इससे अवस्थापना

जीटी रोड पर पिकअप और बाइक की भिड़ंत, दो बाइक सवार घायल; चालक की तलाश

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में जीटी रोड स्थित अच्छेजा गांव के सामने पिकअप वाहन और बाइक की भिड़ंत में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आसपास के लोगों ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। मामले में घायल के भाई की शिकायत पर पिकअप वाहन के पंजीकरण नंबर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि दादरी के गौतमपुरी मोहल्ला निवासी सुनील कुमार अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनका छोटा भाई बादल और रवि 17 सितंबर को बाइक से गाजियाबाद जा रहे थे।

के०डी० कालिज, सिम्भावली (हापुड़)
(सम्बद्धः चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)
Website: kpgcollege.org, email: kisanpgcollegesimbhaoli@gmail.com

पत्रांक- 6487/निविदा/2026-27 | निविदा सूचना | दिनांक: 23.09.2026

अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्नलिखित अनुरक्षण कार्यों हेतू महुरबन्द निविदाओं में प्रतिशत दर से प्राचार्य किसान डिग्री कालिज, सिम्भावली, हापुड, उ०प्र० मे पंजीकृत ठेकेदारों से अंमत्रित की जाती है–

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.
क्रं. नं.	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाख में	धरोहर राशि लाख में 2 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त लागत सहित	कार्य कराने की अवधि	कार्यालय का पता	दर प्रतिशत में
1.	(सिम्भावली) हापुड़	डेयरी, रसायन एवं कीट विज्ञान की लैब में अनुरक्षण कार्य-	20.24	0.41	1000-00	दो माह	किसान डिग्री कालिज सिम्भावली हापुड़	

1–निविदा का सैट जैसा कि कालम संख्या 8 में दर्शाया गया है के कार्यालय में दिनांक 25.09.2026 से दिनांक 05.10.2026 तक सभी कार्य दिवसों में प्रातः 10:00 बजे से 2 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है। 2–निविदा का सैट जैसा कि कालम संख्या 8 में दर्शाया गया है के आफिस में दिनांक 06.10.2026 को अपरान्ह खोले जायेंगे। 3– निविदा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। सचिव/प्राचार्य, किसान डिग्री कालिज, सिम्भावली, हापुड।

प्राचार्य
किसान डिग्री कालिज,
सिम्भावली, हापुड़।

संक्षिप्त समाचार

ब्रह्मांड के रहस्यों से रूबरू हुए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

गोरखपुर, एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभा में बुधवार को आचार्य देवेंद्र शर्मा स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें प्रख्यात भौतिकविद्, कोलकाता में कण विज्ञान के आचार्य प्रो. जयति केशरी नायक ने विद्यार्थियों और शोधार्थियों को आधुनिक भौतिकी तथा खगोल विज्ञान के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। व्याख्यान में प्रो. नायक ने ब्रह्मांड के निर्माण, अंतरिक्ष में होने वाली जटिल प्रक्रियाओं और कण विज्ञान से जुड़े नवीनतम शोध पर सरल एवं रोचक तरीके से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक प्रयोगों के माध्यम से ब्रह्मांड के निर्माण से जुड़ी परिस्थितियों को प्रयोगशाला में समझने और पुन: उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार तिवारी ने की। प्रो. शांतनु रस्तोगी ने अतिथि वक्ता का परिचय कराया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सिंटू कुमार ने किया। व्याख्यान के बाद आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक, शोधार्थी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नदी सभ्यताओं व विरासत संरक्षण पर लखनऊ में होगा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश की समृद्ध नदी सभ्यताओं, पुरातात्विक व सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, प्रबंधन और विकास से जुड़े समसामयिक विषयों पर व्यापक विमर्श के लिए 7-8 दिसंबर को लखनऊ में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन होगा। इसकी विषयवस्तु नीति, प्रबंधन एवं विकास के मुद्दे पर केंद्रित होगी। सम्मेलन का आयोजन राज्य पुरातत्व निदेशालय लखनऊ व डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के वास्तुकला संकाय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन के लिए दो प्रमुख विषय निर्धारित किए गए हैं। सम्मेलन के लिए मौलिक व अप्रकाशित शोध-पत्र आमंत्रित किए गए हैं। सम्मेलन में नदी और मानव सभ्यता के इस बहुआयामी संबंध के साथ-साथ नदी आधारित पुरातात्विक परिदृश्य, सांस्कृतिक स्मृति, विरासत एवं तीर्थ मार्ग, पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणालियां, नदी संरक्षण, बाढ़ क्षेत्र प्रबंधन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, जनभागीदारी तथा जल प्रणालियों से संबंधित नीतियों एवं शासन व्यवस्था जैसे विषयों पर विशेषज्ञों व शोधकर्ताओं द्वारा विचार-विमर्श किया जाएगा।

क्षेत्र के बंटवारे के लिए किन्नरों के दो गुट आमने-सामने, हंगामा

गोरखपुर, एजेंसी। यजमानी और बधाई वसूली के क्षेत्र को लेकर किन्नर समाज के दो गुटों के बीच चल रहा विवाद बुधवार को बड़हलगंज कोतवाली पहुंच गया। दोनों पक्षों के करीब 400 किन्नर गाड़ियों के काफिले के साथ कोतवाली पहुंचे। आमने-सामने आने के बाद दोनों पक्षों में कहासुनी और हंगामा होने लगा। स्थिति बिगड़ने की आशंका पर पुलिस ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को अलग किया। सुबह करीब 10 बजे से ही दोनों पक्षों के लोगों का कोतवाली पहुंचना शुरू हो गया था। संख्या बढ़ने के साथ परिसर में तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने अतिरिक्त बल की मदद से दोनों पक्षों को अलग-अलग किया और मामला शांत कराया। इसके बाद दोनों गुटों के प्रतिनिधियों को कोतवाल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने अपने कक्ष में बुलाकर बातचीत की। बड़हलगंज पक्ष से लल्लन और बिजली किन्नर जबकि देवरिया पक्ष से सरोज और कोमल किन्नर को वार्ता में शामिल किया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद क्षेत्र को लेकर अस्थायी सहमति बनाई। बताया गया कि समझौते के तहत देवरिया क्षेत्र के किन्नरों को बड़हलगंज सीमा में डेरवा तक यजमानों से बधाई लेने की अनुमति दी गई है। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद शांत हुआ और वे लौट गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, यजमानी के क्षेत्र को लेकर दोनों गुटों के बीच कई दिनों से विवाद चल रहा था। कोतवाल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच क्षेत्र को लेकर विवाद था। फिलहाल देवरिया पक्ष को डेरवा तक की सीमा दी गई है। सरोज के गुरु तय होने के बाद क्षेत्र का नए सिरे से निर्धारण किया जाएगा।

हाईपरटेंशन-डायबिटीज की जांच नियमित कराने के निर्देश

अलीगढ़, एजेंसी। विकास खंड गंगीरी कार्यालय परिसर में बुधवार को आयोजित बैठक में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के निदेशक एवं नोडल अधिकारी पवन कुमार ने स्वास्थ्य, शिक्षा, आईसीडीएस, पशुपालन, कृषि विभाग सहित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। स्वास्थ्य विभाग को हाईपरटेंशन और डायबिटीज की जांच समय-समय पर कराने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग की समीक्षा में ड्रॉप बॉक्स से जुड़ी समस्याओं पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि ड्रॉप बॉक्स में अटके बच्चों के नामों को तत्काल निस्तारित कर प्रणाली को साफ-सुथरा किया जाए। बेसिक शिक्षा अधिकारी आलोक कुमार ने जानकारी दी कि दिव्यांग बच्चों को समर्थ पोर्टल के माध्यम से विशेष रूप से शिक्षित किया जा रहा है। कृषि विभाग के रंजीत से संवाद कर उन्हें विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया गया। पशु चिकित्सालय के प्रभारी डॉ. प्रशांत ने कहा कि पशु टीकाकरण अभियान में ब्लॉक गंगीरी की रैंक प्रदेश भर में पहले नंबर पर है.बैठक के बाद सीएचसी छर्रा, मॉडल प्रेरणा कैंटीन, गांव सुनपहर स्थित पीएम श्री विद्यालय का निरीक्षण किया। विद्यालय परिसर की उत्कृष्ट सफाई और रखरखाव से प्रसन्न होकर उन्होंने माली मानिक लाल को प्रोत्साहन स्वरूप 500 रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। बैठक में सीडीओ योगेंद्र कुमार, डीडीओ सुभाष चंद्र नेमा, डीसी एनआरएलएम मंजू त्रिवेदी, सीएमओ डॉ.रामनाथ सिंह, डीपीआरओ यतेंद्र कुमार, डीपीओ केके सिंह, बीएसए आलोक कुमार, डिप्टी सीबीआई विनोद गौड़ ढाका, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि योगेश यादव, डॉ.कुशलपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

टोल के खेल में कई बड़े भी शामिल,

फर्जी फास्टैग पर लगे सैकड़ों चक्कर; एसटीएफ के कब्जे में सर्वर-दस्तावेज

लखनऊ, एजेंसी। फर्जी वाहन नंबर और कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर फास्टैग बनवाकर टोल राजस्व को करोड़ों रुपये की चपत लगाने के मामले में जांच का दायरा बढ़ गया है। एसटीएफ की जांच में अब तक 142 वाहन चिह्नित किए गए हैं, जो फर्जीवाड़े के जरिये इटौंजा टोल प्लाजा से सैकड़ों बार गुजरे। मामले में कुछ टोलकर्मियों और अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है।

आरटीओ ने तीन अप्रैल 2026 को सरोजनीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। बाद में मामले की विवेचना एसटीएफ को सौंप दी गई। एसटीएफ ने तीन दिन पहले चालक मुनीश को गिरफ्तार किया। इससे पहले ट्रक मालिक रियाज, उसके भाई सिराज और इंडसइंड बैंक के दो एजेंटों को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

जांच के दौरान एसटीएफ ने इटौंजा टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज, वाहनों के गुजरने का विवरण और अन्य डाटा मांगा था, लेकिन लखनऊ-सीतापुर एक्सप्रेसवे प्रालि की ओर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। करीब छह महीने तक डाटा उपलब्ध न कराए जाने के बाद एसटीएफ ने कोर्ट की अनुमति से मंगलवार को टोल प्लाजा पर छापा मारकर डीवीआर, सर्वर और अन्य दस्तावेज कब्जे में लिए।

सूत्रों के मुताबिक, जांच में कुछ ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जिनसे टोल एजेंसी के कर्मचारियों और अधिकारियों की संभावित भूमिका की पड़ताल की जा रही है। एसटीएफ को आशंका है कि मिलीभगत के कारण ही सीसीटीवी फुटेज और वाहनों से संबंधित डाटा उपलब्ध कराने में देरी हुई। हालांकि इसकी पुष्टि विस्तृत जांच और बरामद साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद ही होगी।

रिकवर कराया जा रहा डाटा : एसटीएफ को एक जनवरी से तीन अप्रैल 2026 तक का डाटा चाहिए। इससे फर्जी फास्टैग वाले वाहनों के टोल से गुजरने की संख्या और राजस्व नुकसान का वास्तविक आकलन हो सकेगा। डीवीआर और सर्वर से पुराना डाटा रिकवर कराया जा रहा है। फर्जी नंबरों के कारण संबंधित वाहन मालिकों और चालकों को ट्रेस करना भी चुनौती बना हुआ है।

एनएचएआई अधिकारी भी पहुंचे : कोर्ट की अनुमति के बाद कार्रवाई होने पर मंगलवार को एनएचएआई का एक अधिकारी एसटीएफ के पास पहुंचा और मामले में एनएचएआई की ओर से अपना पक्ष रखा। जांच एजेंसी अब बरामद डाटा और दस्तावेजों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

मंडी में धान की आवक बढ़ी, जाम से व्यापारी व विद्यार्थी परेशान

अलीगढ़, एजेंसी। छर्रा की मंडी में धान की भरमार होने से सड़कों पर जाम लग रहा है। इससे व्यापारी और राहगीर परेशान हैं। वहीं, स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों को जान जोखिम में डालनी पड़ रही है। मंडी में आने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली और ट्रकों के कारण जाम के हालात ऐसे हैं कि बाजारों में ग्राहक नहीं पहुंच रहे हैं। इससे व्यापारी हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं।

विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ स्कूलों में पैदल ही जा रहे हैं। स्कूटर व बाइक के लिए रास्ता नहीं मिल पा रहा है। मंडी परिसर के आसपास रहने वाले लोग भी परेशान हैं। अभिभावकों का कहना है कि इस समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर पंचायत और पुलिस भी सक्रिय नहीं है। मंडी सचिव दिलीप सिंह ने बताया कि जाम की स्थिति को देखते हुए शीघ्र ही दो गेट के अलावा तीसरे अस्थाई गेट की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही वाहनों के आने का समय निर्धारित किया जाएगा, ताकि जाम की समस्या से राहत मिल सके।

- व्यापारी अंकुर गुप्ता ने बताया कि पूरे दिन जाम के चलते ग्राहकों का आना कम हुआ है। साथ ही सामान लेने जाने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।
- व्यापारी मनोज शर्मा ने बताया कि घंटों जाम के कारण दुकान पर खाली बैठे रहते हैं। बच्चों को छोड़ने के लिए पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता है।

अयोध्या-वाराणसी के आचार्यों ने किया गणपति बप्पा का पूजन

लखनऊ, एजेंसी। झूलेलाल वाटिका स्थित मनौतियों के राजा दरबार में बुधवार को भगवान गणेश के प्रिय अस्त्र पाशांकुश का पूजन हुआ। अयोध्या-वाराणसी के आचार्यों ने मंत्रों के साथ मंगलमूर्ति की पूजा अर्चना की। आचार्यों ने पूरे विधि-विधान से पाशांकुश पूजन संपन्न कराया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी मनौतियों के राजा के दर्शन किए।

शाम को कोलकाता के प्रसिद्ध निर्देशक संजय शर्मा और उनकी टीम ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समा बांध दिया। इसके बाद संजय शर्मा और उनकी टीम ने युवाओं के लिए एक विशेष भजन सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम का समापन नृत्य नाटिका नरसी का भात के मंचन से हुआ। इसमें दिखाया गया कि कैसे एक भक्त की करुण पुकार सुनकर भगवान कृष्ण माता रूक्मिणी के साथ स्वयं भात भरने आते हैं।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मना गणेशोत्सव-इंदिरानगर के भूतनाथ मार्केट स्थित श्री बालाजी शक्तिपीठ में बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ गणेशोत्सव मनाया गया।

मुख्य सेवादार एडवोकेट दिलीप श्रीवास्तव ने बताया कि उत्सव के दौरान भगवान गणपति, भोलेनाथ और राधा-कृष्ण की मनोहारी विशेष झांकियां सजाई गईं। इसके साथ ही बप्पा को 56 भोग अर्पित करते हुए भव्य आरती का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं को हलवा-चना का प्रसाद भी वितरित किया गया।

नाचते-गाते हुआ बप्पा का विसर्जन-बुधवार को झूलेलाल घाट पर बड़ी संख्या में लोग गणपति का विसर्जन करने पहुंचे। डीजे पर गानों की धुन पर नाचते लोग गणपति बप्पा मोरया के जयघोष लगाते नजर आए।

बर्खास्त एसआई केके शर्मा और शिवम दुबे को सशर्त जमानत, विकास दुबे के संग वायरल हुआ था वीडियो

कानपुर, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बिकरू कांड में नामजद आरोपी बर्खास्त पुलिसकर्मी कृष्ण कुमार शर्मा और शिवम दुबे को सशर्त जमानत दे दी। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने दिया है। याचियों के खिलाफ चौबेपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बलवा और घातक हथियारों से लैस होना, हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती की संपत्ति का लेनदेन, डकैती के दौरान हत्या सहित कई अन्य आरोप लगाए गए थे।

जुलाई 2020 से जेल में बंद आरोपियों ने जमानत के लिए हाईकोर्ट में यह सातवीं अर्जी दायर की है। इससे पहले छह जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपी पिछले छह वर्षों से अधिक समय से (जुलाई 2020 से) जेल में बंद हैं। मुकदमे में 25 अभियोजन गवाहों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। केवल नौ और गवाहों का परीक्षण होना बाकी है।

दोनों आवेदकों को सशर्त जमानत दे दी : अभियोजन साक्ष्य दर्ज हो चुके हैं। शेष अधिकांश गवाह डॉक्टर तथा पुलिस अधिकारी हैं इसलिए अब गवाहों को प्रभावित करने की संभावना बेहद कम है। राज्य सरकार की ओर से जमानत अर्जी का विरोध किया गया। अदालत ने जेल में बिताई गई अवधि, ट्रायल की मौजूदा प्रगति और सह-आरोपियों को मिल चुकी जमानत के आधार पर दोनों आवेदकों को सशर्त जमानत दे दी।

विकास दुबे के संग वीडियो हुआ था वायरल : बिल्हौर में वर्ष 2020 में चौबेपुर के चर्चित बिकरू कांड में हल्का इंचार्ज एसआई केके शर्मा और मुखबिरी के एक अन्य आरोपी शिवम दुबे उर्फ दलाल को घटना के बाद कोर्ट ने जेल से रिहा करने के आदेश जारी किए हैं। दोनों छह वर्षों से जेल में थे। जानकारी के अनुसार, दो और तीन जुलाई 2020 की रात तत्काल सीओ देवेंद्र मिश्रा के संग शिवराजपुर, चौबेपुर और बिठूर थाना की पुलिस ने बिकरू गांव निवासी कुख्यात विकास दुबे के घर दबिश दी थी।

40 आरोपियों को पुलिस ने जेल भेजा था : लेकिन दबिश की सूचना लीक हो जाने के बाद विकास दुबे के गैंग ने पुलिस कर्मियों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी, जिसमें सीओ बिल्हौर सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद जांच के बाद तत्कालीन चौबेपुर थानाध्यक्ष विनय तिवारी, बिकरू हल्का इंचार्ज केके शर्मा सहित 40 आरोपियों को पुलिस ने जेल भेजा था। घटना के छह वर्ष बाद एसआई केके शर्मा और शिवम दुबे उर्फ दलाल को 23 सितंबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल गई।

2020 में अमर दुबे की शादी का है वीडियो : जांच अधिकारियों ने पाया था कि कुख्यात विकास दुबे और उसके गैंग के अमर दुबे से एसआई केके शर्मा के संबंध हैं। केके शर्मा का एक वीडियो, जो मई 2020 में अमर दुबे की शादी का है।

जमीन के साथ बेच डाला आम रास्ता,

चकमार्ग का भी किया सौदा; मुसीबत में पड़े लोग

आगरा, एजेंसी। आगरा विकास प्राधिकरण ने इनर रिंग रोड के पास 7.4418 हेक्टेयर जमीन का कन्वेंशन सेंटर के नाम पर अधिग्रहण कर लिया। सेंटर अटलपुरम में बनाने पर सहमति बनी तो इस जमीन को बिल्डर को बेच दिया। यही नहीं, इसके साथ चकमार्ग और रास्ते की जमीन का सौदा भी कर दिया। इन रास्तों की एडीए ने ई-नीलामी कर दी। इससे आसपास के प्लॉटधारकों और लोगों का आवागमन बंद हो जाएगा। राजस्व परिषद तक शिकायत पहुंचने के बाद एडीए ने जांच शुरू कर दी है मगर रास्ते को बेचने के इस मामले में रिपोर्ट तक दाखिल नहीं की गई।

एडीए बोर्ड की 140वीं बैठक में एत्मादपुर मदरा की 7.4418 हेक्टेयर जमीन पर कन्वेंशन सेंटर प्रस्तावित किया गया था। इसमें एडीए द्वारा अर्जित 7.2778 हेक्टेयर भूमि और पुनर्ग्रहण द्वारा प्राप्त 0.1640 हेक्टेयर भूमि शामिल थी। एडीए ने ग्राम समाज की खसरा नंबर 411 की 0.1540 हेक्टेयर भूमि और खसरा नंबर 412 की 0.0100 हेक्टेयर भूमि का पुनर्ग्रहण किया था। एडीए ने यहां अतिरिक्त भूमि नहीं मिलने की स्थिति में कन्वेंशन सेंटर को ग्वालियर रोड पर बनने वाली टाउनशिप अटलपुरम में विकसित करने का निर्णय लिया। इस निर्णय के बाद एडीए ने यह खसरा नंबर 411 और 412 की जमीन बेचने का निर्णय लिया। इसके साथ ही इस जमीन के चकमार्ग और रास्ते की जमीन को भी बेच दिया।

यह नियम दरकिनार कर किया सौदा : इसे ई-नीलामी के जरिए बेचा गया, जबकि नियमानुसार कन्वेंशन सेंटर के स्थानांतरित होने के बाद पुनर्ग्रहण की भूमि नीलाम नहीं की जा सकती। श्रेणी 6 (2) के तहत इसे न बेच सकते हैं, न भू उपयोग बदला जा सकता है। इसी शासनादेश पर क्षेत्र के लोगों ने आपत्ति लगाकर एडीए में शिकायत की। एडीए के रास्ता और चकमार्ग बेचने से शाहगंज के सत्यप्रकाश शर्मा, संदीप अरोड़ा समेत अन्य लोगों का आम रास्ता भी बंद हो गया। उन्होंने एडीए से शिकायत कर जवाब मांगा तो अफसर आरटीआई में भी जवाब नहीं दे सके।

नाम दर्ज होने से पहले ही बेच दी जमीन : इस पूरे मामले में एडीए के अफसरों पर एक्टिविस्ट डॉ. शरद गुप्ता ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने राजस्व परिषद भेजी शिकायत में सवाल उठाया कि जब 26 जून, 2025 को यह जमीन एडीए के नाम दर्ज की गई तो प्राधिकरण ने 6 जून को ही इसे बेचने की प्रक्रिया कैसे शुरू कर दी। इस रास्ते की जमीन की कीमत सर्किल रेट के हिसाब से 1.66 करोड़ रुपये है। डॉ. शरद गुप्ता ने इस मामले में एडीए अफसरों पर विजिलेंस जांच और रास्ते और चकमार्ग को मूल स्वरूप में दर्ज कराने का निर्णय लेने की मांग की है।

सचिव आगरा विकास प्राधिकरण संजय कुमार ने बताया कि इस प्रकरण में जांच की जा रही है। हर फाइल को देखा जा रहा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई करेंगे। शिकायतकर्ता संदीप अरोड़ा ने बताया कि एडीए अपनी जमीन बेचे हमें कोई आपत्ति नहीं है लेकिन सड़क और चकमार्ग को भी नीलाम कर दिया गया। यहां के लोग कहां से निकलेंगे। यह नियमों का खुला उल्लंघन है।

बरेली कॉलेज में फीस वृद्धि को लेकर सछास का हल्ला बोल

बरेली, एजेंसी। बरेली कॉलेज में फीस वृद्धि और विद्यार्थियों से नगर निगम के टैक्स वसूलने को लेकर समाजवादी छात्र सभा (सछास) ने बुधवार को परिसर में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कॉलेज परिसर में व्याप्त अनियमितताओं, बेतहाशा फीस वृद्धि, प्रशासनिक धांधली और पेयजल की समुचित व्यवस्था न होने पर कॉलेज प्रशासन का घेराव किया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सछास जिलाध्यक्ष अविनाश मिश्रा ने बताया कि छात्रों का उत्पीड़न और नाजायज फीस वृद्धि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाधान उपलब्ध नहीं कराने पर आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। महानगर अध्यक्ष विक्रांत पाल ने कहा कि छात्र सभा का हर कार्यकर्ता नौजवानों के हक की लड़ाई के लिए तैयार है। प्रशासन को तानाशाही रवैया छोड़ना होगा।

घेराव के बाद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में पीडीए पौधरोपण हुआ। सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने संविधान निर्माता बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। सपा जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव ने कहा कि बाबा साहब के दिखाए सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलकर ही समाज का हर वर्ग सशक्त हो सकता है। यह अभियान शोषितों, पीड़ितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को एकजुट कर रहा है। महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुलतानी ने पीडीए पौधरोपण को वंचित समाज के अधिकारों की मजबूती का प्रतीक बताया। इस दौरान जिला महासचिव राजकुमार पाल, रविंद्र यादव, अशोक यादव, जोगेंद्र पटेल, राजेश मौर्य, धर्मेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

स्वच्छता रैली निकाल युवाओं ने दिया जागरूकता का संदेश, प्लास्टिक मुक्त वातावरण का किया आह्वान

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। नगर पंचायत थानाभवन की ओर से 'सेवा संकल्प अभियान स्वास्थ्य की सेवा 2026' के अंतर्गत स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा और अध्यक्ष मुशायदा के निर्देश पर नगर पंचायत टीम तथा जिला गंगा समिति शामली के संयुक्त तत्वावधान में उत्तर प्रदेश कौशल मिशन के छात्र-छात्राओं को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के तहत गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा उसके उचित निस्तारण की जानकारी दी गई। घरों में गीले कचरे से कंपोस्ट खाद तैयार करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। इसके साथ ही गंगा संरक्षण, जल संचयन, पर्यावरण सुरक्षा और एकल उपयोग वाली प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी देकर लोगों को इसके प्रयोग में कमी लाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके बाद छात्र-छात्राओं और नगर पंचायत टीम ने नगर के विभिन्न मोहल्लों में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। रैली के दौरान लोगों से सड़क और नालियों में कचरा नहीं डालने, घरों से ही गीले-सूखे कचरे का पृथक्करण करने तथा प्लास्टिक का उपयोग कम करने की अपील की गई। विद्यार्थियों ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। अभियान के दौरान दिल्ली-सहारनपुर रोड स्थित वार्ड नंबर दो में बाबू तालाब के निकट सार्वजनिक शौचालय परिसर में विशेष सफाई अभियान भी चलाया गया। नगर पंचायत टीम और विद्यार्थियों ने सफाई कर लोगों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। अभियान का समापन स्वच्छता अपनाने, जल बचाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए हुआ।

गणेश चतुर्थी महोत्सव के दसवें दिन गूंजे जयकारे, विशाल भंडारे में उमड़ा भक्तों का सैलाब

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। श्री गणेश मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित गणेश चतुर्थी महोत्सव के दसवें दिन विशाल पंडाल में श्री सत्यनारायण कथा, हवन-पूजन, आरती और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक कार्यक्रम में नगर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भगवान गणेश का पूजन कर प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. विपिन चंद्र त्रिपाठी ने श्री सत्यनारायण कथा और हवन-पूजन संपन्न कराया। संगठन के अध्यक्ष समीर बेरी और उनकी पत्नी तनु बेरी यजमान रहे। हवन-पूजन के बाद आयोजित विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं को हलवा, पूरी और सब्जी का प्रसाद वितरित किया गया। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर श्री गणेश महिला मित्र मंडल की स्वाति गुप्ता, ममता अग्रवाल और स्वाति अग्रवाल की देखरेख में महिला श्रद्धालुओं को तथा संगठन के पदाधिकारियों की देखरेख में पुरुष श्रद्धालुओं को बारी-बारी से आरती कराई गई। आरती के दौरान 'गणपति बप्पा मोरया' और ह्यगणपति की जय-जयकार' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके बाद हलवा और बूंदी का प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन में शीतल अग्रवाल, मुकुल गुप्ता, राजकुमार अग्रवाल, विकास अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, संजीव उर्फ विक्की अग्रवाल, शिवा, संस्कार अग्रवाल, अनमोल अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, विनोद अरोड़ा, भीम प्रताप, गज्जू, स्वाति गुप्ता, स्वाति अग्रवाल, छवि त्यागी, कीर्ति अग्रवाल, तनु अग्रवाल, लता, सीमा, उमंग बेरी, शोभा अग्रवाल, अमायरा बेरी, अर्णव बेरी, पारुल अग्रवाल, रंजना, राखी, वंशिका अग्रवाल, राशि अग्रवाल, रवीना टंडन सहित श्री गणेश मित्र मंडल के कार्यकर्ता मौजूद रहे। नगर में अन्य स्थानों पर भी भंडारों का आयोजन किया गया।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो को लेकर प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा से लेकर यातायात तक तैयारियां अंतिम चरण में

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 को सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। गुरुवार को पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह और जिलाधिकारी मेघा रूपम ने कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। इसके बाद एक्सपो मार्ट के सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ संयुक्त समीक्षा बैठक कर विभागवार तैयारियों की समीक्षा की गई।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, यातायात, पार्किंग और विशिष्ट अतिथियों के आवागमन से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्रवेश और निकास द्वारों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने तथा विशिष्ट अतिथियों के आवागमन के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। यातायात सुचारु रखने के लिए आवश्यकता के अनुसार बैरिकेडिंग, मार्ग परिवर्तन और पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने अग्नि सुरक्षा, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं,

एंबुलेंस, खाद्य सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय और प्रकाश व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध और आपसी समन्वय के साथ निर्वहन करने तथा कमियों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। हेलीपैड और विशिष्ट अतिथियों के आगमन से जुड़ी व्यवस्थाओं का भी पुनः परीक्षण कराने को कहा गया। जिलाधिकारी ने कहा कि आयोजन में देश-विदेश से उद्यमी, खरीदार, निवेशक और प्रतिनिधि पहुंचेंगे, इसलिए सभी विभाग पूरी सतर्कता के साथ व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्रा, यमुना विकास प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शैलेंद्र भाटिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

टप्पल में यीडा का बड़ा बुलडोजर एक्शन, 30 हेक्टेयर जमीन से हटाया अवैध कब्जा

करोड़ों रुपये की जमीन कराई गई अतिक्रमण मुक्त, अवैध निर्माण और कब्जे के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने का ऐलान

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने गुरुवार को जनपद अलीगढ़ के टप्पल क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाकर करीब 30 हेक्टेयर यानी तीन लाख वर्गमीटर भूमि को कब्जे से मुक्त कराया। प्राधिकरण के अनुसार मुक्त कराई गई भूमि की कीमत करोड़ों रुपये है। कार्रवाई मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह के निर्देश और अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजेश कुमार एवं शैलेंद्र सिंह के निर्देशन में की गई।

संयुक्त टीम ने चलाया व्यापक अभियान

अभियान के दौरान स्थानीय पुलिस प्रशासन, प्राधिकरण के भूलेख और परियोजना विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर कार्रवाई की। पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को पूरा कराया

गया। इस दौरान विशेष कार्याधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, शिव अवतार सिंह, उप जिलाधिकारी हरी प्रताप सिंह, उप जिलाधिकारी अभिषेक शाही, उप जिलाधिकारी कृष्ण गोपाल त्रिपाठी और तहसीलदार मनोज कुमार सिंह सहित प्राधिकरण एवं राजस्व विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

अधिसूचित क्षेत्र में अवैध कब्जे पर सख्ती

यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि अधिसूचित क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा, अवैध निर्माण या अनधिकृत विकास स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्राधिकरण के अनुसार नियोजित विकास को सुनिश्चित करने के लिए अतिक्रमण के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। अधिकारियों ने कहा कि प्राधिकरण की भूमि पर अनधिकृत कब्जे और निर्माण के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

यूपीआईटीएस-2026 में दिखेगी उत्तर प्रदेश की औद्योगिक ताकत और सांस्कृतिक पहचान, 85 देशों के खरीदार होंगे शामिल

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश को वैश्विक खरीद केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 का चौथा संस्करण 25 से 29 सितंबर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होगा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने गुरुवार को बताया कि आयोजन में 2,400 से अधिक प्रदर्शक, 85 देशों से 550 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार, 1.5 लाख से अधिक कारोबारी आगंतुक और 4.5 लाख से अधिक सामान्य आगंतुकों के शामिल होने की उम्मीद है। उद्घाटन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।

भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रदेश में 96 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयां हैं और यूपीआईटीएस इनके उत्पादों को देश-दुनिया के बाजारों से जोड़ने का बड़ा मंच है। इस बार ऑस्ट्रिया, जापान, रूस, सिंगापुर, बेलारूस और वियतनाम साझेदार देशों के रूप में भाग लेंगे। अब तक 72 देशों से विदेशी खरीदारों के पंजीकरण प्राप्त हो चुके हैं। खरीदारों और प्रदर्शकों के बीच कारोबारी संवाद के लिए व्यावसायिक मिलान, संपर्क बैठक और कारोबारी सत्र आयोजित किए जाएंगे। यूपीआईटीएस में कृषि, वाहन, विद्युत वाहन, रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, हथकरघा, वस्त्र, स्वास्थ्य, औषधि, पर्यटन, खेल, खिलौने, नवीकरणीय ऊर्जा, विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स और अन्य क्षेत्रों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। सरकारी योजनाओं, उद्यमिता, कौशल विकास, निर्यात

और औद्योगिक निवेश से जुड़ी नीतियों की भी जानकारी दी जाएगी।

इस बार एक जिला, एक उत्पाद के साथ एक जिला, एक व्यंजन को भी विशेष पहचान दी जाएगी। इसके माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों के पारंपरिक व्यंजन और पाक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। पांच दिवसीय आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रम, फैशन शो, पुरस्कार समारोह, ज्ञान सत्र और अन्य गतिविधियां भी होंगी। पिछले संस्करण में 5,07,099 आगंतुक पहुंचे थे और 2,228 प्रदर्शकों ने भाग लिया था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2025 संस्करण में 2,400 से अधिक समझौता ज्ञापनों के माध्यम से 1,882 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार दर्ज हुआ था, जबकि 11,200 करोड़ रुपये से अधिक की कारोबारी पूछताछ प्राप्त हुई थी। इस बार डिजिटल मंच के माध्यम से प्रदर्शकों और खरीदारों के बीच बैठकें पहले से तय करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

विद्यालय में मीना का जन्म दिवस मनाया, सांस्कृतिक कार्यक्रमों से दिया बालिका शिक्षा और जागरूकता का संदेश

मुरादनगर (शिखर समाचार)। ग्राम बसंतपुर सैंथली स्थित पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय के प्रांगण में गुरुवार को बच्चों की शिक्षा, बाल अधिकारों और सामाजिक जागरूकता से जुड़े लोकप्रिय काल्पनिक कार्टून चरित्र मीना का जन्म दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने तथा समाज में व्याप्त अंधविश्वास को दूर करने का संदेश दिया। प्रधानाचार्या अलका परिहार ने बताया कि मीना एक लोकप्रिय काल्पनिक कार्टून चरित्र है, जिसे यूनिसेफ ने विकसित किया था। 1990 के दशक में शुरू किए गए इस एनिमेशन कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, अभिभावकों और समाज को विभिन्न सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करना तथा बाल अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरित करना रहा है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर बालिकाओं की शिक्षा के महत्व तथा अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बच्चों के अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया। अभिभावकों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर मेरे सपनों का भारत विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। बच्चों ने पोस्टरों के माध्यम से देश के प्रति अपने सपनों, विचारों और कल्पनाओं को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

आईएमएस में अभिव्यक्ति 2026 का भव्य आयोजन, 400 से अधिक प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद में संचार कौशल और मंचीय प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अभिव्यक्ति 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से 400 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आईएमएस समूह संस्थान के महासचिव सीए राकेश छारिया, मुख्य अतिथि रविंद्र सिंह, विशेष अतिथि रीमा पाराशर, संस्थान की निदेशक जसकिरण कौर, डीन अकादमिक गीति शर्मा और विभागाध्यक्ष अनिल कुमार निगम ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजन के अंतर्गत रेडियो रॉकस्टार, एक्ट-ओ-मेनिया और एंकर एक्स प्रतियोगिताएं हुईं, जिनमें प्रतिभागियों ने एंकरिंग, रेडियो प्रस्तुति, अभिनय, संवाद कौशल और रचनात्मक अभिव्यक्ति

का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिताओं में केंद्रीय विद्यालय, इंग्राहम स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, चौधरी छबील दास स्कूल, संस्कार स्कूल और डीएवी स्कूल सहित अनेक विद्यालयों तथा दिल्ली विश्वविद्यालय, रामानुजन कॉलेज, एमिटी विश्वविद्यालय, बेनेट विश्वविद्यालय, नोएडा इंटरनेशनल विश्वविद्यालय सहित विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

एंकर एक्स के विद्यालय वर्ग में केडीबी पब्लिक स्कूल की हितेषी प्रथम और डीएवी स्कूल की साची द्वितीय रहीं। महाविद्यालय वर्ग में आईएमएस की पावनी सती प्रथम और आईएएमआर कॉलेज की अनुष्का त्यागी द्वितीय रहीं। एक्ट-ओ-मेनिया में आरकेजीआईटी कॉलेज के अनुराग नेगी प्रथम और आईएमएस के सलमान कुरैशी द्वितीय रहे। रेडियो रॉकस्टार के विद्यालय वर्ग में इंग्राहम स्कूल के शौर्य शर्मा प्रथम और केडीबी पब्लिक स्कूल के अर्पित त्यागी द्वितीय रहे। महाविद्यालय वर्ग में आईएएमआर कॉलेज के देव यादव प्रथम और मॉडर्न कॉलेज की जूही पाठक द्वितीय रहीं।

दशकों से टूटी सड़क पर फूटा लोगों का आक्रोश, विधायक ने दो सप्ताह में काम शुरू कराने का दिया आश्वासन

हापुड़ (शिखर समाचार)। रेलवे रोड स्थित राजेंद्र नगर प्रकाशनगर कॉलोनी में दशकों से जर्जर पड़ी सड़क का निर्माण नहीं होने से परेशान कॉलोनीवासियों का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के जिलाध्यक्ष अरुण अग्रवाल चीनी वाले के नेतृत्व में सदर विधायक विजयपाल आढ़ती से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक के समक्ष सड़क निर्माण की मांग उठाते हुए जर्जर मार्ग से लोगों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया। विधायक ने दो सप्ताह के भीतर सड़क निर्माण का कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया।

कॉलोनी निवासी सचिन जिंदल, सुशील वर्मा और राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि सड़क लंबे समय से बदहाल स्थिति में है। जगह-जगह गड्ढे होने के कारण लोगों को

आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। उनका कहना है कि जर्जर सड़क के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होने का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों ने कई बार सड़क निर्माण की मांग उठाई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका।

गुरुवार सुबह प्रतिनिधिमंडल मीनाक्षी रोड स्थित विधायक के आवास पर पहुंचा और सड़क निर्माण की मांग रखी। विधायक विजयपाल आढ़ती ने लोगों की समस्या सुनने के बाद उन्हें आश्वस्त किया कि दो सप्ताह के भीतर सड़क निर्माण शुरू कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इस मौके पर अरुण अग्रवाल चीनी वाले, सचिन जिंदल, तरुण बठला, भुवन जैन, सुशील वर्मा, नरेंद्र शर्मा, नवीन आनंद, मनोज सूरी, सौरभ गोयल, चीनू गोयल, राजेंद्र गुप्ता, मनीष मक्खन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लज्जा रानी गर्ग के निधन पर पिलखुवा पहुंचे राज्यपाल वीके सिंह, परिजनों से मिलकर जताई संवेदना

हापुड़ (शिखर समाचार)। मिजोरम के राज्यपाल और पूर्व सेना प्रमुख जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह बृहस्पतिवार को पिलखुवा पहुंचे और भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री तथा उत्तर प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लज्जा रानी गर्ग के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत नेत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके संगठनात्मक योगदान को याद किया। राज्यपाल के लज्जा रानी गर्ग के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त करने की पुष्टि स्थानीय प्रकाशित रिपोर्ट में भी हुई है।

जनरल विजय कुमार सिंह पिलखुवा स्थित लज्जा रानी गर्ग के आवास पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि लज्जा रानी गर्ग लंबे समय तक

संगठन से जुड़ी समर्पित कार्यकर्ता और नेत्री रहीं तथा संगठन के लिए उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने कार्यकताओं से उनके कार्यों और समर्पण से प्रेरणा लेने की बात कही।उल्लेखनीय है कि लज्जा रानी गर्ग के निधन के बाद भाजपा के कई वरिष्ठ नेता उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित कर चुके हैं। इससे पहले उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं ने भी उनके परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की थी।

कारखानों में श्रमिकों की सुरक्षा और सेहत को लेकर नई नियमावली लागू, 40 पार कर्मियों की हर साल होगी मुफ्त स्वास्थ्य जांच

गौतमबुद्धनगर (शिखर समाचार)। जनपद में संचालित कारखानों, निर्माण स्थलों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत श्रमिकों व कर्मचारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा कार्यदशाओं को बेहतर बनाने के लिए नई नियमावली प्रभावी कर दी गई है। केंद्र सरकार द्वारा प्रख्यापित उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता-2020 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार ने 'उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा नियमावली-2026' को राजपत्र में प्रकाशित कर दिया है। इस संबंध में उप निदेशक कारखाना (नोएडा संभाग) बी. के. सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस नियमावली का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर कामगारों को सुरक्षित व स्वस्थ माहौल उपलब्ध कराना और श्रम संबंधी व्यवस्थाओं को एकीकृत व पारदर्शी बनाना है।

नई व्यवस्था के तहत अब सभी औद्योगिक प्रबंधकों और दखलकारों को अपने कर्मियों को नियमानुसार अनिवार्य रूप से नियुक्ति पत्र जारी करना होगा। इसके साथ ही 40 वर्ष की आयु पूरी कर चुके प्रत्येक कर्मचारी का प्रतिवर्ष कम से कम एक बार निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराना आवश्यक कर दिया गया है। महिला कर्मचारियों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिसके तहत उनकी लिखित सहमति और निर्धारित पुख्ता सुरक्षा व्यवस्थाओं के आधार पर ही उन्हें रात्रि पाली में काम करने की अनुमति दी जाएगी। कार्यस्थल पर हादसों व व्यावसायिक जोखिमों की रोकथाम तथा सुरक्षा उपकरणों की मुकम्मल व्यवस्था का सीधा जिम्मा नियोक्ताओं पर तय किया गया है। नियमों की अनदेखी या उल्लंघन पाए जाने पर विधिक प्रक्रिया के तहत अनुपालन का अवसर दिया जाएगा और पात्र मामलों में अर्थदंड व शमन की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उप निदेशक ने जिले के सभी कारखानों और निर्माण स्थलों के अधिष्ठाताओं को इन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उत्तम आकिंचन धर्म की आराधना के साथ मनाया दशलक्षण महापर्व का नौवां दिवस

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य श्री 108 भारत भूषण महाराज ससंघ के सानिध्य में चल रहे 10 दिवसीय श्री दशलक्षण महापर्व के नौवें दिन उत्तम आकिंचन धर्म की श्रद्धापूर्वक आराधना की गई। श्री बड़े जैन मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही और धार्मिक अनुष्ठानों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। प्रातःकाल श्री चंद्रप्रभु भगवान का विधिवत अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। इसके बाद नित्य नियम पूजा, रत्नत्रय पूजा सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। आचार्य श्री 108 भारत भूषण महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में श्री दशलक्षण महामंडल विधान का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। सायंकाल श्री जी की

आरती और शास्त्र सभा का आयोजन हुआ। इसके उपरांत आचार्य श्री धर्मभूषण युवा टीम द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम ह्यजैन धर्म का जासूसह्न प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य श्री 108 भारत भूषण महाराज ने कहा कि दशलक्षण महापर्व का नौवां दिन उत्तम आकिंचन धर्म की आराधना के लिए समर्पित है। श्रावक के जीवन में इस धर्म का विशेष महत्व है। दशलक्षण पर्व केवल मुनियों के लिए नहीं, बल्कि श्रावकों के जीवन को धर्म, संयम और आत्मशुद्धि की दिशा में ले जाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अनावश्यक परिग्रह से बचना चाहिए और बाहरी वस्तुओं के प्रति आसक्ति कम करनी चाहिए। परिग्रह के 24 भेद बताए गए हैं और जीवन में बढ़ता परिग्रह दुख का प्रमुख कारण बनता है। आकिंचन धर्म मनुष्य को त्याग, संयम और आत्मिक शांति की ओर प्रेरित करता है। कार्यक्रम में जैन समाज के प्रधान मनोज जैन, महामंत्री निपुण जैन, शशांक जैन, अमित जैन, आर्जव जैन, विजय जैन, अतुल जैन, भूपेंद्र जैन, अभिषेक जैन, शुभम जैन, अनुराग जैन, सुधीर जैन सहित समाज के अनेक श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

कंडेला औद्योगिक क्षेत्र में 300 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण, निशुल्क दवाइयां भी बांटी

शामली (शिखर समाचार)। सेवा संकल्प अभियान के तहत श्रम विभाग की ओर से गुरुवार को औद्योगिक क्षेत्र कंडेला में श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र परिसर में लगाए गए शिविर में करीब 300 श्रमिकों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। चिकित्सकों ने जांच के बाद श्रमिकों को आवश्यक परामर्श दिया तथा जरूरत के अनुसार दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर का शुभारंभ सदर विधायक प्रसन्न चौधरी और भाजपा जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप ने फीता काटकर किया। सहायक श्रमायुक्त अरविंद कुमार मद्धेशिया के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैराना और कर्मचारी राज्य बीमा सहारनपुर की चिकित्सा टीम ने श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। चिकित्सकों ने विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच करते हुए श्रमिकों को आवश्यक

सावधानियां बरतने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। शिविर में पहुंचे श्रमिकों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम के दौरान श्रम विभाग के अधिकारियों ने श्रम कल्याण परिषद की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी श्रमिकों को दी। अधिकारियों ने पात्र श्रमिकों से योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी साझा करते हुए उन्हें जागरूक किया। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के कल्याण और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना विभाग की प्राथमिकता है। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग रतिका गुप्ता, श्रम प्रवर्तन अधिकारी विंध्याचल शुक्ल, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र सहित श्रम विभाग, चिकित्सा विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण कराने पहुंचे श्रमिकों ने निशुल्क जांच और दवाइयां उपलब्ध कराने की व्यवस्था का लाभ उठाया।

हनुमान ध्वजा फहराकर हुआ भूमि पूजन, रामलीला महोत्सव की तैयारियां शुरू

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में टंकी रोड पर बुधवार को यज्ञ और विधि-विधान के साथ भूमि पूजन कर रामलीला महोत्सव की तैयारियों का शुभारंभ किया गया। इस दौरान पूर्व चेयरमैन विकास तेवतिया ने हनुमान जी की ध्वजा फहराई। पंडित चंद्रशेखर कौशिक ने मंत्रोच्चार के साथ पूजन और यज्ञ संपन्न कराया। मुख्य अतिथि विकास तेवतिया ने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने जीवन और आदर्शों के माध्यम से संसार को आपसी सद्भाव, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। उनकी प्रत्येक लीला मानव जीवन को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि रामलीला महोत्सव बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इसका उद्देश्य केवल रामलीला का मंचन करना नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के आदर्शों और चरित्र से प्रेरणा लेकर उन्हें अपने जीवन में अपनाना भी है। कमेटी के चेयरमैन बुद्ध प्रकाश गोयल ने बताया कि इस वर्ष रामलीला मंचन का भव्य आयोजन 4 अक्टूबर से शुरू होकर 21 अक्टूबर तक चलेगा। कमेटी के संचालक अरविंद भारतीय, सुशील कुमार गोयल, अध्यक्ष विनोद धनगर, महामंत्री महेश चंद गोयल और कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र गुप्ता ने आयोजन में पहुंचे सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रामकिशन बंधु, गोपाल अग्रवाल, बोबी पंडित, महामंडलेश्वर उदित त्यागी, लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष अमरीश गोयल, संदीप सिंघल, अंकित सिंघल, राजकुमार गोयल, प्रमोद गोयल, राहुल गोयल, भूपेंद्र पाल, संजय गोयल, मनोज शर्मा, पंकज गर्ग, डॉ. बबीता गर्ग, दमयंती सिंह, तनु शर्मा, शालिनी शर्मा, नितिन कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर उठते सवाल, लोकतंत्र में जवाबदेही जरूरी

भारत में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की संवैधानिक प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक के भरोसे का सबसे महत्वपूर्ण आधार भी हैं। मतदाता यह विश्वास लेकर मतदान केंद्र तक जाता है कि मतदाता सूची में उसका नाम सुरक्षित है, उसका मत स्वतंत्र रूप से दर्ज होगा और चुनाव कराने वाली संस्था राजनीतिक प्रभाव से परे निष्पक्षता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएगी। ऐसे में जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और अब आयोग के भीतर दर्ज मतभेदों से संबंधित खबरें सामने आ रही हैं, तो यह विषय केवल राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रह जाता। यह चुनावी संस्थाओं में जनता के विश्वास से जुड़ा प्रश्न बन जाता है।

24 सितंबर को कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से 48 घंटे के भीतर इस्तीफा देने की मांग की और ऐसा न होने पर देशव्यापी आंदोलन तथा दिल्ली में आंदोलन की चेतावनी दी। पार्टी ने मतदाता सूचियों में बदलाव, विशेष गहन पुनरीक्षण और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। दिपके ने आयोग की भूमिका पर कई सवाल उठाए हैं और आगामी आंदोलन को तब तक जारी रखने की बात कही है जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती। ये आरोप उस राजनीतिक वातावरण में सामने आए हैं, जिसमें निर्वाचन आयोग पहले से ही मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों के निशाने पर है।

इस पूरे विवाद को और गंभीर बनाने वाली बात निर्वाचन आयोग के भीतर दर्ज मतभेदों से संबंधित हालिया रिपोर्ट है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले दस महीनों के दौरान मतदाता पंजीकरण, नाम हटाने और बहाल करने तथा निर्वाचन सूची से संबंधित व्यवस्थाओं पर कम से कम 14 अवसरों पर औपचारिक आपत्तियां दर्ज की थीं। यह रिपोर्ट सामने आने के बाद निर्वाचन आयोग की आंतरिक निर्णय प्रक्रिया को लेकर सार्वजनिक बहस तेज हुई। हालांकि आयोग ने इन मतभेदों को संस्थागत प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा बताते हुए कहा है कि अलग अलग राय, लिखित टिप्पणियां और आंतरिक जांच किसी संस्था की कार्यप्रणाली का हिस्सा हैं तथा विशेष गहन पुनरीक्षण सहित उसके निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। यही वह बिंदु है जहां राजनीतिक आरोप और संस्थागत तथ्य अलग अलग समझने की आवश्यकता है। किसी राजनीतिक दल या संगठन द्वारा लगाए गए आरोप अपने आप में प्रमाणित तथ्य नहीं माने जा सकते। दूसरी ओर, यदि निर्वाचन आयोग के भीतर निर्णयों को लेकर बार-बार औपचारिक आपत्तियां दर्ज हुई हैं, तो उनके कारणों और नतीजों को सार्वजनिक रूप से समझना लोकतांत्रिक पारदर्शिता के हित में हो सकता है। जनता को यह जानने का अधिकार है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और बहाल करने की प्रक्रिया क्या है, उसमें तकनीकी और मानवीय जांच की कितनी परतें हैं तथा किसी नागरिक को अपना नाम हटाए जाने की स्थिति में पर्याप्त अवसर किस प्रकार मिलता है। इसी संदर्भ में दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियां भी महत्वपूर्ण हैं। 22 सितंबर को अदालत ने कुछ मतदाताओं को जारी नोटिसों के संबंध में प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए उन्हें कई मामलों में लगभग यांत्रिक तरीके से जारी किए जाने की बात कही और मतदाताओं को व्हाट्सऐप तथा ई-मेल जैसे माध्यमों से जवाब देने की सुविधा पर विचार करने का सुझाव दिया। इससे स्पष्ट है कि मतदाता सूची की शुद्धता के साथ साथ नागरिकों को सुनवाई का वास्तविक अवसर देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

~ मौलिक चिंतन ~

इंसान का पहला धर्म करुणा और पहली भाषा संवेदना है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©

विनय संकोची

टीएमसी के 20 बागी सांसद, तारीख पर तारीख का खेल?

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों की अयोग्यता संबंधी याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपेक्षा जताई है, जल्द से जल्द इस मामले में स्पीकर फैसला करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कोई समय सीमा तय नहीं की। यह जरूर कहा, सुप्रीम कोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को निर्देश नहीं दे सकती है। जल्द से जल्द मामला निपटाने की याद जरूर दिला सकती है। ऐसी याद दिलाने का कोई असर नहीं होता है। जब भय ही नहीं होगा, तो इस तरह के निर्देश का कभी पालन भी नहीं होगा। टीएमसी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता और सांसद कल्याण बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा ?कि नोटिस के बावजूद भी सांसदों ने कोई जवाब नहीं दिया। सलिस्टर जनरल तुषार मेहता ने कहा, लोकसभा अध्यक्ष नोटिस जारी कर चुके हैं। वहीं बाकी सांसदों ?कि ओर से पेश वकीलों ने कहा, वह चार सप्ताह के अंदर नोटिस का जवाब दाखिल कर देंगे। कुल मिलाकर तारीख पर तारीख का यह खेल कोई नई बात नहीं है। दल-बदल कानून के अंतर्गत दल बदलने वाले सांसदों और विधायकों की अयोग्यता को लेकर महाराष्ट्र से जो खेल शुरू हुआ था, सारे देश ने उसका हश्र देख लिया है। महाराष्ट्र के मामले में भी इसी तरह से तारीख पर तारीख का खेल चला था। विधानसभा अध्यक्ष ने कई महीनों तक फाइल को अपने पास दबा के रखा था। इसी बीच चुनाव आयोग भी एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। चुनाव आयोग, सुप्रीमकोर्ट और विधानसभा/लोकसभा अध्यक्ष के बीच में इसी तरह का खेल कई बार पहले भी खेला जा चुका है। समय निकलने के बाद इस तरह की याचिकाओं का कोई मतलब नहीं रह जाता है। यह फैसला इसी तरह का हुआ, जब आदमी मर गया, तब उसके मामले में फैसला आया। उसके मरने के कारण फाइल बंद कर दी गई? लेकिन उसे समय पर न्याय नहीं मिला। महाराष्ट्र की लंबित दल-बदल याचिकाओं पर कानूनी बहस सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। यह धारणा बनती चली जा रही है। दलबदल जैसे संवेदनशील मामले में हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट विवाद और दबाव से बचने के लिए तारीख पर तारीख का खेल खेलते हैं। विशेष रूप से उन मामलों में जहां लाभान्वित पक्ष भाजपा हो। तेलंगाना में एक विधायक के दलबदल मामले में तेलंगाना हाईकोर्ट ने फटाफट फैसला सुना दिया है। विधायक की सदस्यता निरस्त कर दी है। वहीं पिछले 4 महीने से टीएमसी के सांसद अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष के यहां जो याचिका दायर कर कार्यवाही की मांग की थी। मानसून सत्र भी निकल गया। लोकसभा अध्यक्ष के यहां से तारीख पर तारीख का खेल खेला जा रहा है। इससे व्यथित होकर टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली। सुप्रीम कोर्ट ने भी तारीख पर तारीख का खेल खेलना शुरू कर दिया है। फैसला कब होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता है। सॉलिसिटर जनरल भी इस मामले में सरकार की ओर से खड़े होकर बागी सांसदों और विधायकों की मदद कर रहे हैं। दल-बदल कानून को लेकर पिछले 4 वर्षों में जिस तरह से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाने के बाद भी जब कोई निर्णय प्राप्त नहीं होता है। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो गया, दलबदलू वहां विधायक और मंत्री बने रहे। दोबारा चुनाव लड़ लिया। फैसला अभी तक नहीं आया। रही सही कसर चुनाव आयोग ने पूरी कर दी। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शिवसेना का चुनाव चिन्ह सीज करके नया चुनाव चिन्ह दे दिया। कुछ इसी तरह की कार्यवाही चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में की है। जिसके कारण देश में संवैधानिक संस्थाओं को लेकर जो विश्वास आमजनों के मन में था, वह विश्वास खत्म होता जा रहा है। अब यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका सहित अन्य संवैधानिक संस्था जिसमें चुनाव आयोग भी शामिल है। सब सत्तारुड दल भाजपा की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, या तो मामले को टालते हैं या ऐसा निर्णय देते हैं, जिससे क्षेत्रीय पार्टी को नुकसान उठाना पड़ता है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शरद पवार की राकपा के साथ यही हुआ। अब पश्चिम बंगाल में टीएमसी के साथ यही सब हो रहा है। आम आदमी और राजनीतिक दल इस खेल को अच्छे तरीके से समझने लगे हैं। जिसके कारण सड़कों पर आकर विरोध करना और संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ जिस तरह का वातावरण बन रहा है, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए कहीं से भी ठीक नहीं है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को सभी संवैधानिक संस्थाओं और सभी सरकारों के कार्यों की समीक्षा का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट संविधान के अनुसार यदि समय पर सुनवाई नहीं करती हैं या समय पर निर्णय नहीं करती हैं। जबकि उन्हें समीक्षा करने के बाद आदेश देने का पूर्ण अधिकार है। पिछले कुछ वर्षों से संवैधानिक संस्थाओं के साथ-साथ हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जिस तरह से तारीख पर तारीख का खेल खेला जा रहा है। अंतिम फैसला करने के स्थान पर अंतरिम आदेश देकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। इसका फायदा त्वरित रूप से सत्तारूढ़ पार्टी को मिलता है। पीड़ित पक्ष इंतजार करता रह जाता है। संवैधानिक संस्थाओं की यह ट्रिक साँप भी मर जाए और लाठी भी नहीं टूटे। इस हालत को देखते हुए अब लोगों के सब्र का बांध टूटने लगा है। हाल ही में केंद्रीय चुनाव आयोग में जो विद्रोह देखने को मिल रहा है, वह इसी का परिणाम है। यदि समय रहते न्याय नहीं होगा, तो देश में अराजकता की स्थिति निर्मित होगी। लोकतंत्र कमजोर होगा। संवैधानिक संस्थाओं को अपनी जिम्मेदारी और जवाबदेही को समझना होगा। सुप्रीम कोर्ट जब अपने आपको असमर्थ और कमजोर मानने लगेगी, ऐसी स्थिति में अराजकता की स्थिति ही उत्पन्न होगी। संविधान ने न्याय पालिका को सर्वोच्च स्थान दिया है। उसकी समीक्षा के दायरे में सभी हैं।

जलवायु बदली, जल नीति कब?

कुमार कृष्णन

भारत में पानी का संकट केवल पानी की कमी का संकट नहीं है। यह पानी के असमान वितरण, बदलते वर्षा-चक्र, गिरते भूजल, बढ़ती मांग और नदियों को देखने की हमारी दृष्टि का भी संकट है। एक ही देश में कहीं बाढ़ जीवन और आजीविका बहा ले जाती है तो कहीं लोग पीने और सिंचाई के पानी के लिए तरसते हैं। सवाल केवल यह नहीं है कि पानी कितना है, बल्कि यह भी है कि हम उसके साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में नौवें इंडिया इंटरनेशनल वाटर वीक-2026 के उद्घाटन समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने जल को जीवन और सभ्यताओं का आधार बताया। 22 से 26 सितंबर तक चल रहे इस आयोजन की थीम ह्यजलवायु-अनुकूल जल प्रबंधनह्व है। थीम जितनी सामयिक है, उससे बड़ा सवाल भी उतना ही सीधा है–जब जलवायु बदल चुकी है तो हमारी जल नीति कब बदलेगी?

उपराष्ट्रपति ने भारत की जल-विषमता की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि दुनिया की कुल भूमि का लगभग 2.4 प्रतिशत भारत में है, जबकि दुनिया की करीब 18 प्रतिशत आबादी यहां रहती है और मीठे पानी के वैश्विक संसाधनों में भारत की हिस्सेदारी लगभग चार प्रतिशत है। यह आंकड़ा केवल संकट की तस्वीर नहीं दिखाता, बल्कि उस भविष्य की ओर संकेत करता है जिसमें पानी के इस्तेमाल का मौजूदा तरीका ज्यादा समय तक नहीं चल सकता।

आबादी बढ़ेगी, शहर फैलेंगे, उद्योग बढ़ेंगे और कृषि की पानी की जरूरत बनी रहेगी। ऐसे में पानी को केवल उपलब्ध संसाधन मानकर उसका अधिकाधिक दोहन करना भविष्य के संकट को आमंत्रित करना है। उपराष्ट्रपति ने तमिलनाडु में अपने बचपन के दिनों की पानी की कमी को याद करते हुए पानी बचाने को मानवता के लिए आवश्यक बताया। अब यह चिंता किसी एक क्षेत्र की नहीं रह गई है।

जलवायु परिवर्तन ने वर्षा की प्रकृति, उसकी तीव्रता और वितरण को अधिक अनिश्चित बनाया है। कहीं कुछ घंटों में इतनी बारिश होती है कि शहर डूब जाते हैं और खेत तबाह हो जाते हैं, तो कहीं लंबे समय तक बारिश नहीं होती। फिर वही इलाका गर्मियों में पानी के संकट से जूझता है। बाढ़ और सूखा इसलिए दो अलग-अलग समस्याएं नहीं हैं। वे एक ही जलचक्र के दो छोर हैं।

पानी को जब उसकी प्राकृतिक गति में जगह नहीं मिलती तो अधिक बारिश बाढ़ बन जाती है। वर्षा का पानी जमीन में नहीं उतरता तो कुछ महीनों बाद वही क्षेत्र भूजल संकट से घिर सकता है। यही वह बिंदु है जहां जल प्रबंधन की पारंपरिक सोच बदलने की जरूरत है। उपराष्ट्रपति ने दो दशक से अधिक पहले तमिलनाडु में लगभग 19 हजार किलोमीटर की रथयात्रा का उल्लेख किया, जिसका एक उद्देश्य नदी जोड़ने, जल संरक्षण और जल प्रबंधन के प्रति जागरूकता पैदा करना था। नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजनाओं पर देश में लंबे समय से बहस होती रही है। इस बहस को केवल समर्थन या विरोध के नारों तक सीमित करने के बजाय वैज्ञानिक कसौटी पर परखा जाना चाहिए।

नदी केवल पानी की धारा नहीं है। उसका अपना प्रवाह, गाद, जैव-विविधता, भूजल से संबंध और किनारे रहने वाले समुदायों का जीवन होता है। इसलिए किसी भी नदी जोड़ परियोजना का मूल्यांकन पूरे नदी-बेसिन, पर्यावरणीय प्रवाह, गाद की गति और स्थानीय समाज पर उसके प्रभाव को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

भारत की पारंपरिक जल प्रणालियां इस संदर्भ में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं। तालाब, कुएं, आहर-पाइन, जोहड़ और बावड़ियां केवल पानी जमा करने की संरचनाएं नहीं थीं। वे स्थानीय जल अनुशासन का हिस्सा थीं। वर्षा कहां रुकेगी, खेत तक पानी कैसे पहुंचेगा और भूजल कैसे भरेगा–इन सवालों के स्थानीय उत्तर समाज ने अपने अनुभव से विकसित किए थे।

लेकिन परंपरा का अर्थ अतीत में लौटना नहीं है। पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ना होगा। स्थानीय अनुभव को जल-विज्ञान, उपग्रह आंकड़ों, भूजल अध्ययन और मौसम संबंधी पूर्वानुमानों से जोड़कर ही भविष्य की टिकाऊ जल व्यवस्था बनाई जा सकती है।

उपराष्ट्रपति ने नदी-बेसिन प्रबंधन, भूजल पुनर्भरण, वर्षाजल संचयन और बेहतर सिंचाई को एकीकृत रणनीति का हिस्सा बनाने की बात कही है। यह जल नीति के लिए जरूरी दिशा है। नदी किसी राज्य की सीमा देखकर अपना रास्ता नहीं बदलती। भूजल भी प्रशासनिक सीमा के आधार पर अपना व्यवहार नहीं करता। इसलिए जल सुरक्षा के लिए राज्यों के बीच सहयोग जरूरी है।

जल बंटवारे का प्रश्न केवल यह नहीं होना चाहिए कि किस राज्य को कितना पानी मिलेगा। यह भी देखना होगा कि नदी और उसके पारिस्थितिकी तंत्र के लिए कितना पानी बचा रहेगा। नदी से जितना पानी लिया जा सकता है, उतना ले लेना और नदी को उसकी जरूरत के मुताबिक पानी देना एक बात नहीं है। पर्यावरणीय प्रवाह नदी की जीवन-रेखा है। मछलियों, डॉल्फिन, जलीय वनस्पतियों, नदी किनारे की जैव-विविधता और नदी पर निर्भर समुदायों का जीवन इसी प्रवाह से जुड़ा है।

इसी संदर्भ में जलाशयों की तलछट का प्रबंधन महत्वपूर्ण है। जल सप्ताह के अवसर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग आधारित एकीकृत जलाशय तलछट प्रबंधन की शुरूआत की गई है। तकनीक जल प्रबंधन को अधिक सटीक और पूर्वानुमान आधारित बनाने में मदद कर सकती है। लेकिन गाद को केवल निकालकर बाहर कर देना समाधान नहीं है।

गाद नदी की प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। उसका स्रोत, प्रवाह, जमाव और आगे का परिवहन समझे बिना केवल निकासी करने से समस्या दूसरे स्थान पर पहुंच सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता जल प्रवाह और तलछट का आकलन कर सकती है, लेकिन नदी से जुड़े समुदायों के अनुभव का विकल्प नहीं हो सकती। तकनीक को निर्णय लेने का सहायक बनाना होगा, निर्णय का अकेला आधार नहीं।

कृषि जल उपयोग का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यहां जल दक्षता बढ़ाना जरूरी है। सिंचाई की बेहतर तकनीक, वर्षाजल का उपयोग और भूजल पर दबाव कम करना जल सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं। लेकिन किसान से केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि वह कम पानी वाली फसल उगाए। फसल का बाजार, कीमत, खरीद व्यवस्था और किसान की आय भी जल नीति का हिस्सा हैं। पानी बचाने की पूरी कीमत यदि किसान ही चुकाएगा तो जल संरक्षण सामाजिक न्याय से दूर हो जाएगा।

शहरों में भी तस्वीर तेजी से बदल रही है। जल की मांग बढ़ रही है, लेकिन वर्षाजल को जमीन में उतारने की जगह कम होती जा रही है। प्राकृतिक जलधाराओं, तालाबों और भूजल पुनर्भरण क्षेत्रों पर बढ़ता दबाव वर्षा के पानी को जमीन में जाने से रोकता है। तेज बारिश में जलभराव और गर्मियों में पानी की कमी–दोनों एक ही शहरी नियोजन की कमजोरी का परिणाम हो सकते हैं।

अंत्योदय : विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

ललित गर्ग

'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है-'अंत्य' अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे।

भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है।

'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है-'अंत्य' अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में 'समावेशी मानव विकास' को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ ह्यसहायता से सशक्तिकरणह्व होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यही अंत्योदय का आधुनिक स्वरूप हो सकता है-व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरू हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा।

भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया। लेकिन आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा तभी व्यापक अर्थों में सफल होगी, जब आर्थिक शक्ति का सामाजिक आधार भी उतना ही मजबूत हो। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा केवल विश्व को ज्ञान देने से पूरी नहीं होगी, अपने समाज के अंतिम व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन देने से भी उसकी परीक्षा होगी। भारत की प्राचीन चेतना में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' जैसे विचार रहे हैं। अंत्योदय इसी मानवीय परंपरा का आधुनिक सामाजिक-आर्थिक रूप माना जा सकता है। यह कहता है कि राष्ट्र की समृद्धि का अर्थ केवल कुछ लोगों की समृद्धि नहीं, बल्कि समूचे समाज की उन्नति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को जीवंत रखने का सबसे सार्थक तरीका केवल उनके चित्र पर माल्यार्पण करना नहीं, बल्कि उनके विचार के मानवीय पक्ष को व्यवहार में उतारना है। उनका जीवन सादगी, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता से जुड़ा रहा। उनका अंत्योदय दर्शन आने वाली पीढ़ियों को यह प्रश्न पूछने की प्रेरणा देता है कि हमारे विकास का अंतिम लाभार्थी कौन है और क्या वह वास्तव में विकास की मुख्यधारा में आ पाया है?

2047 का विकसित भारत केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बनेगा। इसके लिए शासन, समाज, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों और नागरिकों-सभी की भागीदारी आवश्यक होगी। गांवों में स्थानीय उद्यमिता बढ़ानी होगी, युवाओं को कौशल देना होगा, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारनी होगी, स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा और सरकारी योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और नई तकनीकें इस पहुंच को तेज कर सकती हैं, 2026 में नीति आयोग की डीपीआई-2047 रूपरेखा ने भी डिजिटल अवसंरचना को समावेशी और उत्पादकता-आधारित विकास से जोड़ा है। अंत्योदय का सबसे बड़ा संदेश यही है कि राष्ट्र की प्रगति को ऊपर से नीचे नहीं, नीचे से ऊपर भी देखना होगा। जब अंतिम गांव आगे बढ़ेगा, भारत आगे बढ़ेगा। जब अंतिम परिवार आत्मनिर्भर होगा, भारत मजबूत होगा। जब अंतिम बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाएगा, भारत का भविष्य मजबूत होगा। जब अंतिम श्रमिक को सम्मान और सुरक्षा मिलेगी, भारत की विकास यात्रा अधिक मानवीय होगी।

अंत्योदय दिवस इसलिए केवल 25 सितंबर का एक स्मृति-दिवस नहीं होना चाहिए। इसे राष्ट्र के विकास की नैतिक कसौटी बनाने की आवश्यकता है। दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को युगों तक जीवित रखने वाला सबसे प्रभावी स्मारक कोई भवन या प्रतिमा नहीं, बल्कि ऐसा भारत होगा जिसमें अंतिम व्यक्ति स्वयं को व्यवस्था से बाहर नहीं, बल्कि राष्ट्र की मुख्यधारा का सम्मानित भागीदार महसूस करे। विकसित भारत की ऊंचाई उसकी आर्थिक शक्ति से दिखाई देगी, लेकिन उसकी वास्तविक महानता इस बात से पहचानी जाएगी कि उसकी विकास-यात्रा कितनी दूर तक और कितने लोगों तक पहुंची है। अंत्योदय उसी यात्रा का मानवीय आधार है। 2047 का भारत यदि समृद्ध, सशक्त, आत्मनिर्भर और न्यायपूर्ण बनना चाहता है, तो विकास की हर मंजिल पर उसे एक बार पीछे मुड़कर उस अंतिम व्यक्ति को देखना होगा-क्योंकि जिस दिन अंतिम व्यक्ति का उदय होगा, उसी दिन भारत के उदय की पूर्णता होगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं।

ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते हैं।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमश: चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

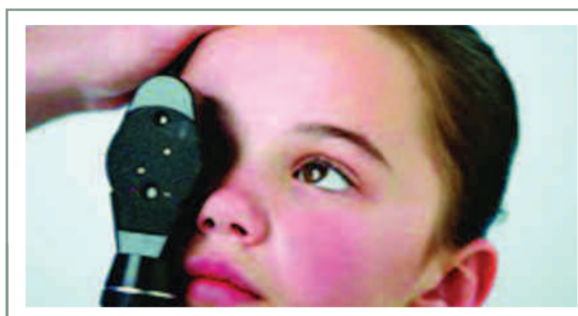

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

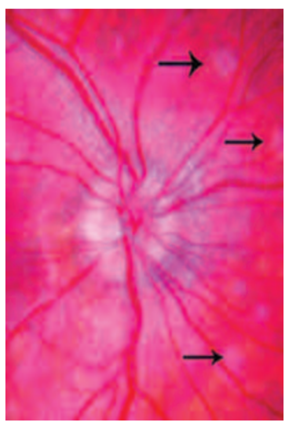

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

अदाणी समूह का पश्चिम बंगाल में 1 लाख करोड़ से अधिक का निवेश

कोलकाता ।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में 2035 तक 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की बड़ी घोषणा की। उन्होंने यह ऐलान न्यू टाउन, कोलकाता में 2,000 बिस्तरों वाले अदाणी आरोग्य मंदिर अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद एक कार्यक्रम में किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। अदाणी ने बताया कि इस अस्पताल परियोजना पर 4,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे लगभग 10,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उद्योगपति ने कहा कि समूह का यह विशाल निवेश बंदरगाह, लॉजिस्टिक, बिजली, सड़क और डेटा सेंटर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में केंद्रित होगा, जिससे राज्य के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

क्रूड के 100-115 प्रति बैरल होने के बावजूद सरकार ने की पुष्टि

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज संकट के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 100-115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के बावजूद, भारत में आम लोगों को बड़ी राहत मिली है। सरकारी सूत्रों ने पुष्टि की है कि देश में फिलहाल पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी, जिससे आम जनता पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। हाल दाम स्थिर रहने की उम्मीद: सरकारी सूत्रों ने बिजनेस टुडे को बताया कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के ऊंचे दाम बने रहने के बावजूद, फिलहाल घरेलू ईंधन की कीमतों में वृद्धि की कोई उम्मीद नहीं है। सरकार लगातार वैश्विक तेल बाजार पर पैनी नजर बनाए हुए है। यह खबर उन आम लोगों के लिए राहत लेकर आई है, जो पिछले कई महीनों में लगातार हुई मूल्य वृद्धि से प्रभावित हुए थे। हालांकि, यह समझना गलत होगा कि दाम कभी नहीं बढ़ेंगे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में पेट्रोल-डीजल की कीमतें कच्चे तेल की लागत और ईंधन आपूर्ति की स्थिति पर निर्भर करेंगी। सरकार का मुख्य जोर होर्मुज मार्ग से तेल आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने पर है। इसके लिए, जरूरत पड़ने पर तेल कंपनियों को आर्थिक मदद भी दी जा सकती है ताकि कच्चे तेल की लागत बढ़ने का सीधा बोझ ग्राहकों पर न पड़े और ईंधन की सप्लाई लगातार जारी रहे।

सोने और चांदी के भाव में गिरावट

सोना 1,52,090 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,36,080 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजारों में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 24 कैरेट सोना 1,500 रुपये से अधिक सस्ता होकर 1,52,090 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि चांदी में भी 3,800 रुपये से ज्यादा की कमी के साथ 2,36,080 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार हुआ। यह गिरावट घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में देखी गई, जिसका मुख्य कारण अमेरिकी डॉलर की मजबूती और फेडरल रिजर्व के सख्त मौद्रिक नीति के संकेत हैं। इंडिया एमसीएक्स पर भी सोने का भाव 1,51,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,36,085 रुपये प्रति किलो पर दर्ज किया गया। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी बहुमूल्य धातुओं पर दबाव दिखा, जहां सोना 1.43 फीसदी टूटकर 4,277.29 डॉलर प्रति औंस और चांदी 3.20 फीसदी गिरकर 63.88 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोने का भाव दिल्ली में 1,51,550 रुपये और मुंबई में 1,51,810 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। वहीं चांदी दिल्ली में 2,35,240 रुपये और मुंबई में 2,35,650 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिकी। इस गिरावट की मुख्य वजह डॉलर की मजबूती है, जो जुलाई के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारियों के सख्त मौद्रिक नीति संबंधी बयानों ने भी ब्याज दरें बढ़ने की उम्मीदों को मजबूत किया है, जिससे सोने जैसी गैर-लाभकारी संपत्तियों का आकर्षण कम हुआ है।

2 अक्टूबर को नो यूपीआई डे का ऐलान

कारोबारी 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट के विरोध में

नई दिल्ली ।

यूपीआई ट्रांजैक्शन पर लगने वाले नए शुल्क के खिलाफ देशभर के व्यापारियों ने मोर्चा खोल दिया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल (एफएआईवीएम) और कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) सहित कई प्रमुख संगठनों ने 2 अक्टूबर को नो यूपीआई डे मनाने की घोषणा की है, जिसके तहत उस दिन यूपीआई से कोई लेनदेन नहीं होगा। आम जनता को कैश या कार्ड से भुगतान करना होगा। कारोबारी 2000 रुपये से अधिक के पीयर-टू-मर्चेंट (पी2एम) यूपीआई लेनदेन पर 15 अक्टूबर से लगने वाले 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क का विरोध कर रहे हैं।

शेयर बाजार में हाहाकार

सेंसेक्स 1247, निफ्टी 383 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे एक ही दिनों में निवेशकों के करोड़ों रुपये डूब गये। आज जब सभी क्षेत्रों में हुई भारी बिकवाली के चलते इक्विटी इंडेक्स नीचे आया। दिन भर के कारोबरर के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,247.71 अंक नीचे आकर 73,580.54 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 383.70 अंक खिसककर 23,063.10 पर बंद हुआ।बाजार की इस चौतरफा गिरावट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बीएसई पर कुल 4,573 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से केवल 1,476 शेयरों में ही बढ़त दर्ज की गई, जबकि 2,878 शेयरों में गिरावट आई और 219 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। यह आंकड़ा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि बिकवाली का दबाव व्यापक था।

निफ्टी पर सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और इंटरग्लोब एविएशन प्रमुख रहे, जिन्होंने सूचकांक को नीचे खींचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, इस विपरीत माहौल में सिप्ला और एनटीपीस जैसे कुछ ही शेयरों में मामूली बढ़त देखने को मिली, जो बाजार के निराशाजनक रुख को और पुख्ता करता है।निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स गिरकर सबसे अधिक प्रभावित हुआ, उसके बाद निफ्टी मेटल , निफ्टी बैंक, निफ्टी इंफ्रा, निफ्टी ऑटो निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएयू बैंक , निफ्टी एनर्जी 1.2त्न और निफ्टी एफएमसीजी नीचे आए। व्यापक बाजार की बात करें तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 2 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.5 फीसदी गिरा, जो बताता है कि छोटे और झोले शेयरों में भी भारी बिकवाली हुई।इस तेज गिरावट के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारक जिम्मेदार थे। वैश्विक स्तर पर, अमेरिका में बिजनेस एक्टिविटी का पांच साल से अधिक समय में अपने सबसे मजबूत स्तर पर पहुंचना एक चिंता का कारण बना। नए ऑर्डरों में उछाल के कारण यह डेटा बेंचमार्क 10-साल के अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड को 2007 के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर ले गया, जिससे बाजार में ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी की उम्मीदें बढ़ गईं।

इसके अलावा, अमेरिका-ईरान राजनयिक संबंधों को लेकर फिर से बनी अनिश्चितता के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भी बाजार के सेंटीमेंट को प्रभावित किया।

भारत की आर्थिक उड़ान, वैश्विक एजेंसियों ने बढ़ाया वृद्धि अनुमान

नई दिल्ली ।

इंट्रो वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार मजबूती दिखाई है। इसी का परिणाम है कि मूडीज के बाद अब एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स, फिच रेटिंग्स, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) जैसी वैश्विक एजेंसियों ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी तक कर दिया है, जो वैश्विक भरोसे को और पुख्ता करता है। एजेंसियों ने पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में उम्मीद से बेहतर 7.8 फीसदी की आर्थिक वृद्धि, मजबूत घरेलू मांग, निवेश, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के शानदार प्रदर्शन को अनुमान बढ़ाने का प्रमुख कारण बताया है।

यह दर्शाता है कि भारत बाहरी झटकों को झेलने में अब अधिक सक्षम है। बुनियादी ढांचे पर रिकॉर्ड सरकारी खर्च, मजबूत घरेलू खपत और लचीला निर्यात तंत्र भारत को जी-20 में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाए रखेगा।

घरेलू खपत पर निर्भरता के चलते मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बरकरार रही है और मांग लगातार बनी हुई है। सरकारी पूंजीगत व्यय के साथ-साथ निजी निवेश में भी तेजी देखने को मिल रही है, जिससे अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिल रही है।

यह वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत और स्थिरता का स्पष्ट संकेत है।

एफएसएसएआई का ई-कॉमर्स के दिग्गजों पर शिकंजा

गलत ब्रांडिंग, भ्रामक दावों और प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की बिक्री को लेकर कार्रवाई

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गलत ब्रांडिंग, भ्रामक दावों और प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की बिक्री सहित खाद्य सुरक्षा कानूनों के गंभीर उल्लंघन को लेकर कई प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के खिलाफ दंडात्मक प्रक्रिया शुरू की है। इन मंचों में स्विगी इंस्टामार्ट, बिगबास्केट, जेप्टो, फ्लिपकार्ट इंडिया और अमेजन भी शामिल हैं। एफएसएसएआई ने अपने सोशल मीडिया मंच पर इस 'बड़ी कार्रवाई' की जानकारी देते हुए बताया कि उल्लंघन में गलत ब्रांडिंग, भ्रामक दावे और सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले या प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों का प्रदर्शन व बिक्री शामिल है। प्राधिकरण ने हैप्पिलो प्रीमियम डेट बाइट्स - जेस्टी ऑरेंज से जुड़े भ्रामक दावों के लिए अमेजन, फ्लिपकार्ट इंडिया, स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और बिगबास्केट के खिलाफ कार्रवाई की है। स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट को मिल्की मिस्ट के कुछ डेयरी उत्पादों, जैसे लो फैट क्रीम और ग्रीक योगर्ट, के भ्रामक दावों और अधूरी उत्पाद जानकारी के लिए निशाना बनाया गया है। इसके अलावा अमेजन सेलर सर्विसेज, स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट पर धतूरा के फल/बीज जैसे प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ बेचने के आरोप हैं। एफएसएसएआई पिछले छह महीनों से खाद्य कारोबारियों और ई-कॉमर्स कंपनियों पर अपनी कार्रवाई तेज कर रहा है और सोशल मीडिया के माध्यम से उपभोक्ताओं को भी जागरूक कर रहा है।

बीमा ग्राहकों के लिए खुशखबरी:आईआरडीएआई ला रहा सस्ते और पारदर्शी बीमा का दौर

नई दिल्ली ।

भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने बीमा पॉलिसी खरीदने वाले ग्राहकों के लिए नियमों में बदलावों का प्रस्ताव किया है, जो उनके लिए बड़ी खुशखबरी साबित हो सकते हैं। इन नए नियमों का मकसद बीमा की लागत को नियंत्रित करना, बिक्री प्रक्रिया में पारदर्शिता और गलत तरीके से पॉलिसी बेचने की शिकायतों पर लगाम लगाना है। इससे फिजूलखर्ची, मनमानी और एजेंटों के कमीशन पर भी लगाम लगेगी।

आईआरडीएआई ने बीमा कंपनियों के खर्चों को नियंत्रित करने के लिए एक्सपेंस ऑफ मैनेजमेंट (ईओएम) की सीमा कम करने का सुझाव दिया है। प्रस्ताव के अनुसार, लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को दो साल में अपना ईओएम ग्रोस डायरेक्ट प्रीमियम इनकम (जीडीपीआई) के 15 प्रतिशत और पांच साल में 12.5 प्रतिशत तक लाना होगा। वहीं, जनरल इंश्योरेंस कंपनियों के लिए इसकी सीमा पांच साल में 30 से घटाकर 20 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। इन कदमों से बीमा कंपनियों की फिजूलखर्ची पर लगाम लगेगी, जिसका सीधा फायदा ग्राहकों को कम प्रीमियम के रूप में मिलेगा।

इतना ही नहीं कमीशन के नियमों में भी बड़ा बदलाव होने वाला है। अब सभी पॉलिसी के लिए एक समान कमीशन के बजाय, उत्पाद की प्रकृति, अवधि और बिक्री में लगने वाली मेहनत के आधार पर कमीशन तय होगा। इस प्रक्रिया में मनमानी कमीशन पर रोक लगेगी और एजेंटों को उत्पाद की जरूरत के हिसाब से प्रोत्साहन मिलेगा। उदाहरण के लिए, इंडिविजुअल नॉन-लिंक्ड

और लिंक्ड पॉलिसी में इंटरमीडियरी का कमीशन 5 से 20 फीसदी, जबकि एजेंटों का 6.25 से 25 फीसदी तक हो सकता है। प्योर टर्म प्लान में पहले साल इंटरमीडियरी को 25 फीसदी और एजेंट को 30 फीसदी तक कमीशन मिल सकता है।हेल्थ और मोटर इंश्योरेंस के लिए भी नए कमीशन दरें प्रस्तावित हैं। इंडिविजुअल हेल्थ इंश्योरेंस की नई बिक्री पर डिस्ट्रीब्यूशन संस्थाओं के लिए करीब 15 फीसदी और एजेंटों के लिए 20 फीसदी कमीशन प्रस्तावित है, जबकि रिन्यूअल पर यह क्रमशः 5 और 10 फीसदी रहेगा। वहीं, मोटर थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस में डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए कमीशन शून्य रखने का प्रस्ताव है, जबकि एजेंटों को 2.5 फीसदी तक मिल सकता है।

कुल मिलाकर, आईआरडीएआई के ये प्रस्ताव बीमा क्षेत्र में ग्राहकों के हित को सर्वोपरि रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे बीमा पॉलिसी खरीदना सस्ता, सरल और अधिक विश्वसनीय हो जाएगा।

आरडीएआई का बड़ा दांव: बीमा बेचना और खरीदना होगा ज़्यादा पारदर्शी और ग्राहक हितैषी

प्रस्तावों का लक्ष्य वितरण प्रक्रिया को सरल बनाना और ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करना

नई दिल्ली ।

इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (आईआरडीएआई) ने बीमा वितरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और ग्राहक-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से बड़े बदलावों का प्रस्ताव किया है। नियामक ने बुधवार को रीकैलिब्रेटिंग इकोनॉमिक्स ऑफ़ इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन नामक एक पब्लिक कंसल्टेशन पेपर जारी किया, जिसमें बीमा वितरण संरचना, खर्च, कमीशन, बाजार आचरण और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल किया गया है। इन प्रस्तावित सुधारों का लक्ष्य एक कुशल और निष्पक्ष वितरण इकोसिस्टम तैयार करना है, जिससे ग्राहकों को बेहतर जानकारी और सुरक्षा मिल सके। आईआरडीएआई के इस प्रस्ताव से ग्राहकों को बीमा पॉलिसी बेचने वाले डिस्ट्रीब्यूटर के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलेगी, उनके भुगतान के तरीके में पारदर्शिता आएगी, अनावश्यक बंडलिंग कम होगी और गलत बिक्री (मिस-सेलिंग) से बेहतर सुरक्षा मिलेगी। आईआरडीएआई का एक मुख्य प्रस्ताव बीमा वितरण संरचना को सरल बनाना है। इसका उद्देश्य ग्राहकों के लिए यह समझना आसान बनाना है कि उन्हें कौन पॉलिसी बेच रहा है और वितरण श्रृंखला में कौन से बिचौलिये शामिल हैं। इससे नियामक और परिचालन बाधाएं भी कम होंगी, जिससे बीमा वितरण में भागीदारी बढ़ेगी। ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव बीमा डिस्ट्रीब्यूटर्स को दिए जाने वाले कमीशन के खुलासे से संबंधित है। आईआरडीएआई ने प्रस्ताव दिया है कि बीमा कंपनियाँ और बड़ी वितरण कंपनियां अपनी कमीशन नीति और संरचना को सरल और समझने योग्य तरीके से सार्वजनिक करें। कुछ वाणिज्यिक पॉलिसियों में भी कमीशन की जानकारी दी जाएगी, जिससे ग्राहक वितरण लागत को समझकर सूचित निर्णय ले सकें। कमीशन ढांचे को भी उत्पाद की प्रकृति, व्यवसाय के प्रकार और बिक्री व सर्विसिंग में लगने वाले प्रयास के आधार पर पुनर्गठित करने का प्रस्ताव है। गलत बिक्री (मिस-सेलिंग) पर लगाम लगाने के लिए भी सख्त उपाय सुझाए गए हैं। इनमें ग्राहकों की आवश्यकताओं और उपयुक्तता का रिकॉर्ड रखना, साथ ही कमीशन की परिभाषा में सभी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष भुगतानों को शामिल करना शामिल है।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.96 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 11 पैसे टूटकर 95.84 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल और डॉलर दोनों मजबूत हुए, जिसका असर रुपये पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, विदेशी पूंजी का प्रवाह घरेलू मुद्रा को सहारा देने में विफल रहा क्योंकि घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती बनी हुई है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.84 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में दबाव में रहा। यह पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे टूटकर 95.73 पर बंद हुआ था। इससे एक दिन पहले इसमें 16 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी बढ़कर 100.87 पर कारोबार कर रहा था।

एफडी में निवेश अब और पारदर्शी, आरबीआई के बदले नियम 1 अक्टूबर से लागू

एक ही बैंक की सभी शाखाओं में समान अवधि के लिए ब्याज दरें होंगी एक समान

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश करने वाले ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण नियमों में संशोधन किया है। 1 अक्टूबर से लागू होने वाले इन नए नियमों का मुख्य उद्देश्य एफडी की ब्याज दरों में पारदर्शिता बढ़ाना और निवेशकों तक सही जानकारी की आसान पहुंच सुनिश्चित करना है। नए नियमों के तहत, एक ही बैंक की विभिन्न शाखाओं में समान अवधि वाली एफडी पर ब्याज दरें एक जैसी होंगी, जिससे स्थान-आधारित भिन्नता खत्म होगी। इसके अलावा बैंकों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सभी एफडी योजनाओं और उनकी ब्याज दरों को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। 3 करोड़ रुपए या उससे अधिक की बल्क डिपॉजिट के लिए भी, ब्याज दरों को बैंक की वेबसाइट पर रोजाना सुबह 10=10 बजे तक अपडेट करना

होगा। मौजूदा एफडी पर इन बदलावों का तत्काल कोई असर नहीं होगा; वे अपनी वर्तमान शर्तों पर ही चलती रहेंगी।

अमेरिका-चीन व्यापार युद्धविराम को दो माह का विस्तार

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर अनिश्चितता कम करने की दिशा में कदम

वाशिंगटन ।

अमेरिका और चीन ने वैश्विक व्यापार को प्रभावित करने वाले अपने व्यापार युद्धविराम को दो महीने के लिए बढ़ा दिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बड़े आर्थिक समझौते की दिशा में काम करने के लिए इस अवधि को 10 जनवरी तक विस्तारित करने की घोषणा की। यह कदम चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के वाशिंगटन पहुंचने के ठीक बाद उठाया गया है, जिससे वैश्विक बाजारों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले साल अक्टूबर में हुए बुसान समझौते के तहत एक साल का यह व्यापार युद्धविराम नवंबर में समाप्त होने वाला था। बेसेंट ने स्थानीय न्यूज चैनल को बताया कि अब इसे 10 जनवरी तक बढ़ाया जाएगा, जिससे दोनों देशों को एक संभावित बड़े समझौते पर काम करने का अतिरिक्त समय मिलेगा। हालांकि, चीन के अधिकारियों ने अभी तक इस विस्तार की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बेसेंट ने जनवरी तक बड़े आर्थिक पैकेज की संभावना जताई है, लेकिन मौजूदा समझौते की अवधि को आगे बढ़ाने का विकल्प भी खुला है। अमेरिका चाहता है कि चीन अपनी पिछली प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह से लागू करे। राष्ट्रपति ट्रंप और शी चिनफिंग की वाशिंगटन में महत्वपूर्ण बैठकें होनी हैं, जिनमें व्यापार शुल्क, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे प्रमुख आर्थिक मुद्दों पर चर्चा होगी। इस विस्तार से दोनों देशों को इन जटिल वार्ताओं के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है।

बाजार में एनएसई का दबदबा, शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में बनाई जगह

मामूली बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ एनएसई दिन के कारोबार में 1,878 रुपए तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने गुरुवार को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत करते हुए बाजार मूल्यांकन के लिहाज से देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में अपनी जगह बना ली। कारोबार के दौरान एनएसई के शेयर पांच प्रतिशत से अधिक उछले, जो इसके मजबूत प्रदर्शन का संकेत है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के शेयरों ने गुरुवार को कारोबार के दौरान पांच प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 4,54,966.88 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ, एनएसई बाजार मूल्यांकन के मामले में भारत की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में शामिल हो गया है। बीएसई पर एनएसई के शेयर 1,800 रुपए पर सूचीबद्ध हुए, जो इसके निर्गम मूल्य 1,785 रुपए से 0.84 प्रतिशत अधिक था। कारोबार के दौरान, शेयरों में 5.21 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई और यह 1,878 रुपए के स्तर पर पहुंच गया, जिसने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। एनएसई ने बाजार मूल्यांकन के इस क्रम में दसवां स्थान हासिल किया है, और उसने 4,54,845.62 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण वाली हिंदुस्तान यूनिलीवर और 4,46,985.57 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण वाली सन फार्मा जैसी स्थापित कंपनियों को पीछे छोड़ दिया। वहीं, इसके प्रतिद्वंद्वी बीएसई का बाजार मूल्यांकन 1,31,946.42 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले, एनएसई का 22,569 करोड़ रुपए का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार को बोली के अंतिम दिन लगभग छह गुना अभिदान प्राप्त कर चुका था, जिसमें संस्थागत निवेशकों की जबरदस्त मांग देखी गई। यह आईपीओ 2024 में हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपए के आईपीओ के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम साबित हुआ है।

इसने 2022 में आए एलआईसी के 21,000 करोड़ रुपएके आईपीओ को भी पीछे छोड़ दिया, जो इसकी बढ़ती बाजार शक्ति और निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।

अबेकस म्यूचुअल फंड को मिली सेबी की बड़ी मंजूरी

फोक्कस के साथ एसआईएफ सेगमेंट में करेगा प्रवेश

नई दिल्ली ।

निवेश क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में अबेकस म्यूचुअल फंड को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने बताया कि सेबी ने 28 अगस्त, 2026 को यह मंजूरी दी है। अबेकस अपने एसआईएफ को फोक्कस ब्रांड नाम से बाजार में उतारेगा, जिससे उसे निवेशकों के लिए विविध और अनूठी निवेश रणनीतियाँ पेश करने का नया अवसर मिलेगा। अबेकस ने बताया कि फोक्कस ब्रांड के तहत वह इक्विटी, डेट और हाइब्रिड जैसी विभिन्न श्रेणियों में निवेश रणनीतियां पेश करेगा। ये रणनीतियां लागू नियमों और आवश्यक मंजूरियों को पूरा करने के अधीन होंगी। कंपनी का उद्देश्य इन एसआईएफ के माध्यम से अपनी मौजूदा शोध-आधारित निवेश रणनीति और अनुशासित जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण को एक नए, लचीले ढांचे के साथ एकीकृत करना है। सेबी ने 1 अप्रैल, 2025 से एसआईएफ ढांचे को लागू किया था। यह ढांचा एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को अलग-अलग निवेश रणनीतियां पेश करने की अनुमति देता है, साथ ही म्यूचुअल फंड पर लागू नियामकीय निगरानी और निवेशक सुरक्षा सिद्धांतों को भी बनाए रखता है। अबेकस ने स्पष्ट किया कि इन रणनीतियों के निवेश उद्देश्यों, एसेट एलोकेशन, जोखिम-कारकों और लॉन्च की समयसीमा से जुड़ी विस्तृत जानकारी नियामकीय फाइलिंग पूरी होने के बाद जारी की जाएगी। अबेकस के एक प्रमुख अधिकारी ने इस कदम को कंपनी के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा ` कि एआईएफ, पीएमएस, म्युचुअल फंड और अब एसआईएफ - इन सभी सेगमेंट में हमारा उद्देश्य हमेशा निवेशकों के लिए सार्थक अवसरों की पहचान करना रहा है।÷ सिंघानिया ने जोर दिया कि एसआईएफ ढांचा विभिन्न निवेश रणनीतियों को अपनाने में लचीलापन देता है, जिससे कंपनी अपनी निवेश सोच पर कायम रहते हुए निवेशकों की बदलती जरूरतों को पूरा कर सकेगी और विभिन्न बाजार चक्रों में अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर सकेगी।

रोहित मेरी सोच जानते हैं, मैं उनकी सोच जानता हूं

रोहित के साथ रिश्ते पर गंभीर ने तोड़ी चुप्पीः अनबन की खबरों पर पहली बार दिया बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख कोच गौतम गंभीर ने रोहित शर्मा के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि रोहित के साथ उनका रिश्ता सिर्फ कप्तान और कोच का नहीं रहा है। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं और साथ खेलने के कारण एक-दूसरे की सोच को भी अच्छी तरह समझते हैं। गंभीर और रोहित एक बार फिर भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में साथ नजर आएंगे। भारत अपने घरेलू सत्र की शुरुआत रविवार को तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले से करेगा।

गंभीर ने कहा कि रोहित के साथ उनका जुड़ाव उस समय से है, जब वह खुद टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, 'रोहित और मेरा रिश्ता सिर्फ कप्तान और कोच का नहीं था। जब रोहित टीम में आए थे, तब मैं एक वरिष्ठ खिलाड़ी था। इसलिए रोहित और मेरा रिश्ता उसी समय से है। रोहित मुझे तब से जानते हैं। इसलिए जब आप साथ खेल चुके होते हैं तो चीजें बहुत आसान हो जाती हैं। वह मेरी सोच जानते हैं और मैं उनकी सोच जानता हूं।'

गंभीर ने कहा कि कप्तान और कोच की सोच अलग हो सकती है, लेकिन अंतिम फैसला टीम के हित में होना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'कल मेरी सोच कुछ और हो सकती है, कप्तान की सोच कुछ और हो सकती है, लेकिन आखिर में अगर जो फैसला लिया जाए वह टीम के हित में है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।'

चार कप्तानों के साथ काम करने का अनुभव

जुलाई 2024 में भारतीय टीम के मुख्य कोच का पद संभालने के बाद गंभीर ने चार कप्तानों के साथ काम किया है। इनमें रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल शामिल हैं। गंभीर ने चारों के रवैये की सराहना करते हुए कहा कि सभी ने टीम को खुद से ऊपर रखा।

उन्होंने कहा, 'मैंने चार कप्तानों के साथ काम किया है- रोहित, सूर्या, अब शुभमन और श्रेयस। जिन भी कप्तानों के साथ मैंने काम किया, सभी का पहला इरादा हमेशा टीम को प्राथमिकता देना रहा। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसे चार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, जिन्होंने हमेशा खुद से पहले टीम को रखा।'

श्रेयस और शुभमन की भी तारीफ

गंभीर ने कहा कि विचारधारा, सोच और खेल को देखने का नजरिया अलग हो सकता है, लेकिन इरादा सही होना जरूरी है। उन्होंने श्रेयस अय्यर के साथ अपने पुराने संबंध का भी जिक्र किया। गंभीर ने बताया कि वह श्रेयस के साथ केकेआर में काम कर चुके हैं और 2018 में दिल्ली की कप्तानी उन्हें सौंपते समय भी उनकी नेतृत्व क्षमता देखी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने श्रेयस के साथ केकेआर में काम किया है। उससे पहले, जब 2018 में मैंने दिल्ली के लिए श्रेयस को कप्तानी सौंपी थी, तो मुझे लगा था कि उनमें लीडरशिप के गुण हैं। अब, मुझे उनके साथ फिर से काम करने का मौका मिला है। शुभमन अभी युवा हैं।' शुभमन गिल को लेकर गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैचों में कप्तानी संभालना उनके लिए बड़ी चुनौती थी। उन्होंने कहा, 'अगर आपको इंग्लैंड के दौरे पर पांच टेस्ट मैचों में कप्तानी दी जाती है और किसी को गहरे पानी में धकेल दिया जाता है तो या तो आप बहुत अच्छी तरह तैरकर बाहर निकलेंगे या डूब जाएंगे।

मुक्केबाज परवीन पदक पक्का करने से एक जीत दूर, क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

नागोया। भारतीय मुक्केबाजों के लिए एशियन गेम्स का पांचवां दिन मिलाजुला रहा। परवीन ने महिला 65 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर पदक पक्का करने के मजबूत कदम बढ़ाए, वहीं साक्षी और सुमित को अपने-अपने बाउट में हार का सामना करना पड़ा। परवीन को तजाकिस्तान की मलिका नोजिमोवा से वॉकओवर मिला जिससे वह अगले दौर में पहुंच गईं। परवीन पदक पक्का करने से एक कदम दूर हैं। मुक्केबाजी में सेमीफाइनल में पहुंचने पर पदक पक्का हो जाता है।

भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी महिलाओं के 51 किलो वर्ग में कजाखस्तान की अलुआ बाल्कीबेकोवा से प्री क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गईं। हरियाणा की 26 वर्ष की साक्षी ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन यहां वह लय कायम नहीं रख सकीं। पहले दौर के बाद कजाखस्तान की मुक्केबाज 3-2 से आगे थी। दूसरे दौर में साक्षी ने आक्रामकता दिखाई लेकिन बाल्कीबेकोवा ने 3-2 से फिर बढ़त बनाई। आखिरी दौर में साक्षी वापसी करने में नाकाम रही।

चोट के कारण बाहर हुए सुमित

इससे पहले सुमित पुरुषों के 70 किलो प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इराक के अल सारे अली के खिलाफ चोट के कारण बाहर हो गए। हरियाणा के 23 वर्ष के सुमित पहले दो दौर में आगे थे, लेकिन

तीसरे दौर में एक मुक्के से बचने के प्रयास में उन्हें घुटने में चोट लगी और वह गिर गए। इसके बाद वह आगे खेल नहीं सके और रैफरी ने मुकाबला रोककर विरोधी को विजेता घोषित कर दिया। सुमित ने पहले मुकाबले में थाईलैंड के बुंजोंग सिनसिरी को 5-0 से हराया था।

भारतीय हॉकी टीम की द. कोरिया पर सबसे बड़ी जीत

आइची नागोया। पुरुष हॉकी में पूल-ए के मैच में भारतीय हॉकी टीम ने दक्षिण कोरिया को 8-2 से हरा दिया। भारत ने कोरिया पर हाफटाइम तक 5-0 की बढ़त बना ली थी। भारत के लिए शिलानंद लाकरा ने चौथे मिनट, सुखजीत सिंह ने नौवें मिनट में गोल दागे। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दाग भारत को 3-0 से आगे कर दिया। इसके एक मिनट बाद अभिषेक ने गोल दागा। फिर दिलप्रीत सिंह ने 26वें मिनट में गोल दाग भारत को 5-0 से आगे कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने दो और गोल दागे, जबकि कोरिया की ओर से भी पहला गोल हुआ। भारत की ओर से दिलप्रीत ने 32वें मिनट में अपना दूसरा गोल और अभिषेक ने 38वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा। दक्षिण कोरिया की ओर से एकमात्र गोल किम जैहो ने 42वें मिनट में किया। तीसरे क्वार्टर तक भारत 7-1 से आगे थे।फिर चौथे क्वार्टर में दक्षिण कोरिया की ओर से किम योंगबोक ने 52वें मिनट में गोल दाग स्कोर 7-2 कर दिया। वहीं, रजिंदर सिंह ने 60वें मिनट में गोल दागा और स्कोर 8-2 कर दिया। आखिर तक यही स्कोरलाइन रहा और भारत ने जीत हासिल की। अब पूल स्टेज में ही भारत का सामना जापान से होगा। भारत की नजरें एशियन गेम्स में गोल्ड जीतकर 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के डायरेक्ट क्वालिफिकेशन हासिल करने पर हैं।

रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए कब तक खेलेंगे! भविष्य पर दिया बड़ा बयान

लिस्बन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर स्थिति साफ कर दी है। 41 वर्षीय स्टार फुटबॉलर ने कहा कि जब तक राष्ट्रीय टीम को उनकी जरूरत है, वह खेलते रहेंगे। हालांकि, जिस दिन उन्हें लगेगा कि वह टीम के लिए योगदान नहीं दे पा रहे हैं या टीम उन्हें नहीं चाहती, वह सबसे पहले खुद टीम छोड़ देंगे।

रोनाल्डो ने जुलाई में फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 में पुर्तगाल के स्पेन से बाहर होने के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य की पुष्टि नहीं की थी। हालांकि, नए मुख्य कोच जॉर्ज जीसस की पहली पुर्तगाल टीम में उन्हें शामिल किए जाने से साफ हो गया कि वह अभी राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध हैं।

'जब नहीं चाहेंगे, सबसे पहले मैं चला जाऊंगा'

वेल्स के खिलाफ मुकाबले से पहले रोनाल्डो ने अपने भविष्य को लेकर कहा, 'जब भी वे कहेंगे कि वे मुझे राष्ट्रीय टीम में नहीं चाहते, मैं सबसे पहले जाने वाला व्यक्ति बनूंगा। जब मुझे लगेगा कि मैं टीम में कुछ नहीं जोड़ रहा हूं या माहौल खराब कर रहा हूं, तो मैं सबसे पहले चला जाऊंगा। मैं अपना सूटकेस उठाऊंगा और चला जाऊंगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'पुर्तगाल के लोग मुझ पर भरोसा करते हैं। इसी वजह से मैं अभी यहां हूं। सिर्फ आंकड़ों को देखिए, मुझे यकीन है कि आप कुछ गणना कर सकते हैं। मैं अभी भी अच्छा कर रहा हूं। जिस दिन उन्हें मुझ पर भरोसा नहीं रहेगा, कोई समस्या नहीं है, मैं चला जाऊंगा। मैं हमेशा इस महासंघ का नंबर एक प्रशंसक रहूंगा।'

विश्व कप के बाद संन्यास पर किया था विचार

रोनाल्डो ने माना कि विश्व कप से बाहर होने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से हटने के बारे में विचार किया था। हालांकि, पुर्तगाल के राष्ट्रपति पेड्रो प्रोएंका और कोच जॉर्ज जीसस के साथ बातचीत के बाद उन्होंने खेलना जारी रखने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'हां, मैंने ऐसा किया था। बेशक, मैं हमेशा अपने फैसलों, अपने भविष्य और वर्तमान के बारे में सोचता रहता हूं। मैं सोचने वाला इंसान हूं, आपको सोचना पड़ता है। इसी वजह से आप मुझे अब यहां देख रहे हैं। इसका मतलब है कि मैं जारी रखूंगा।' रोनाल्डो ने यह भी कहा कि वह सिर्फ गोल करने के लिए नहीं, बल्कि युवा खिलाड़ियों की मदद करके भी टीम में योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी विश्वास है कि मैं राष्ट्रीय टीम को वह हासिल करने में मदद कर सकता हूं जो वह चाहती है। मुझे लगता है कि मैं राष्ट्रीय टीम को अपना समर्थन दे सकता हूं, सिर्फ गोल के जरिए नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी।'

कराटे में 100 खिलाड़ियों ने दिखाया दम, 10 ने जीते पदक

हाथरस। हाथरस के मेला श्रीदाऊजी महाराज के उपलक्ष्य में वर्ल्ड बुडो शोटोर्यू कराटे महासंघ के बैनर तले सातवीं श्री दाऊजी ओपन कराटे कप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते।

उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता कुंवर रत्नेश रत्न ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन लाते हैं। जो खिलाड़ी जीते हैं, उन्हें बधाई और जो हारे हैं, वे निराश न होकर और अधिक मेहनत करें। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अनुराग अग्निहोत्री एडवोकेट और उप जिला क्रीड़ा अधिकारी काशी नरेश यादव उपस्थित रहे। संचालन पूर्व डीजीसी क्रिमिनल एडवोकेट वतन सिंह ने किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री डॉ. रामबाबू हरित रहे।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामवीर सिंह भैयाजी, जिला पंचायत सदस्य प्रभा सिंह, अश्वनी सिंह, एडवोकेट रतन सिंह और महासंघ के अध्यक्ष व मुख्य प्रशिक्षक शिहान एमएस सामुराई ने संयुक्त रूप से विजयी प्रतिभागियों को पदक पहनाकर पुरस्कृत किया। अतिथियों को भी स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में हाथरस के विनायक इंटरनेशनल स्कूल, बीएलएस इंटरनेशनल स्कूल, कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, सेठ हरचरनदास कन्या इंटर कॉलेज, अलीगढ़ के आरसीएमडी इंटरनेशनल स्कूल के अलावा आगरा, मथुरा, टूंडला और अलीगढ़ के विभिन्न विद्यालयों के 100 बालक-बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान रेफरी पैनल के चीफ नितिन सोलंकी, विजेंद्र माहौर, रूबी कुमारी, जज हिमेश डेविड, विशाल ढकराल, सुबह सिंह और दीपक राज व सलमान आदि मौजूद रहे।

स्क्वाश के क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होंगी अनाहत और तन्वी, चार भारतीयों को भी मिली जीत

नागोया अनाहत सिंह, तन्वी खन्ना, अभय सिंह और वीर चोटरानी ने एशियन गेम्स की स्क्वाश स्पर्धा के एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार की जोड़ी मिश्रित युगल के अंतिम आठ में पहुंची। जूनियर विश्व चैंपियन और पदक की दावेदार अनाहत ने महिला एकल में सिंगापुर की वाई इयिन औ येओंग को महज 19 मिनट में 3-0 (11-4, 11-5, 11-7) से हराकर अभियान की शुरुआत की।

सेमीफाइनल में पहुंचने पर तय नहीं होगा पदक

इसके बाद तन्वी ने भी सिंगापुर की वाई यान औ येओंग को 39 मिनट में 3-1 (5-11, 11-4, 11-5, 13-11) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इन नतीजों के साथ महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में अनाहत और तन्वी के बीच मुकाबला

तय हो गया है। पिछले एशियन गेम्स के विपरीत इस बार स्क्वाश की एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों का पदक पक्का नहीं होगा। कांस्य पदक के लिए सेमीफाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों के बीच तीसरे-चौथे स्थान का मुकाबला खेला जाएगा।

अभय सिंह का दमदार प्रदर्शन

पुरुष एकल में अभय सिंह ने दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका के रविंदु लक्सिरी को 25 मिनट में 3-0 (11-5, 11-6, 11-0) से शिकस्त दी। क्वार्टर फाइनल में अभय का सामना मेजबान जापान के रयोउनोसुके से होगा। चोटरानी को मलयेशिया के संजय जीवा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक घंटे नौ मिनट चले रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9, 8-11, 11-6, 15-17, 11-6) से जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में उनकी भिड़ंत पाकिस्तान के इरफान मुहम्मद से होगी।

इससे पहले दिन में अनुभवी जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार ने हमवतन सूरज चंद और शमीना रियाज को सीधे गेम में हराकर मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी भारतीय जोड़ी ने ऑल-इंडियन मुकाबले में 11-7, 11-10 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी अब शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के डेविड पेलिनो और जेमीका अरिबाडो की जोड़ी से भिड़ेगी।

आज ही के दिन भारत बना था विश्व विजेता

2007 टी20 विश्व कप में पाकिस्तान को दी थी मात, जानें उस मैच का रोमांच

नई दिल्ली। 24 सितंबर 2007 का दिन, दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग का वांडरर्स स्टेडियम एक ऐतिहासिक मैच का गवाह बना। टी20 विश्व कप इतिहास का पहला फाइनल और आमने-सामने थे क्रिकेट की दुनिया के दो घोर विरोधी भारत और पाकिस्तान। इस मैच के विजेता को सिर्फ विश्व चैंपियन नहीं बनना था, बल्कि टी20 क्रिकेट के पहले विश्व चैंपियन के रूप में अपना नाम इतिहास में दर्ज कराना था। यह इतिहास रचा महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली भारतीय टीम ने। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर पहले टी20 विश्व कप की चैंपियन होने का गौरव हासिल किया था। भारत का पाकिस्तान को हराना कोई नई बात नहीं है। भारत से हारना पाकिस्तान की आदत में शुमार हो चुका है। लेकिन, 19 साल पहले मिली यह जीत भारतीय क्रिकेट इतिहास के चंद सबसे यादगार लम्हों में से एक है। युवा कप्तान धोनी के साथ युवा खिलाड़ियों से भरी टीम ने खिताबी जीत के बाद जब तिरंगा लहराया तो करोड़ों भारतीय क्रिकेट फैंस का सीना गर्व से चौड़ा हो गया।यह वह समय था, जब टी20 क्रिकेट धीरे-धीरे अपने पांव जमा रहा था। भारतीय टीम को इस प्रारूप की कमजोर टीम माना जा रहा था और चैंपियन बनने की संभावना न के बराबर जताई जा रही थी, लेकिन धोनी की कप्तानी वाली टीम ने युवा जोश के साथ होश दिखाया और खिताबी जीत हासिल की। इस जीत ने टी20 क्रिकेट और उसके रोमांच को शीर्ष स्तर पर पहुंचा दिया था।

गंभीर की यादगार पारी

मैच की बात करें तो भारतीय टीम के कप्तान धोनी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। टीम इंडिया के लिए पारी की शुरुआत गौतम गंभीर और युसूफ पठान ने की थी। पठान आठ गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए। गंभीर टिके रहे और 54 गेंदों पर 2 छक्के और 8 चौकों की मदद से 75 रनों की यादगार पारी खेलकर टीम का स्कोर पांच विकेट पर 157 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। छठे नंबर पर आकर रोहित शर्मा ने भी 16 गेंदों पर 30 रनों की बेहद अहम पारी खेली थी।158 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी पाकिस्तानी टीम 19.3 ओवर में 152 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने पांच रन से जीत हासिल कर पहला टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम कर इतिहास रच दिया। टीम इंडिया के लिए आर. पी. सिंह और इरफान पठान ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन-तीन विकेट लिए थे। जोगिंदर शर्मा ने दो और एस. श्रीसंत ने 1 विकेट लिया था। मैच अंत तक रोमांचक बना रहा था और इसका फैसला आखिरी ओवर में जाकर हुआ। भारतीय टीम को जीत के लिए एक विकेट चाहिए था और पाकिस्तान को जीत के लिए 13 रन चाहिए थे। पाकिस्तान का स्कोर नौ विकेट पर 145 रन था। भारतीय टीम की जीत की राह का रोड़ा मिस्बाह उल हक थे, जो पाकिस्तान को जीत के करीब लाए थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 4019

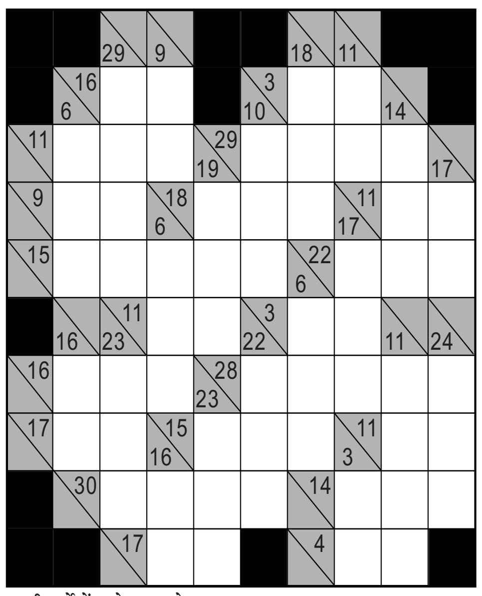

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

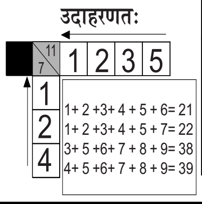

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4018 का हल

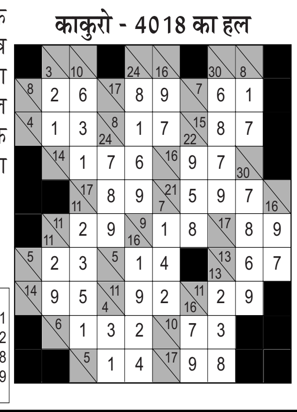

हंसी के फूव्वारें

जज (चोर से) - तुम्हारी जेब में जो कुछ है, उसे निकालकर मेज पर रख दो.
चोर (जज से)- यह तो सरासर नाइंसाफी है हुजूर. माल का आधा-आधा होना चाहिए.

□ □ □

बबलू (मम्मी से) - मम्मी प्लीज ये रस्सी अपनी जीभ से काट दो.
मम्मी (बबलू से) - बेवकूफ रस्सी जीभ से कैसे कट सकती है?
बबलू (मम्मी से) - क्यों? कल ही तो पापा कह रहे थे कि आपकी जुबान कैंची की तरह चलती है.

□ □ □

युवा फिल्म अभिनेता (प्रेमिका से)- आज तक मुझसे शादी के सैकड़ों निवेदन किए जा चुके हैं.
प्रेमिका (अभिनेता से)- अच्छा, किस-किस ने निवेदन किया?
अभिनेता (प्रेमिका से) - 'मेरे मम्मी और डैडी ने.' अभिनेता मुस्कराते हुए बोला.

□ □ □

एक छाताधारी सैनिक से उनके अफसर ने पूछा, 'तुमने कितनी बार हवाई जहाज से छलांग लगाई है.'
'केवल एक बार.' सैनिक ने कहा.
'लेकिन तुम्हारे सर्विस रिकार्ड मे तो पन्द्रह बार लिखा हुआ है.'
'शेष चौदह बार तो मुझे धकेला गया था.' सैनिक ने कहा.

फिल्म वर्ग पहेली- 4019

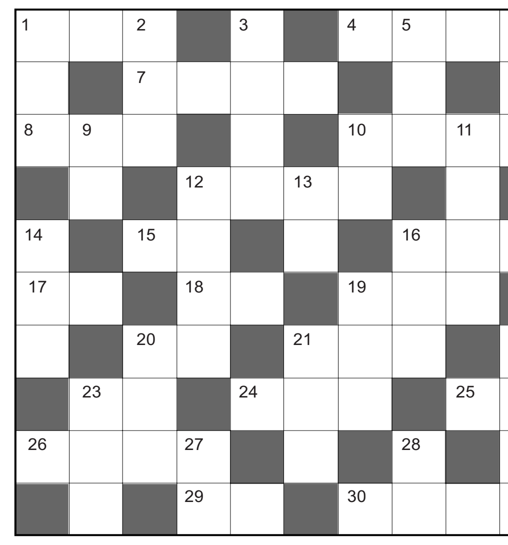

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेंद्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4018

बा	रू	द		र		का	ला	पा	नी
बु		रा	व	ण	रा	ज		प	
ल	की	र		भू		ल	क्ष्य		ह
	म		दा	मि	नी			खे	ल
जी	त		मा		य	ती	म		च
वा		कु	द	र	त		हा	सि	ल
	मि	ली		ज		जी	न	त	
जीं	स		सु	नी	ल			म	न
	मे	ला		गं			जा		सी
नू	री		अं	धा	का	नू	न		ब

सूडोकु -4019

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4018 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 4019

बाएँ से दाएँ

1. मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3. रुई की फसल-3
5. वंश,खानदान-2
6. आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7. जी,इच्छा,चित्त-2
9. पहनना-3
11. दास,नौकर,सेवक-5
14. अग्नि,आग-3
16. चयनित,स्वीकृत-4
17. जाति,संप्रदाय-2
18. उस समय-2
19. आदत,व्यवहार-4
23. माला का मोती-3
24. लालन-पालन-5
27. पूर्णिमा-3
28. वश,अधीन-2
30. खबर देने वाला-3
31. खदान,माइन-2
32. आश्रय,पनाह-3
33. संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1. घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2. धारा के बीच में,अधर में-2,2
3. आफत,आपदा-3
4. एक समान-2
5. गृहपति,चांसलर-4
6. दाना-2
8. प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10. रोकर धनराशि-3
12. प्रेम ,आसक्ति-3
13. नीर,जल-2
15. भाग्य,तकदीर-3
17. जंबुल,जांब-3
18. टेंशन,परेशानी-3
20. काया,बदन-2
21. उष्णता-3
22. नाश होने योग्य-4
23. साम्राज्ञी,रानी-3
25. रमण करने योग्य-4
26. अदा,चोंचला-3
27. पूड़ी,गोलगप्पा-2
29. पिता की बहन-2
31. उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -4018 का हल

	श	म	शा	न		म	ति	मं	द	
क			य		वी		रं			शै
र		प	र	व	र	दि	गा	र		ता
ता	ड़	ना			वा			ज	वा	न
र		ह		प	र	दा		त	री	
	नी		गै	र		म	जा		स	
	र	वि		म	न	न		स		आ
ग	ज	रा			फा			ह	की	म
र		म	ह	सू	स	क	र	ना		द
म			रा		त		खै			नी
	सो	म	ना	थ		य	ल	गा	र	

जल आधारित भोजन से कुछ घटता ही है वजन

पानी जीवन का आधार, बिन पानी सब सून। पहले प्यास बुझाने के लिए पानी पिया जाता था, बाद में शोधों से पता चला कि पानी में ढेरों औषधीय गुण विघमान हैं, चुनांचे ज्यादा पानी पीने की सलाह दी जाने लगी। अब विज्ञानी नई खबर लेकर आए हैं और वह यह कि अगर स्लिम-ट्रिम होने के लिए आप गिलास पर गिलास पानी पेट में उतार रहे हैं तो समझ लें समय बरबाद कर रहे हैं। यानी ज्यादा पनी पीने से किसी भी सूरत में वजन कम नहीं होता है।

डायटीशियन लोगों को रोजाना कम से कम आठ गिलास पानी पीने की सलाह देते हैं। पानी का वजन पर पड़ने वाले प्रभाव के आकलन के लिए वैज्ञानिकों ने हाल में कई शोध किए। इनमें से एक रिसर्च में उन्होंने 1000 महिलाओं के बेट और वेस्ट यानी वजन और कमर के आकार का अध्ययन इस आधार पर किया कि वे प्रतिदिन कितना पानी पी रही हैं और उसे किस रूप में ले रही हैं। शोधकर्ता यह जानकर हैरान रह गए कि वजन कम करने के लिए ये महिलाएं ज्यादा पानी पी रही थीं, लेकिन अधिक पानी तथा वेट लूज में किसी तरह का कोई संबंध नही बन पा रहा था। अलबत्ता एक अच्छी सूचना यह हाथ लगी कि इन 1000 महिलाओं में से जो जल आधारित भोजन ले रही थीं, उनके वेस्ट के आकार में मामली-सा बदलाव आया था। विज्ञानियों का कहना है कि इस फाइंडिंग के बाद सही तो यह होगा कि वे सभी लोग जो वजन कम करने के अभियान से जुटे हैं, ज्यादा पानी के बजाए फल, सब्जियां, जूस तथा सूप आदि लें। इससे शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलेंगे और फाइबर अतिरिक्त चर्बी घटाने में मदद करेगा। इसके अलावा चाय, कॉफी और सॉफ्ट ड्रिंक्स तो हैं ही। पानी को वेट लूजर के रूप में इस्तेमाल करने के बारे में वैज्ञानिकों ने चेताया है कि ज्यादा पानी पी लेने से भूख कम लगती है। इसका सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है और व्यक्ति लो ब्लडप्रेशर का शिकार हो जाता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका कतई यह मतलब नहीं है कि कम पानी पिया जाए। स्थान विशेष की जलवायु के हिसाब से शरीर खुद पानी की मांग करता है और उस मांग की आपूर्ति बेहद जरूरी है। पानी के बहाने शोधकर्ताओं ने एक अहम चेतावनी भी दी है। उनका कहना है कि पॉली या प्लाटिस्क की बोतलों में पैक पानी सेहत के लिए हानिकारक होता है। पानी को बॉटल में प्रोसेस करते समय कुछ कैमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो दिल के दौरों के खतरे को दोगुना कर देते हैं।

आयु बढ़ाता है विटामिन 'डी'

लंबी आयु चाहते हैं तो नियमित तौर पर कुछ समय सूर्य के प्रकाश में गुजारा करें। एक नए अध्ययन के अनुसार सूर्य के प्रकाश से शरीर में विकसित होने वाला विटामिन डी मृत्यु दर को कम करता है। पहले हुए अध्ययनों ने भी इस आर संकेत दिया था कि सूर्य के प्रकाश से संभवत: कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ होते हैं जिनमें कैंसर, धमनियों की बीमारी और दमे से बचाव शामिल हैं। आस्ट्रिया के ग्राज विश्वविघालय ने पाया है कि सूर्य के प्रकाश से प्राप्त होने वाला विटामिन डी मृत्यु दर में कमी लाता है। यही विटामिन कैल्शियम के अवशोषण में शरीर को मदद करता है। 'दी डेली टेलीग्राफ' के अनुसार मुख्य अनुसंधानकर्ता हेराल्ड डोबनिग का कहना है कि यह पहला संयुक्त अध्ययन है जिसमें यह पता चला है कि विटामिन डी मृत्यु दर को प्रभावित करता है और इसका मृत्यु के प्राथमिक कारण से कोई लेना देना नहीं है। दूध और सालमोन मछली में विटामिन डी पाया जाता है। इसकी कमी से बच्चों को रिकेट्स बीमारी और बड़ों को गठिया हो सकता है। अध्ययन में औसतन 62 वर्ष आयुवर्ग के 3200 से अधिक लोगों का अनुसंधानकर्ताओं ने परीक्षण किया।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

शोभिता धुलिपाला स्टारर 'वेट्टुवम' की दुनिया आई सामने

साउथ सिनमा मच अवेटेड फिल्म 'वेट्टुवम' का टीजर या यूं कहें कि 'वेट्टुवम' की दुनिया को समझाने के लिए मेकर्स ने एक वीडियो जारी किया है। इस फिल्म की कहानी पंकज त्रिपाठी सुना रहे हैं और शुरुआत भी उनकी ही झलक के साथ की गई है। वीडियो की शुरुआत में कुछ ऐसी झलकियां हैं जो आपके पुराने दौर में लेकर जाती है। पंकज त्रिपाठी की आवाज में इस फिल्म का ताना-बाना बुना गया है। इस फिल्म में दर्शक अलग-अलग गुटों के बीच जमीन पर अपना दबदबा कायम करने की लड़ाई देख सकते हैं। इन लड़ाइयों को पुराने समय के भारत की पारंपरिक युद्ध तकनीकों के आधार पर तैयार किया गया है और इसी वजह से पूरी कास्ट ने अलग-अलग तरह की मार्शल आर्ट्स में महारत हासिल करने के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है!

सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही झलक से पर्दा उठा दिया है

पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेट्टुवम' के ऐलान के साथ पैन-इंडिया फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं, ऐसे में खबर सामने आने के साथ ही लोगों में इसे लेकर ज़बरदस्त उत्साह देखने मिल रहा है। मेकर्स ने घोषणा के समय किए वादे के मुताबिक आज फिल्म की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही झलक से पर्दा उठा दिया है। बता दें कि यह कुछ ऐसा है जिसे कभी किसी ने नहीं देखा है। फिल्म की कहानी अलग-अलग समय में लेकर जाती है, जिसमें दर्शक कई कलाकारों को अपनी भूमिका निभाते देखेंगे। इसके साथ ही यह बात भी साफ हो गयी है कि फिल्म डायरेक्टर हार बार की तरह इस बार भी कुछ अलग करते हुए पैन इंडिया लेवल पर हलचल मचाने वाले हैं।

वह हमारे आने वाले कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं

मेकर्स ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें 'वेट्टुवम' की दुनिया को देखा जा सकता है। कई भाषों में शेयर किए गए वीडियो में जहां हिंदी में पंकज त्रिपाठी की आवाज़ है, वहीं तमिल वर्जन में पा. रंजीत, तेलुगु में राणा दग्गुबाती, कन्नड़ में किच्चा सुदीप और मलयालम में सौबिन शाहिर की आवाज सुनाने मिल रही है। बता दें कि वे सभी वीडियो में फिल्म के अलग-अलग पहलुओं के बारे में बता करते हुए उनपर रोशनी दाल रहे हैं। फिल्म बीते हुए कल के उन नतीजों पर रोशनी डालती है, जिनका असर हमारे आज पर पड़ रहा है और वह हमारे आने वाले कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं। यह चीजे आख़िरकार प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकती हैं। बताया गया है कि यह बार-बार आने वाली आपदाएं इंसानों के भविष्य पर बड़ा असर डालकर उसे प्रभावित कर सकती हैं।

एक्टर्स की भी दमदार झलक देखने मिल रही है मेकर्स द्वारा शेयर किये गए दिलचस्प फर्स्ट लुक में कई गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हुए दिखाया गया है, इसी लड़ाई को फिल्म में 'वेत्तुवम' का नाम दिया गया है। इस फिल्म के जरिए मल्लखंब को अलग नज़रिये से दिखाया गया है।

तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज़ के लिए तैयार

इस फिल्म को पा. रंजीत न सिर्फ डायरेक्ट कर रहे हैं बल्कि उन्होंने इसे लिखा भी है। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम, और कन्नड़ में एक पैन-इंडिया रिलीज़ के लिए तैयार है। फिल्म को एस. साई देवानंद, एस. साई वेंकटेश्वरन, और पा. रंजीत द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है। फ़िल्म को 'लर्न एंड टीच प्रोडक्शन' और 'नीलम प्रोडक्शंस' के बैनर तले बनाया जा रहा है, जो दिसंबर 2026 में रिलीज़ के लिए तैयार है।

पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेट्टुवम' के साथ वापसी कर रहे हैं

इसके साथ ही फिल्म के म्यूजिक को उसकी कहानी के हिसाब से जी. वी. प्रकाश कुमार बना रहे हैं, जो साज़िश की एक और परत जोड़ता है। कहना होगा की म्यूजिक पा. रंजीत द्वारा बनाई हुई दुनिया के इर्द-गिर्द एक अनोखी आभा बनाता है। बात करें पा. रंजीत की तो उन्हें सुपरहिट फिल्म्स जैसे 'कबाली', 'काला', 'सरपट्टा परमबराई', और 'थंगलान' को डायरेक्ट करने के लिए जाना है। जैसे की पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेट्टुवम' के साथ वापसी कर रहे हैं, ऐसे में इसे बड़े पैमाने पर बनाये जाने की उम्मीद है।

हॉलीवुड में रीमेक होने वाली पहली तमिल फिल्म बनी विजय सेतुपति की 'महाराजा'

विजय सेतुपति की 'महाराजा' रचने जा रही इतिहास, हॉलीवुड में रीमेक होने वाली पहली तमिल फिल्म बनीफिल्म के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इस खबर की आधिकारिक पुष्टि करते हुए इसे तमिल सिनेमा का 'ऐतिहासिक मील का पत्थर' बताया है। जून 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई विजय सेतुपति और अनुराग कश्यप स्टारर 'महाराजा' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ ग्लोबल मार्केट में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया था। फिल्म की सफलता का असली टर्निंग पॉइंट चीन में इसकी रिलीज साबित हुआ। चीन में इस सस्पेंस थ्रिलर ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए 91 करोड़ रुपए से अधिक का बिजनेस किया। फिल्म निर्माता सुधन सुंदरम के अनुसार, चीन में फिल्म की इस अप्रत्याशित सफलता के बाद ही एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने हॉलीवुड रीमेक राइट्स के लिए निर्माताओं से संपर्क किया।

पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर यह अफवाहें जोर पकड़ रही थीं कि 'इंटरस्टेलर' और 'डलास बायर्स क्लब' फेम ऑस्कर विजेता अभिनेता मैथ्यू मैक्कोनाघे इस रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। जब निर्माता सुधन सुंदरम से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, यह सच है कि हॉलीवुड रीमेक के लिए किसी 'ए-लिस्ट' स्टार को साइन किया जा रहा है और प्रोजेक्ट पर काम अगले साल शुरू होगा। हो सकता है मैथ्यू उन एक्टर्स में शामिल हों जिनसे एजेंसी बातचीत कर रही है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि कास्टिंग एजेंसी की तरफ से ही की जाएगी।

निथिलन स्वामीनाथन द्वारा निर्देशित और 'द रूट', 'थिंक स्टूडियोज' व 'पैशन स्टूडियोज' द्वारा निर्मित यह एक 'नियो-नोइर' क्राइम थ्रिलर फिल्म है। कहानी एक साधारण नाई (विजय सेतुपति) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पुलिस स्टेशन में अपनी चोरी हुई डस्टबिन जिसका नाम उसने 'लक्ष्मी' रखा है, की शिकायत दर्ज कराने पहुंचता है।

फिल्म 'तुम मेरे हो' में गुरमीत चौधरी संग रोमांस करेंगी ईशा मालवीय

'बिग बॉस 17' फेम ईशा मालवीय जल्द फिल्म 'तुम मेरे हो' के साथ बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। गुरुवार को मेकर्स ने उनकी इस हिंदी फिल्म के कई पोस्टर जारी किए। खास बात ये है कि इस मूवी में वह टीवी के पॉपुलर अभिनेता गुरमीत चौधरी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखाई देंगी। गुरमीत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर शेयर किए हैं, जिसमें देखने को मिला कि दोनों रोमांस में खोए हुए नजर आ रहे हैं। पहले पोस्टर में दोनों लिपलॉक करते नजर आए और आगे के पोस्टर में भी दोनों का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला।

कब रिलीज होगी फिल्म

इन पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'तुम मेरे हो' की दुनिया में डुबकी लगाओ। फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। क्योंकि कई बार, प्यार में पड़ना आसान होता है, लेकिन इसके बाद जो होता है, वो कहानी है।'

बता दें कि गुरमीत चौधरी ही ईशा को बॉलीवुड में लॉन्च कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है और यह रेवा क्रिएटिव हाउस और देबगुरु फिल्म्स के बैनर तले बनाई गई है। वहीं, फिल्म को आरती एस और देबिना बनर्जी ने प्रोड्यूस किया है। तरण आदर्श के मुताबिक, मूवी में लव स्टोरी के साथ-साथ एडवेंचर और एक्शन भी देखने को मिलेगा। ऐसे में अब ये देखना काफी दिलचस्प होगा कि ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी की केमिस्ट्री लोगों को पसंद आती है या नहीं। ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी 'लाफ्टर शेफ्स 3' में साथ काम कर चुके हैं। ईशा इससे पहले पंजाबी फिल्म 'इश्कां दे लेखे' में नजर आ चुकीं हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो 'उडारियां' से की थी।

मनीष शर्मा की अगली फिल्म में लीड रोल निभा सकती हैं सारा अर्जुन

फिल्म 'धुरंधर' से चर्चा में आई एक्ट्रेस सारा अर्जुन को लेकर एक नई खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'सारा अब निर्देशक मनीष शर्मा की अगली फिल्म में लीड रोल निभा सकती हैं। इस फिल्म में उनके साथ अंबरीश वर्मा नजर आ सकते हैं। अंबरीश वर्मा को वेब सीरीज 'सपने वर्सेज एवरीवन' में उनके काम के लिए जाना जाता है। सारा ने अपनी पुरानी टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी से अलग होकर यशराज फिल्म्स की टैलेंट मैनेजमेंट से हाथ मिलाया है। वाईआरएफ टैलेंट के साथ पहले से कई युवा कलाकार जुड़े हुए हैं। इनमें अहान पांडे, अनीत पड्डा और शरवरी जैसे नाम शामिल हैं। सारा के इस कंपनी से जुड़ने की खबर ऐसे समय में सामने आई है, जब 'धुरंधर' के बाद उनके करियर में नई परियोजनाओं को लेकर चर्चा तेज है।

सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' में नजर आएंगी परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' में नजर आएंगी। इसमें परिणीति के साथ ताहिर राज भसीन भी नजर आएंगे। इस सीरीज को लेकर परिणीति ने बातचीत की।

आपके द्वारा एक मां का किरदार निभाना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

इस तरह की कहानी में इमोशन बहुत जरूरी है, लेकिन आप सिर्फ इमोशन के भरोसे नहीं चल सकते। किरदार के भीतर लगातार बेचैनी है। वह कुछ जानना चाहती है, कुछ ढूंढना चाहती है। मुझे लगता है कि इस किरदार की सबसे बड़ी खूबी यही है कि वह सिर्फ एक पीड़ित व्यक्ति नहीं है।

क्या महिला किरदारों की मजबूत और अलग-अलग परतें इस कहानी को और खास बनाती हैं?

जरूर। मुझे लगता है कि इस स्क्रिप्ट की सबसे खूबसूरत चीज इसकी महिला किरदारों की लेयरिंग है। वे सिर्फ कहानी को आगे बढ़ाने के लिए मौजूद नहीं हैं। एक अच्छे थ्रिलर की खूबी यही होती है कि आप हर किरदार के बारे में और जानना चाहते हैं।

क्या आपको लगता है कि पिता की भूमिका को भी मां जितनी अहमियत मिलनी चाहिए?

मेरे लिए इसका जवाब बिल्कुल स्पष्ट है-पेरेंटिंग 50-50 होनी चाहिए, अगर परिस्थितियां इसकी इजाजत देती हैं। बच्चे को दोनों माता-पिता का समय और प्यार मिलना चाहिए। लेकिन मैं यह भी मानती हूं कि हर परिवार की परिस्थिति अलग होती है। किसी परिवार में पिता ज्यादा काम कर रहे हो सकते हैं और मां बच्चे के साथ ज्यादा समय बिता रही हो सकती है। किसी दूसरे परिवार में इसका उल्टा हो सकता है।

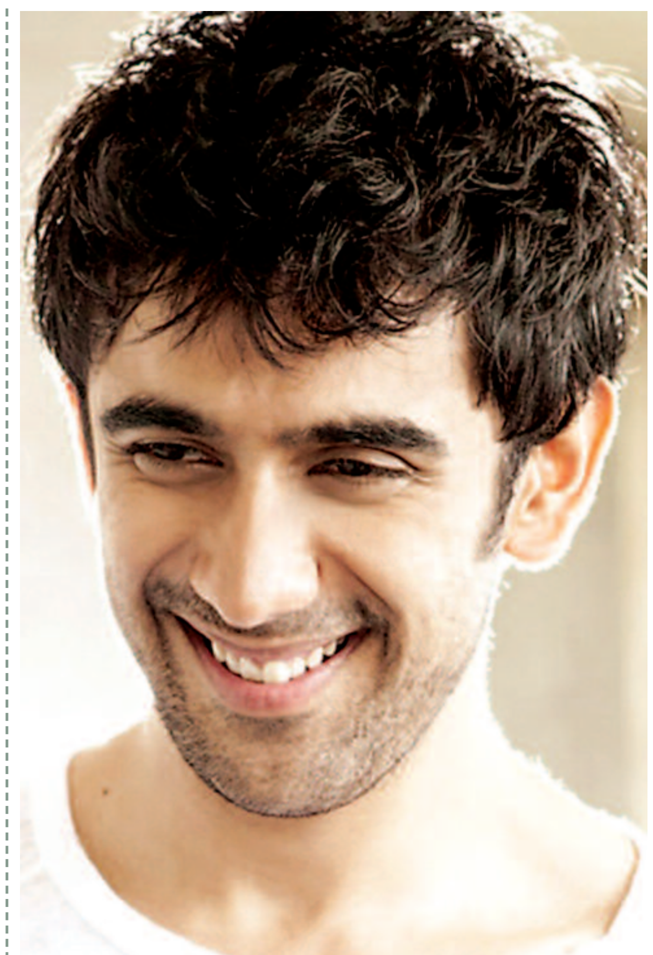

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगे अमित साध

मुंबई प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स ने अपनी आगामी थ्रिलर फिल्म 'प्रताप' का दमदार फर्स्ट लुक जारी करने के साथ-साथ फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। अमित साध अभिनीत यह फिल्म 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में अमित साध एक प्रभावशाली पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आ रहे हैं। हाथ में बंदूक थामे उनका सख्त और तीखा अंदाज तुरंत ध्यान आकर्षित कर रहा है। इसी के साथ पोस्टर में दिखाई गई टूटी हुई दुनिया संघर्ष, खतरे और रहस्य से भरी कहानी की ओर इशारा करती है, जहां चीजें वैसी नहीं हैं जैसी पहली नजर में दिखाई देती हैं। पोस्टर पर लिखा दमदार टैगलाइन 'इस बार निशाना बाहर नहीं, भीतर है।' फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ा रहा है। सचिन सराफ द्वारा लिखित और निर्देशित 'प्रताप' एक सम्मानित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की कहानी है, जिसकी जिंदगी उस समय पूरी तरह बदल जाती है जब उसे उसी कानून का सामना करना पड़ता है, जिसकी रक्षा और पालन वह वर्षों से करता आया है।

यह दिलचस्प कहानी कर्तव्य, वफादारी और कानून तथा उसे लागू करने वालों के बीच के संघर्ष को एक रोमांचक थ्रिलर के रूप में प्रस्तुत करती है। अमित साध के साथ फिल्म में ईशा देओल, तिग्मांशु धूलिया, मिलिंद गुणाजी और सीमा बिस्वास जैसे शानदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फर्स्ट लुक पोस्टर में फिल्म के प्रमुख किरदारों को टूटे हुए कांच की आकर्षक विजुअल शैली के जरिए दिखाया गया है, जो फिल्म की जटिल और रहस्यमयी दुनिया की झलक तो देता है, लेकिन कहानी के कई राज अभी भी छिपाकर रखता है। अपने दिलचस्प कथानक, दमदार कलाकारों की टोली और प्रभावशाली फर्स्ट लुक के साथ 'प्रताप' एक ऐसी रोमांचक थ्रिलर बनने का संकेत देती है, जहां जो व्यक्ति कभी अपने लक्ष्य का पीछा करता था, अब शायद खुद ही निशाना बन गया है।

संक्षिप्त समाचार

शरीर में चलेगी खाने योग्य बैटरी, काम के बाद खुद घुल जाएगी

वाशिंगटन, एजेंसी। वैज्ञानिकों ने ऐसी बैटरी विकसित की है, जो शरीर के अंदर कुछ समय तक छोटे मेडिकल उपकरणों को बिजली देने के बाद धीरे-धीरे खुद ही खत्म हो जाएगी। इससे बैटरी निकालने के लिए सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका शुरुआती परीक्षण सूअरों पर सफल रहा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से जुड़े जियोवानी ट्रैवर्सो और उनकी टीम ने इसे विकसित किया है। शोध नेचर केमिकल इंजीनियरिंग में प्रकाशित हुआ है। बैटरी में मैग्नीशियम और मोलिब्डेनम ट्राइऑक्साइड का इस्तेमाल किया गया है। 73% अमेरिकियों को एआई से बड़े नुकसान का डर अमेरिका में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर लोगों की चिंता बढ़ रही है। 73% अमेरिकियों का मानना है कि एआई बनाने वाली कंपनियां इससे होने वाले गंभीर नुकसान को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रही हैं। रॉयटर्स-इप्सोस के सर्वेक्षण में 39% लोगों ने एआई को समाज के लिए नकारात्मक बताया, जो अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। सर्वेक्षण में 55% लोगों ने एआई के विकास की रफ्तार धीमी करने को सही बताया, जबकि 13% ने इसे गलत कहा। वहीं 73% लोगों ने कहा कि दुनिया में एआई की दौड़ में आगे रहने से ज्यादा जरूरी इसका सुरक्षित और जिम्मेदार इस्तेमाल सुनिश्चित करना है।

क्रैश फॉर कैश घोटाले में भारतीय मूल के पूर्व ब्रिटिश पुलिस अधिकारी को जेल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में भारतीय मूल के एक पूर्व पुलिस अधिकारी को क्रैश फॉर कैश घोटाले में भूमिका के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद चार साल और पांच महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। इस घोटाले में चोट लगने के झूठे दावे करके पैसे ऐंठे जाते थे। 42 साल का कुलदीप सिंह मेट्रोपॉलिटन पुलिस में अधिकारी था। तब वह एक ऐसे गिरोह में शामिल हुआ जो गाड़ियों की पूर्वनिर्धारित टक्कर करवाता था और बीमा कंपनियों से मुआवजे के लिए झूठे दावे करता था। कुलदीप ने इस साल की शुरुआत में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। उसे पांच साल के लिए कंपनी डायरेक्टर बनने से भी रोक दिया गया।

स्कूल गोलीबारी मामला: ओपनएआई और सैम ऑल्टमैन पर मुकदमा

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दिग्गज कंपनी ओपनएआई और उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन के खिलाफ अमेरिकी संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कंपनी फरवरी माह में देश के सबसे भीषण स्कूल गोलीबारी कांडों में से एक को अंजाम देने वाली 18 वर्षीय हमलावर की हिंसक चैटजीपीटी गतिविधियों के बारे में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सचेत करने में पूरी तरह विफल रही। सैन फ्रांसिस्को स्थित फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर मुकदमे के अनुसार, ओपनएआई की ह्यूमन रिव्यू टीम द्वारा चिन्हित किए जाने के बावजूद कंपनी ने हमलावर की संदेहास्पद चैट के बारे में सुरक्षा अधिकारियों को कोई सूचना नहीं दी।

श्रीलंका में ईस्टर के मौके पर किए थे बम धमाके: कोर्ट ने 15 आरोपियों को दी 220 साल की सजा, पांच साल चला केस

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के 2019 ईस्टर संडे बम धमाकों के मामले में करीब पांच साल चली सुनवाई के बाद अदालत ने 24 आरोपियों में से 15 को दोषी ठहराया और प्रत्येक को 220 साल के कठोर कारावास की सजा दी। नौ आरोपियों को बरी किया गया। मामले में 2,309 अभियोजन गवाहों ने गवाही दी। हमलों के बाद आतंकवादी साजिश के साथ-साथ सुरक्षा तंत्र की नाकामी को लेकर तत्कालीन राजनीतिक और प्रशासनिक नेतृत्व पर भी गंभीर सवाल उठे थे। कोलंबो परमानेंट हाई कोर्ट ट्रायल-एट-बार की तीन सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया। 21 अप्रैल 2019 को श्रीलंका में सिलसिलेवार आत्मघाती धमाकों ने पूरे देश को हिला दिया था। स्थानीय इस्लामिक चरमपंथी संगठन नेशनल तौहीद जमात से जुड़े नौ आत्मघाती हमलावरों ने तीन कैथोलिक चर्चों और तीन लग्जरी होटलों को निशाना बनाया था। इन हमलों में करीब 270 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 11 भारतीय भी शामिल थे। 500 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। संगठन के [illegible] से जुड़े होने की बात सामने आई थी। कोलंबो परमानेंट हाई कोर्ट ट्रायल-एट-बार ने 15 दोषियों को 220-220 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड रक्षा समझौते को अंतिम रूप दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक निल्सन ने एक नए रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत 1951 के समझौते को अपडेट किया गया है और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण आर्कटिक क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग को बढ़ाया गया है। ट्रंप ने इस समझौते को लंबी कोशिशों का नतीजा बताया और कहा कि इससे अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के बीच रिश्ते मजबूत होंगे। ट्रंप ने तीनों देशों के बीच हुए समझौते पर दस्तखत करने के कार्यक्रम में कहा, 'हमारे रिश्ते बहुत शानदार और सुरक्षित होंगे, और हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इस पर काफी समय से काम चल रहा था। कुछ लोग सच में यह समझौता करना चाहते थे लेकिन कभी हो नहीं पाया, पर अब हम इसे पूरा कर रहे हैं।' ट्रंप ने कहा कि यह समझौता 'यूरोप, अमेरिका और सभी के लिए बहुत बढ़िया' होगा और ग्रीनलैंड के लिए तो 'अद्भुत' साबित होगा।

फ्रेडरिकसेन ने इस समझौते को अमेरिका के साथ डेनमार्क के लंबे समय से चले आ रहे सहयोग में एक अहम पड़ाव बताया। उन्होंने कहा, '75 साल पहले, हमने ग्रीनलैंड की सुरक्षा को लेकर एक समझौता किया था। आज, हम उससे भी बड़ा और बेहतर समझौता कर रहे हैं, एक ऐसा समझौता जो हमेशा कायम रहेगा। '

डेनमार्क की नेता ने कहा कि इस समझौते से सुरक्षा और प्रतिरोध क्षमता मजबूत होगी और साथ ही विरोधी ताकतों को ग्रीनलैंड में पैर जमाने से रोका जा सकेगा। फ्रेडरिकसेन ने कहा, 'हम यह पक्का कर रहे हैं कि उन्हें ग्रीनलैंड पर कोई नियंत्रण या बड़ा असर डालने की इजाजत न मिले। और हम यह भी पक्का कर रहे हैं कि आर्कटिक में एक ही समय में हमारे और सहयोगी देश भी मौजूद रहें।' उन्होंने कहा कि इस समझौते में ग्रीनलैंड और नॉर्थ अटलांटिक संधि वाले इलाके की सुरक्षा में अमेरिका के ऐतिहासिक और जारी योगदान को मान्यता दी गई है। उन्होंने कहा कि इसमें डेनमार्क साम्राज्य की क्षेत्रीय अखंडता और ग्रीनलैंड के आत्म-निर्णय के अधिकार का भी सम्मान किया गया है।

फ्रेडरिकसेन ने इस समझौते को भू-राजनीतिक तनाव के इस दौर में नाटो को मजबूत करने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'अगर हम सहयोगी देशों के तौर पर बंट जाते हैं, तो हम अपने दुश्मनों की मदद करते हैं। हम ऐसा होने से रोकने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेंगे। नीलसन ने कहा कि इस समझौते से 1951 का रक्षा समझौता '2026 के दौर' के हिसाब से अपडेट हो गया है और यह पक्का हो गया है कि ग्रीनलैंड के इलाके और वहां के लोगों पर असर डालने वाले फैसलों में ग्रीनलैंड सीधे तौर पर शामिल होगा। उन्होंने कहा, 'ग्रीनलैंड के लिए, यह सिर्फ हमारे बारे में समझौता नहीं है, बल्कि यह हमारे साथ किया गया समझौता है। इसमें ग्रीनलैंड के लोगों, हमारे अधिकारों, हमारी आजीविका और हमारे देश के विकास का ध्यान रखा गया है।' नीलसन ने कहा कि दूसरे विश्व युद्ध और शीत युद्ध के दौरान ग्रीनलैंड ने सुरक्षा के लिहाज से अहम भूमिका निभाई थी और वह अमेरिका की घरेलू सुरक्षा में भी मदद करता रहा है। उन्होंने आर्कटिक में सुरक्षा को लेकर बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच नाटो और पश्चिमी गठबंधन के प्रति ग्रीनलैंड की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। नीलसन ने कहा, 'इस समझौते से आज और भविष्य में इस बात को लेकर कोई शक नहीं रह जाना चाहिए कि ग्रीनलैंड की वफादारी किसके साथ है। हम अमेरिका के पक्के दोस्त रहे हैं और आगे भी रहेंगे, साथ ही पश्चिमी गठबंधन का हिस्सा भी बने रहेंगे। ' नीलसन ने इस समझौते को 'तीनों पक्षों के लिए फायदेमंद' बताया, जो साझा जिम्मेदारी, आपसी सम्मान और आर्कटिक में शांति बनाए रखने के लक्ष्य पर आधारित है। ट्रंप ने उस पत्रकार के सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया जिसने पूछा था कि क्या ग्रीनलैंड पर अमेरिका के मालिकाना हक की बात अब खत्म हो गई है। जब उनसे पूछा गया कि ग्रीनलैंड के लोगों के लिए उनका क्या संदेश है, तो ट्रंप ने कहा, 'मुझे ग्रीनलैंड के लोग बहुत पसंद हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि 'उनके प्रधानमंत्री उनका बहुत अच्छी तरह से प्रतिनिधित्व करते हैं।' वॉशिंगटन और कोपेनहेगन के बीच 1951 में हुए रक्षा समझौते ने ग्रीनलैंड में अमेरिकी सेना की मौजूदगी का आधार तैयार किया था। 2004 में अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के बीच हुए एक समझौते के जरिए इसमें बदलाव किए गए थे।

मेलोनी का बड़ा फैसला, इटली में बुर्का बैन की तैयारी तेज

रोम, एजेंसी। यूरोप के देश इटली में स्कूलों में बुर्का या नकाब जैसे चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने हाल ही में इसकी घोषणा की है। मिली जानकारी के अनुसार स्कूलों में चेहरा ढकने वाले परिधानों को प्रतिबंधित किया जाएगा। इस कदम के लिए सरकार को औपचारिक प्रक्रिया पूरी करनी होगी और संसद की मंजूरी भी जरूरी होगी। इटली का यह कदम ऐसे समय में आया है, जब कई देशों में सार्वजनिक स्थानों पर बुर्का या नकाब को लेकर अलग-अलग तरह के प्रतिबंध लागू हैं। फ्रांस यूरोप का पहला देश था, जिसने 2011 में सार्वजनिक स्थानों पर चेहरा पूरी तरह ढकने पर प्रतिबंध लागू किया था। इसके बाद बेल्जियम, डेनमार्क, ऑस्ट्रिया, बुल्गारिया, स्विट्जरलैंड और नीदरलैंड समेत कई यूरोपीय देशों ने भी पूर्ण या आंशिक प्रतिबंध लगाए।

किन-किन देशों में प्रतिबंधित है, बुर्का : वर्तमान में करीब 24 देशों का उल्लेख किया गया है, जहां बुर्का या नकाब पर किसी न किसी रूप में प्रतिबंध या कड़े प्रतिबंध लागू हैं। इनमें कई लोकतांत्रिक और तानाशाही देश शामिल हैं, साथ ही साथ कुछ मुस्लिम बाहुल्य देश भी हैं जहां बुर्का या नकाब बैन है। अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया, अजरबैजान, बेल्जियम, बुल्गारिया, कनाडा, चाड, चीन, डेनमार्क, फ्रांस, गैबॉन, कोसोवो, किर्गिस्तान, लातविया, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्विट्जरलैंड, ताजिकिस्तान, ट्यूनीशिया, तुर्कमेनिस्तान, तुर्की और उज्बेकिस्तान जैसे देशों के नाम शामिल किए जाते हैं। हालांकि, इन सभी देशों में प्रतिबंध की प्रकृति और दायरा एक जैसा नहीं है। कहीं पूरे सार्वजनिक क्षेत्र में प्रतिबंध है तो कहीं स्कूल, सरकारी संस्थान या विशेष सार्वजनिक स्थानों तक इसे सीमित किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान होगी वार्ता? विदेश मंत्री रूबियो बोले- ईरान से चर्चा को तैयार अमेरिका इटली कर रहा बुर्का बैन की तैयारी इटली में भी 1975 से सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ा कानून ऐसे साधनों के इस्तेमाल पर रोक लगाता है, जिनसे व्यक्ति की पहचान करना मुश्किल हो। इस कानून की व्याख्या को लेकर बुर्का और नकाब को शामिल करने पर लंबे समय से चर्चा होती रही है। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी स्कूलों में बुर्के को प्रतिबंधित करने की तैयारी तेज कर दी हैं। मिली जानकारी के अनुसार इटली में प्रवासियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सरकार चेहरा छुपाने पर प्रतिबंध की तैयारी कर रही है। वहीं, हर यूरोपीय देश में ऐसा प्रतिबंध नहीं है। स्वीडन में बुर्का और नकाब पर देशव्यापी प्रतिबंध नहीं है। कुछ स्थानीय स्तर पर प्रतिबंध लगाने के प्रयास हुए, लेकिन उन्हें कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तान ने 2 हजार पूर्व अफगान सैनिक भर्ती किए

क्वेटा, एजेंसी। बलूचिस्तान में बलूच विद्रोहियों के बढ़ते हमलों से पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल पर दबाव बढ़ रहा है। इनसे निपटने के लिए पाकिस्तान ने 2,000 पूर्व अफगान सैनिकों और पुलिसकर्मियों भर्ती किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें ज्यादातर वे अफगान सैनिक हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना के साथ तालिबान के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। एक पूर्व अफगान सैनिक के मुताबिक, भर्ती हुए लोगों को हर महीने 40 हजार पाकिस्तानी रुपए, यानी करीब 13,807 भारतीय रुपए मिलते हैं।

बलूचिस्तान में 2 महीने में 172 हमले, 68 सुरक्षाकर्मी मारे गए : बलूचिस्तान में सुरक्षा ऑपरेशन चलाए जाने के बावजूद विद्रोही थानों, सरकारी दफ्तरों और हाईवे को निशाना बना रहे हैं। पाकिस्तान की सुरक्षा और हिंसा से जुड़े मामलों पर रिसर्च करने वाली संस्था [illegible] के मुताबिक, दो महीने में बलूचिस्तान में 172 हमले हुए। अकेले जुलाई में विद्रोही हमलों और सुरक्षा ऑपरेशन के दौरान 62 सुरक्षाकर्मी मारे गए। हालात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नौश्की शहर में विद्रोहियों से नियंत्रण वापस लेने के लिए पाकिस्तानी सेना को हेलिकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल करना पड़ा। तालिबान की वापसी के बाद नौकरी गई, आर्थिक तंगी ने भर्ती को मजबूर किया अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद कई पूर्व अफगान सैनिकों की नौकरी और तनख्वाह बंद हो गई। बदले के डर से इनमें से कई पाकिस्तान चले आए। 2021 से 2023 के बीच पूर्व सैनिकों और सुरक्षाकर्मियों की 218 हत्याएं हुईं। ऐसे माहौल में उनके लिए अफगानिस्तान वापस जाना मुश्किल था। पाकिस्तान आने के बाद इन लोगों के पास कोई काम नहीं था। पैसों की दिक्कत बढ़ती गई। ऐसे में जब सुरक्षा बल में नौकरी मिली, तो उन्होंने इसे अपना लिया। पाकिस्तान को इन सैनिकों से क्या फायदा? इन पूर्व अफगान सैनिकों को हथियार चलाने और लड़ाई का पहले से अनुभव है। वे तालिबान के खिलाफ लड़ चुके हैं और सीमावर्ती इलाकों में काम कर चुके हैं। इसलिए उन्हें सुरक्षा से जुड़े काम समझाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। पाकिस्तान के लिए इसका एक फायदा यह भी है कि इन लोगों को पहले से सैन्य ट्रेनिंग मिली हुई है।

न्यूयॉर्क: यूएन मुख्यालय के पास मिला संदिग्ध पैकेट, बम की आशंका, सुरक्षा एजेंसिया अलर्ट; पुलिस ने क्या बताया?

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान न्यूयॉर्क में मंगलवार को एक संदिग्ध पैकेट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। यह पैकेट 43वीं स्ट्रीट और थर्ड एवेन्यू के पास मिला था। मामला संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से कुछ ही दूरी का था, जहां दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष और सरकारों के प्रमुख महासभा के उच्चस्तरीय सत्र में हिस्सा ले रहे हैं। एहतियात के तौर पर पुलिस ने 42वीं स्ट्रीट से 44वीं स्ट्रीट तक और सेकंड एवेन्यू से लेक्सिंगटन एवेन्यू के बीच का इलाका बंद कर दिया। लोगों से इस क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की गई।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान न्यूयॉर्क में मंगलवार को एक संदिग्ध पैकेट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। यह पैकेट 43वीं स्ट्रीट और थर्ड एवेन्यू के पास मिला था। मामला संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से कुछ ही दूरी का था, जहां दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष और सरकारों के प्रमुख महासभा के उच्चस्तरीय सत्र में हिस्सा ले रहे हैं। एहतियात के तौर पर पुलिस ने 42वीं स्ट्रीट से 44वीं स्ट्रीट तक और सेकंड एवेन्यू से लेक्सिंगटन एवेन्यू के बीच का इलाका बंद कर दिया। लोगों से इस क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की गई।

जांच के बाद पैकेट को लेकर क्या सामने आया : न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बाद में बताया कि पैकेट की जांच कर ली गई है और उसे संदिग्ध नहीं पाया गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता के अनुसार, 22 सितंबर को करीब दोपहर तीन बजे सुरक्षा एजेंसियों और उनके सहयोगी दलों ने 43वीं स्ट्रीट और थर्ड एवेन्यू के आसपास के रास्ते एहतियात के तौर पर बंद किए थे। जांच के बाद साफ हुआ कि इस सामान से आम लोगों को कोई खतरा नहीं था। इसके बाद इलाके को फिर से खोला गया। हालांकि पुलिस ने 43वीं स्ट्रीट के थर्ड एवेन्यू से लेक्सिंगटन एवेन्यू तक के हिस्से को कुछ समय के लिए बंद रखा।

इलाके में मौजूद लोगों ने क्या बताया : घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने इलाके में भारी सुरक्षा व्यवस्था देखी। पास की एक इमारत में काम करने वाले न्यूयॉर्क निवासी ने बताया कि सड़कें बंद होने के साथ कई मोटरकेड भी इलाके से गुजर रहे थे। उसने स्थिति को बेहद तनावपूर्ण बताया और लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि थर्ड एवेन्यू को 42वीं स्ट्रीट के उत्तर में कुछ घंटों के लिए घेर दिया गया था। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे। उसने बताया कि उसे लगा कि कोई सूटकेस या सामान मिला था, जिसकी पुलिस जांच कर रही थी। यह घटना ऐसे समय हुई, जब न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा का 81वां सत्र चल रहा है। उच्चस्तरीय आम बहस 22 से 26 सितंबर और फिर 28 सितंबर को होनी है।

ब्रिटेन के नए पीएम से मिले ट्रंप: दोनों देशों के रिश्तों को बताया बेहतर, चागोस द्वीप समझौते पर भड़के ?

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम से पहली मुलाकात में दोनों देशों के रिश्तों को लेकर सकारात्मक संकेत दिए। ट्रंप ने बर्नहम को कारोबार समझने वाला नेता बताया, लेकिन चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को सौंपने की ब्रिटेन की योजना पर कड़ी आपत्ति जताई। रणनीतिक रूप से अहम डिएगो गार्सिया को लेकर दोनों देशों के बीच क्या मतभेद हैं? बर्नहम इसे कैसे सुलझाएंगे? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं... अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम की न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान पहली

आमने-सामने मुलाकात हुई। करीब तय समय से ज्यादा चली इस बैठक में दोनों नेताओं ने व्यापार, यूक्रेन, फॉकलैंड द्वीप, ईरान और सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। मुलाकात के बाद ट्रंप ने बर्नहम की तारीफ करते हुए उन्हें कारोबार की समझ रखने वाला नेता बताया। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिटेन के साथ अमेरिका के रिश्ते पिछले प्रधानमंत्री की तुलना में अब बेहतर हैं। बर्नहम ने भी कहा कि दोनों नेताओं के बीच अच्छी समझ बनी है।

चागोस द्वीप समझौते पर ट्रंप ने क्यों जताई आपत्ति : दोनों नेताओं के बीच सबसे बड़ा मतभेद हिंद महासागर में स्थित चागोस द्वीप समूह को लेकर सामने आया। ब्रिटेन ने मॉरीशस को इस द्वीप समूह की संप्रभुता देने पर सहमति जताई है। इसके साथ ही डिएगो गार्सिया द्वीप पर मौजूद रणनीतिक अमेरिकी-ब्रिटिश सैन्य अड्डे को लंबे समय तक इस्तेमाल करने की व्यवस्था रखी गई है। हालांकि, इस समझौते को लागू करने के लिए जरूरी ब्रिटिश कानून की प्रक्रिया अमेरिकी विरोध के बाद रुक गई है। ट्रंप ने बैठक के बाद इस समझौते को बेहद खराब करार दिया और कहा कि डिएगो गार्सिया सैन्य और रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। ट्रंप की आपत्ति के बावजूद बर्नहम ने समझौते से पीछे हटने का ऐलान नहीं किया। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन अमेरिका के साथ मिलकर ऐसा रास्ता निकालने के लिए काम कर रहा है, जिससे डिएगो गार्सिया का सैन्य इस्तेमाल लंबे समय तक जारी रह सके। ब्रिटेन पहले ही मॉरीशस के साथ संधि कर चुका है, लेकिन इसे लागू करने के लिए संसद की मंजूरी अभी बाकी है। बर्नहम ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री नविन रामगुलाम से भी बातचीत की है और दोनों पक्षों के विदेश मंत्रियों की संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान बैठक की बात कही गई है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा: कश्मीर पर भाषण दे रहे थे एर्दोगन, उधर फोन पर रील्स देखते नजर आए सीरियाई राष्ट्रपति

न्यूयॉर्क , एजेंसी। एक तरफ न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) का मंच सजा है, जहां दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष और नेता वैश्विक चुनौतियों, युद्ध, शांति और कूटनीति जैसे गंभीर मुद्दों पर अपनी बात रख रहे है। इस बीच महासभा में हर नजर नेताओं के भाषण और अहम बैठकों पर थी। लेकिन इसी दौरान सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शारा का एक अलग ही अंदाज कैमरे में कैद हुआ। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र महासभा में गंभीर चर्चा चल रही थी, उस वक्त उनका ध्यान अपने फोन पर नजर आया। वह उस समय फोन पर इंस्टाग्राम रील्स देखते हुए दिखाई दिए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया।

क्या है पूरा मामला : कुर्दिस्तान 24 की रिपोर्ट के अनुसार, यूएनजीए के एक अनौपचारिक फुटेज में अल-शारा को तब आराम से अपना फोन इस्तेमाल करते, इंस्टाग्राम स्क्रॉल करते और रील्स भेजते हुए देखा गया, जब तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन पोडियम से भाषण दे रहे थे। वहीं, बता दें कि यह दूसरी बार है जब अल-शारा यूएनजीए में शामिल हुए हैं। इससे पहले 2025 में, लगभग 60 वर्षों में यूएनजीए में विश्व नेताओं को संबोधित करने वाले सीरिया के पहले प्रतिनिधि के तौर पर उन्होंने हिस्सा लिया था।

एर्दोगन अपने भाषण में क्या कहा : इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान एर्दोगन ने मंगलवार को कहा, 'दक्षिण एशिया में यह महत्वपूर्ण है कि कश्मीर मुद्दे सहित सभी विवादों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और संबंधित प्रस्तावों के तहत बातचीत के जरिए सुलझाया जाए।' एर्दोगन पिछले कुछ वर्षों से संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से कश्मीर का मुद्दा उठाते रहे हैं। भारत ने उनके ऐसे बयानों पर लगातार आपत्ति जताई है।

2019 में की थी क्या टिप्पणी : एर्दोगन ने 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जा हटाए जाने के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर पर टिप्पणी की थी। सितंबर 2019 में 74वें यूएन महासभा के सत्र में उन्होंने कहा था कि 80 लाख लोग लगभग नाकाबंदी में हैं और दुर्भाग्य से कश्मीर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पिछले 72 वर्षों में इस विवाद पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे सका। एर्दोगन की टिप्पणी पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। भारत ने तुर्किये से दूसरे देशों की संप्रभुता का सम्मान करने और भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी से बचने को कहा था। एर्दोगन ने इसके बाद भी संयुक्त राष्ट्र महासभा के अपने संबोधनों में कश्मीर का जिक्र किया। 2021 में उन्होंने कश्मीर को 74 साल से जारी समस्या बताया था और ऐसा समाधान निकालने की बात कही थी जो हमारे कश्मीरियों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करे। भारत ने तब भी उनके बयान पर आपत्ति जताई थी। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि एर्दोगन की लगातार टिप्पणियां इतिहास और कूटनीति की समझ को नहीं दर्शाती हैं।

अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ने बच्चों के लिए वैश्विक प्रौद्योगिकी और शिक्षा गठबंधन का दायरा बढ़ाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने बच्चों के लिए 57 देशों तक अपने वैश्विक प्रौद्योगिकी और शिक्षा गठबंधन का दायरा बढ़ाया है। उन्होंने छह बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ साझेदारी की घोषणा की है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के साथ आयोजित एक सभा के दौरान मेलानिया ट्रंप ने 'फोस्टरिंग द फ्यूचर टुगेदर' के विस्तार की जानकारी दी। उन्होंने ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस, पोलैंड, यूक्रेन, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, पनामा और कनाडा समेत कई देशों के नेताओं और प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'हम सब मिलकर संस्कृतियों, भाषाओं, इतिहास और परंपराओं का एक सुंदर संगम हैं। फिर भी, हम एक शाश्वत सत्य के लिए एकजुट हैं। हमारी दुनिया का भविष्य इस बात से तय होगा कि आज हम अपने बच्चों के लिए क्या करते हैं। '

'फोस्टरिंग द फ्यूचर टुगेदर' का उद्देश्य बच्चों की प्रौद्योगिकी और शिक्षा तक पहुंच बढ़ाना है। साथ ही, उन्हें नए उपकरणों का इस्तेमाल करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल विकसित करने में मदद करना है।

अमेरिका की प्रथम महिला ने कहा कि युवाओं को सशक्त बनाने के लिए केवल प्रौद्योगिकी तक पहुंच ही पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि बच्चों को यह भी

सीखना चाहिए कि नई टेक्नोलॉजी का जिम्मेदारीपूर्वक और प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जाए। उन्होंने कहा, 'हम मानव इतिहास के एक असाधारण दौर में जी रहे हैं। हम एक तकनीकी क्रांति की दहलीज पर एक साथ खड़े हैं। नए निजी क्षेत्र के साझेदार एडोब, अमेजन, गूगल, इंटेल, स्टारलिंक और जूम हैं। इस कार्यक्रम में एप्पल के टिम कुक और पेपाल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एनरिक लोरेस भी उपस्थित थे।

उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वीडियो कॉलिंग, मोबाइल कंप्यूटर, स्वचालित वाहन, आभासी वातावरण और बायोमेट्रिक पहचान को उन प्रौद्योगिकियों के उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जो विज्ञान कथाओं से निकलकर रोजमर्रा की जिंदगी में आ चुकी हैं। उन्होंने कहा, 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता पूरे व्यावसायिक क्षेत्र को बदल रही है और मानवता के लिए अब तक उपलब्ध जानकारी के सबसे बड़े भंडार तक पहुंच के दायरे को बढ़ा रही है। लेकिन सिर्फ पहुंच ही सशक्तिकरण नहीं है। हमें अपने बच्चों को टूल्स देने होंगे और उन्हें यह सिखाना होगा कि उन टूल्स का समझदारी से इस्तेमाल कैसे किया जाए।' प्रथम महिला ने 2026 के शेष बचे समय के लिए 'फोस्टरिंग द फ्यूचर टुगेदर' के चार कार्यक्रमों की भी घोषणा की। वह दिसंबर में फ्लोरिडा के मियामी में गठबंधन के पहले जी20 कार्यक्रम की मेजबानी करेंगी। फिलीपींस की प्रथम महिला लिजा अरानेटा मार्कोस मनीला में आसियान सम्मेलन के दौरान एक कार्यक्रम की मेजबानी करेंगी। पोलैंड की प्रथम महिला मार्टा नवरोका एक यूरोपीय क्षेत्रीय बैठक का आयोजन करेंगी, जबकि सेंट किट्स और नेविस के डियानी प्रिंस-डू कैरेबियन सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। उन्होंने जीवनसाथियों और अन्य नेताओं से बच्चों को ज्ञान के नए क्षेत्रों का पता लगाने, सोच-समझकर जोखिम उठाने और सामाजिक प्रगति में योगदान देने में मदद करने का आह्वान किया। मेलानिया ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान 'फोस्टरिंग द फ्यूचर टुगेदर' पहल की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य शुरू में सरकारों को एक साझा लक्ष्य के लिए एकजुट करना था।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)